राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार,24अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -208 पृष्ठ-10 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निर्माण कार्य से जुड़े मजदूरों को दिल्ली में मिलेगा काम, ऑनलाइन ऐसे करें आवेदन

नेशनल डेस्क ।

दिल्ली सरकार ने दिल्ली बिल्डिंग एवं अन्य निर्माण श्रमिक बोर्ड के तहत पंजीकरण कराने से वंचित रह गए निर्माण मजदूरों का पंजीकरण कराने के लिए 15 दिवसीय अभियान चलाने का निर्णय लिया है। निर्माण मजदूर 24 अगस्त से 11 सितंबर तक चलने वाले 'निर्माण मजदूर पंजीकरण अभियान, के दौरान अपना पंजीकरण करा सकते हैं। साथ ही, घर बैठे भी 222.द्गस्न्ड्ढद्य-ह्लद्धष्ह्ल.स्र्द्गद्यद्धद्बद्द्श्1ह्ल.ठ्ठद्बष्.द्बठ्ठ पर जाकर ऑनलाइन अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके लिए सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में कैंप स्थापित किया गया है। अभियान को गति देने के लिए सभी 70 विधायकों, संबंधित यूनियन और एजेंसियों को विस्तृत जानकारी दी गई है, ताकि वे भी अपने क्षेत्र के निर्माण मजदूरों को संबंधित कैंप में ले जाकर पंजीकरण करा सकें। 18-60 वर्ष आयु के बीच के लोग ही पंजीकरण करा सकते हैं। इस दौरान उनके पास 90 दिन काम करने का प्रमाण पत्र, फोटो, स्थानीय आईडी प्रमाण, बैंक खाता संख्या और आधार कार्ड होना जरूरी है। पंजीकृत मजदूर बोर्ड के तहत संचालित 18 तरह की योजनाओं लाभ प्राप्त कर सकते हैं। दिल्ली के श्रम मंत्री गोपाल राय ने एक प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। दिल्ली के श्रम मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों के लिए दिल्ली सरकार ने कोरोना के दौरान ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की थी। इस प्रक्रिया के तहत अभी तक 70 हजार निर्माण मजदूरों ने अपना आवदेन पंजीकरण के लिए दिया है। इसके साथ ही जितने भी मजदूरों ने ऑनलाइन के जरिए आवेदन किया है, उनके सत्यापन का काम भी चल रहा है। इस पंजीकरण की प्रक्रिया को और तेज करने के लिए दिल्ली सरकार 24 अगस्त से 11 सितंबर तक ''निर्माण मजदूर पंजीकरण अभियान'' शुरू करने जा रही है। इन 15 दिनों के अभियान में, जिसमें सोमवार से शुक्रवार तक पंजीकरण का अभियान चलेगा। इस अभियान के तहत अभी तक दिल्ली में अलग-अलग साइबर कैफे और किसी के सहयोग से मजदूर अपना पंजीकरण करा रहे थे, लेकिन अब सरकार की तरफ से दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में 70 स्कूलों में 24 अगस्त से कैंप लगाए जा रहे हैं, जो 11 सितंबर तक चलेंगे। दिल्ली के निर्माण मजदूर अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के संबंधित स्कूलों में जाकर निशुल्क पंजीकरण और आवेदन कर सकते हैं। अभी तक की प्रक्रिया के तहत फार्म अलग से भरे जाते थे और कार्यालय बुला कर उनका सत्यापन किया जाता था। इस अभियान के दौरान सभी कागज पूरे होने पर कैंप में ही फार्म भरे जाएंगे और उसी दौरान उनका सत्यापन कार्य भी पूरा कर दिया जाएगा। इससे मजदूरों को कई बार दफ्तर का चक्कर लगाने से राहत मिल जाएगी। यह पहले चरण का अभियान सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में बने कैंप में 24 से 11 सितंबर तक चलेगा। इसके मिलने वाले रिस्पॉस और प्रक्रिया की समीक्षा के बाद आगे की रणनीति व आगे के चरण को लेकर हम कोई निर्णय लेंगे। गोपाल राय ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान जितने भी मजदूर थे, उन लोगों को 5-5 हजार रुपये दो महीने तक सीधे उनके खाते में दिल्ली सरकार ने दिए हैं। इसके अलावा समान्य परिस्थितियों में भी निर्माण से संबंधित मजदूरों को दिल्ली बिल्डिंग एवं अन्य निर्माण श्रमिक बोर्ड के माध्यम से जो सहायता मिलती है। जिसमें यदि मजूदर के बेटे-बेटी की शादी है, तो उनको बेटे की शादी के लिए 35 हजार रुपये और लड़कियों की शादी के लिए 51 हजार रुपए दिए जाते हैं। उनके बच्चों की शिक्षा के लिए 500 रुपए दी जाती है और यदि कोई प्रोफेशनल कोर्स की पढ़ाई कर रहा है, तो उसको 10 हजार रुपए प्रतिमाह की सहायता राशि दी जाती है।

सीएम शिवराज का तंज- मध्य प्रदेश में सब कुछ कमलनाथ, बाकी कांग्रेस हो गई अनाथ

ग्वालियर।

ग्वालियर में भाजपा के सदस्यता ग्रहण समारोह के बीच रविवार को दूसरे दिन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कमलनाथ पर लगातार आक्रामक रुख अपनाते हुए निशाना साधा। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा का तीन साल में अध्यक्ष बदल जाता है लेकिन म. प्र. में अध्यक्ष कमलनाथ, मुख्यमंत्री कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ, युवाओं का नेता नकुल नाथ और बाकि कांग्रेस हो गई अनाथ । सीएम शिवराज ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह की बयानबाजी पर पलटवार करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह किस बात पर आरोप लगा रहे हैं। वादा खिलाफ़ी तुमने की, जनता को धोखा तुमने किया, वचन पत्र में किये वादे भूल गए और आज हमको दोष दे रहे है, आज पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई तो खिसिया कर अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि आज कांग्रेस एक घर से संचालित हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष बनेंगे तो कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष बनेंगे तो कमलनाथ, मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भी बैठेंगे कमलनाथ, युवाओं का नेता होगा उनका बता कमलनाथ और बाकी कांग्रेस हो गई अनाथ। बता दें कि इससे पहले दिग्विजय सिंह ने शिवराज सिंह चौहान पर सौदेबाजी का आरोप लगाते हुए कहा था कि

मध्य प्रदेश की जनता ने शिवराज और भाजपा को घर बैठा दिया था। वे चिंतन करते लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ सौदा कर कांग्रेस की निर्वाचित सरकार गिरा दी।

दिल्ली: किसान ने कामगारों को बुलाने के लिए खरीदे 20 हवाई टिकट, लॉकडाउन में भेजा था घर

नई दिल्ली। दिल्ली के एक किसान ने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण लागू लॉकडाउन के दौरान फंसे अपने 10 कामगारों को हवाई जहाज से बिहार भेजा था और अब उसने उन्हें और 10 अन्य प्रवासी कामगारों को वापस बुलाने के लिए सबके हवाई यात्रा के टिकट खरीदें हैं। पप्पन सिंह ने अपने कामगारों को वापस बुलाने के लिए एक लाख से अधिक रुपए के टिकट खरीदे हैं, ताकि वे अगस्त से अप्रैल माह के बीच मशरूम की खेती कर सकें। इनमें से कुछ कामगार 20 से ज्यादा वर्ष से उनके खेत में काम कर रहे हैं। इनमें से 10 कामगार ऐसे हैं जो पहली बार हवाई यात्रा करेंगे और वे 27 अगस्त को यहां आईजीआई हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। वे दिल्ली के तिगिपुर गांव में सिंह के साथ मशरूम की खेती करेंगे। बिहार के समस्तीपुर जिले में अपने पैतृक गांव से नवीन राम ने फोन पर कहा कि वह हवाई यात्रा करने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें कोई डर नहीं है क्योंकि वह इससे पहले मई में हवाई यात्रा कर चुके हैं। नवीन उस दस कामगारों में शामिल हैं जो लॉकडाउन के चलते यहां फंस गए थे और जिन्हें सिंह ने मई में घर वापस भेजा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने दिल्ली जाने के लिए रेल टिकट बुक करने की कोशिश की लेकिन अगले डेढ माह तक कोई ट्रेन नहीं है। नवीन ने कहा,'' अगर हम ट्रेन का इंतजार करेंगे तो इस मौसम में हम मशरूम की खेती नहीं कर पाएंगे। जब हमने अपने मालिक (नियोक्ता) को यह बात बताई तो उन्होंने कहा कि वह हमारे लिए हवाई जहाज के टिकट बुक कर देंगे ताकि कोई देरी नहीं हो। उनके अनुसार सिंह ने सभी 20 प्रवासी कामगारों के लिए 27 अगस्त को अपने पैतृक स्थानों से पटना हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए भी यात्रा की व्यवस्था की है।

संक्षिप्त समाचार

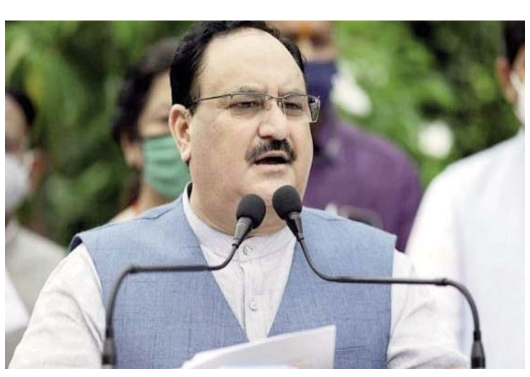

राजस्थान में वादाखिलाफी के लिए मशहूर है गहलोत सरकार: नड्डा

नेशनल डेस्क। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में अशोक गहलोत सरकार एक अकर्मण्य सरकार साबित हुई है। भाजपा राजस्थान की प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों की आनलाइन बैठक को राजधानी दिल्ली से संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि गहलोत सरकार एक ऐसी सरकार साबित हुई है जिसने लोगो को राहत पहुंचाने की बजाय विश्वासघात किया है। अपनी राजनीति चमकाने के सिवाय और कोई काम उन्होंने नहीं किया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जिस तरीके से राज्य में अपराध बढ़ रहे हैं वो इस बात का सूचक है कि प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं हैं। अपराध इस बात का द्योतक है कि अपनों को बचाना और भाई भतीजावाद करना, अपना पराया करना इसके सिवाय आज राजस्थान की सरकार कुछ नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आज तक 3,83,076 मामले दर्ज हुए है। यह लगभग 80 प्रतिशत वृद्धि है। उसी तरह से महिला उत्पीड़न में पिछले साल के मुकाबले 122 प्रतिशत की वृद्धि है। दलित उत्पीड़न के लगभग 92 प्रतिशत मामले बढ़े हैं। आदिवासी उत्पीड़न में 101 प्रतिशत बढ़ोत्तरी हुई है। नड्डा ने कहा कि ''बलात्कार, डकैती, लूटपाट के मामलों में बहुत बड़ी वृद्धि हुई है। यह आंकडे मैं आपके सामने इसलिए रख रहा हूं कि यह गहलोत सरकार की अकर्मण्यता, भाई भतीजावाद, सरकारी ढांचे के चरमराने का द्यौतक है। इन सारे विषयों को जनता तक सही तरीके से पहुंचाने की जिम्मेवारी और उनको इस बात के लिये उद्वेलित करने की भी जिम्मेवारी भाजपा के कार्यकर्ताओं की है।

रेप के आरोपी बाबा नित्यानंद ने लॉन्च किया अपना रिजर्व बैंक, करेंसी भी जारी की

नई दिल्ली। रेप के आरोपी भगोड़े बाबा नित्यानंद ने अपना केंद्रीय बैंक और उसकी करेंसी लॉन्च कर दी है। उसने इस बैंक का नाम रिजर्व बैंक ऑफ कैलासा रखा है। ये बैंक भगोड़े बाबा के अपने घोषित देश कैलासा में होगा। इस भगोड़े बाबा की देश की जांच एजेंसियां तलाश कर रही हैं। इससे पहले एक ऑनलाइन वीडियो में बाबा नित्यानंद ने ऐलान किया था कि वह आधिकारिक तौर पर 22 अगस्त को रिजर्व बैंक ऑफ कैलासा की करेंसी लॉन्च करेगा। नित्यानंद ने ये भी बताया था कि इसे लेकर एक देश के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर भी हो चुके हैं। नित्यानंद ने तीन दिन पहले वायरल वीडियो में कहा था कि उसके केंद्रीय बैंक का कामकाज पूरी तरह कानूनी है। साथ ही बताया था कि उसने रिजर्व बैंक ऑफ कैलासा की आर्थिक नीति भी तैयार कर ली है। उसने वीडियो में कहा कि 300 पेज के दस्तावेज में उसके केंद्रीय बैंक की आर्थिक नीति तैयार कर ली गई है. साथ ही उसका केंद्रीय बैंक करेंसी और आर्थिक रणनीति के साथ तैयार है। उसने दावा किया है कि करेंसी का देश के भीतर इस्तेमाल और बाहरी दुनिया से इस करेंसी के जरिये लेनदेन पूरी तरह से वैध होगा। इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। भगोड़े बाबा ने बताया कि उसके रिजर्व बैंक की मेजबानी करने वाले देश के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हो गए हैं। बता दें कि रेप के आरोपी बाबा नित्यानंद की एक वीडियो पिछले साल भी वायरल हुई थी।

कांग्रेस में होगा बदलाव

कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ेंगी सोनिया, नए अध्यक्ष पर आज वर्किंग कमेटी की बैठक में फैसला संभव; 5 पूर्व सीएम समेत 23 नेताओं की मांग- बदलाव जरूरी

ग्वालियर ।

कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर सोनिया गांधी का कार्यकाल 10 अगस्त को खत्म हो गया है। अब कुछ रिपोर्ट्स में पार्टी के सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि सोनिया गांधी अध्यक्ष पद से हटेंगी। वो इस पद पर अब नहीं रहना चाहती हैं। कल यानी सोमवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की अहम बैठक होनी है। माना जा रहा है कि इसी बैठक में नए अध्यक्ष पर फैसला संभव है। मीटिंग सुबह 11 बजे होगी।

पार्टी नेताओं ने चिट्ठी लिखकर की बदलाव की मांग

अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस के 23 नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखकर ऊपर से नीचे तक बदलाव करने की मांग की है। चिट्ठी लिखने वालों में 5 पूर्व मुख्यमंत्री, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य, सांसद और कई पूर्व केंद्रीय मंत्री शामिल हैं।

चिट्ठी में क्या है?

इस बात का जिक्र है कि भाजपा लगातार आगे बढ़ रही है, पिछले चुनावों में युवाओं ने डटकर नरेंद्र मोदी को वोट दिए। कांग्रेस का बेस कम होने और युवाओं का आत्मविश्वास टूटने को लेकर गंभीर चिंता जताई गई है। बताया जा रहा है कि करीब 15 दिन पहले भेजी गई इस चिट्ठी में बदलाव का ऐसा एजेंडा दिया गया है, जिसकी बातें मौजूदा लीडरशिप को चुभ सकती हैं।

इन 3 मांगों का जिक्र

1. लीडरशिप फुल टाइम (पूर्णकालिक) और प्रभावी हो, जो कि फील्ड में एक्टिव रहे। उसका असर भी दिखे।
2. कांग्रेस वर्किंग कमेटी के चुनाव करवाए जाएं।
3. इंस्टीट्यूशनल लीडरशिप मैकेनिज्म तुरंत बने, ताकि पार्टी में फिर से जोश भरने के लिए गाइडेंस मिल सके।

अमरिंदर सिंह बोले- गांधी परिवार की लीडरशिप को चुनौती देना गलत

इस बीच पार्टी नेता सलमान खुर्शीद ने रविवार को कहा कि आंतरिक चुनावों की बजाय सबकी सहमति देखी जानी चाहिए। राहुल गांधी को कार्यकर्ताओं का पूरा समर्थन है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वे पार्टी अध्यक्ष हैं या नहीं। उधर, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी गांधी परिवार की लीडरशिप को चुनौती देने वाले नेताओं का विरोध किया है।

राहुल को अध्यक्ष बनाने के लिए उठी आवाज

बताया जा रहा है कि पार्टी का एक गुट राहुल गांधी को फिर से अध्यक्ष बनाना चाहता है। पार्टी ने भी 2 दिन पहले मीडिया ब्रीफिंग में कहा था कि देशभर के कार्यकर्ता राहुल को अध्यक्ष के तौर पर देखना चाहते हैं। इस बीच छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने भी राहुल गांधी को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में राहुल से पार्टी का अध्यक्ष पद संभालने की अपील की है।

अनुच्छेद 370 की बहाली पर एकजुट हुए कश्मीर के सभी दल, चिदंबरम ने कहा- एकता और साहस को सलाम

नई दिल्ली।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदम्बरम ने रविवार को जम्मू कश्मीर के छह राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के संयुक्त प्रस्ताव का स्वागत किया और उनसे पूर्व राज्य के विशेष दर्जे की बहाली की अपनी मांग के पीछे 'दृढ़तापूर्वक खड़े रहने की अपील की। गृह और वित्त जैसे अहम मंत्रालयों का कामकाज संभाल चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया, '' मुख्य धारा के छह विपक्षी दलों की एकता और साहस को सलाम जो अनुच्छेद 370 के निरसन के विरूद्ध संघर्ष के लिए कल (शनिवार को) एकजुट हुए। नेशनल कांफ्रेंस और उसके चिर प्रतिद्वंद्वी पीडीपी समेत छह राजनीतिक दलों ने प्रस्ताव जारी कर स्पष्ट किया कि 'हमारे बगैर हमारे बारे में कुछ भी नहीं हो सकता। इस बयान का स्पष्ट संकेत है कि केंद्र को किसी भी संवैधानिक बदलाव को लागू करने से पहले जम्मू कश्मीर के लोगों को विश्वास में लेना होगा।

इन राजनीतिक दलों ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत पूर्व राज्य को प्राप्त विशेष दर्जे के निरसन को 'दुर्भावनापूर्ण अदूरदर्शी और 'बिल्कुल असंवैधानिक कदम बताया और पिछले साल के पांच अगस्त से पहले की स्थिति की बहाली के लिए संयुक्त प्रयास करने का संकल्प लिया।चिदम्बरम ने लिखा, '' मैं उनसे अपनी मांग के साथ पूरी तरह से खड़े होने की अपील करता हूं। स्वयंभू राष्ट्रवादियों की तथ्यहीन आलोचना की उपेक्षा करें जो इतिहास को नहीं पढ़ते हैं लेकिन इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश करते हैं। उन्होंने लिखा, '' भारत के संविधान में राज्यों के लिए विशेष प्रावधान और शक्ति के असमान वितरण के कई उदाहरण हैं। अगर सरकार विशेष प्रावधानों के खिलाफ है ।

तो फिर नागा मुद्दों को वह कैसे सुलझाएगी? शनिवार के प्रस्ताव को गुपकर घोषणा -।। नाम दिया गया और उसे मीडिया में वितरित किया गया। उस पर नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती, कांग्रेस की जम्मू कश्मीर इकाई के प्रमुख जी ए मीर, पीपुल्स कांफ्रेंस के नेता सज्जाद लोन, माकपा के प्रदेश सचिव एम वाई तारिगामी, जम्मू कश्मीर अवामी नेशनल कांफ्रेंस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुजफ्फर शाह के दस्तखत हैं। एक साल से भी अधिक समय बाद राजनीतिक दलों का यह पहला संयुक्त बयान है।

पार्टी में नेतृत्व के लिए चुनाव के स्थान पर आम सहमति बनाए कांग्रेस : सलमान खुर्शीद

नई दिल्ली। अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने को लेकर कांग्रेस के अंदर से उठती आवाजों के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने रविवार को कहा कि पार्टी को चुनावों की जगह सर्वसम्मति को एक मौका देना चाहिए। खुर्शीद ने यह भी कहा कि राहुल गांधी को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का ÷पूर्ण समर्थन÷ और ÷भरोसा÷ हासिल है और इससे फर्क नहीं पड़ता कि उनपर अध्यक्ष का ठप्पा है या नहीं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा, ÷मैंने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि गांधी कांग्रेस के नेता हैं। कोई भी इससे इनकार नहीं कर सकता, यहां तक कि विपक्ष भी इससे इनकार नहीं कर सकता। मैं एक नेता के होने से बहुत खुश हूं, मैं इस बात की चिंता नहीं करता कि हमारे पास अध्यक्ष है या नहीं, हमारे पास एक नेता (राहुल गांधी के रूप में) हैं और यह बात मुझे सुकून देती है। खुर्शीद की टिप्पणी का महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह पार्टी की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक से पहले आई है। बैठक में अध्यक्ष पद को लेकर चर्चा होने की उम्मीद है क्योंकि अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर सोनिया गांधी के एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। इसके साथ ही कुछ पूर्व मुख्यमंत्रियों समेत कांग्रेस के 23 नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर संगठनात्मक ढांचे में बदलाव की मांग की है। पार्टी में नेताओं के एक वर्ग द्वारा सीडब्ल्यूसी और अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने की मांग के बारे में पूछे जाने पर आंतरिक चुनाव की मांग करने वालों पर निशाना साधते हुए खुर्शीद ने कहा कि लोग कांग्रेस में ऐसी मांग को लेकर इतने व्यग्र क्यों हैं, जब किसी और दल में ऐसी मांग नहीं की जाती। खुर्शीद ने कहा, मैं बहुत हैरान हूं। मैंने कम्युनिस्ट पार्टी या क्षेत्रीय दलों अथवा भाजपा में ऐसी एक मांग के बारे में नहीं सुना। मैंने इनमें से किसी दल में भी चुनावों की मांग के बारे में नहीं सुना। उन्होंने कहा, ÷चुनाव महत्वपूर्ण हैं, लेकिन जिन ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, परिस्थितियों में चुनाव होने हैं ।

तनाव कम करने के लिए चीन की शर्त, दोनों सेनाएं बराबरी से पीछे जाएं, भारत ने कहा- नामुमकिन

नई दिल्ली। लद्दाख में एलएसी पर चल रहे विवाद का समाधान खोजने के लिए भारत और चीन लगातार बातचीत कर रहे हैं। इस बातचीत के बीच भारत ने चीन पूर्वी लद्दाख के फिंगर एरिया के बराबर रूप से पीछे हटने के प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया है। कूटनीतिक स्तर बातचीत के बाद दोनों पक्ष पिछले तीन महीने से भी ज्यादा समय से सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए सैन्य स्तर की वार्ता आयोजित करने पर भी काम कर रहे हैं। इस बीच, शीर्ष सैन्य कमांडरों ने भी अपने फिल्ड कमांडरों को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर किसी भी घटना या कार्रवाई के लिए पूरी तरह से तैयार होने के लिए कहा है। पूर्वी लद्दाख में तैनात सेना के जवानों को लंबे समय तक इस तनातनी के तैयार रहने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने को बताया, चीनी पक्ष ने एक सुझाव दिया था कि भारत और चीन दोनों को फिंगर -4 क्षेत्र से समान रूप से वापस जाना चाहिए। यह सुझाव भारतीय पक्ष को स्वीकार्य नहीं है। फिलहाल, चीनी पांगोंग त्सो झील पर पास फिंगर 5 के आसपास हैं और फिंगर 5 से फिंगर 8 तक पांच किलोमीटर से अधिक के इलाकों में ड्रैगन ने बड़ी संख्या में सैनिकों और उपकरणों को तैनात किया है। भारतीय पक्ष चीनी सेना को यह सपष्ट कर चुका है कि चीनियों को फिंगर क्षेत्र से पूरी तरह से वापस जाना चाहिए और अपने सही स्थान पर वापस जाना चाहिए। सूत्रों ने कहा कि चीनी पक्ष के सुझाव को स्वीकार करने का कोई मतलब ही नहीं था। भारत 1993-1996 के दौरान दोनों पक्षों के बीच हुए समझौतों का उल्लंघन करने वाले चीनी के बारे में भी बात कर रहा है जो उन स्थानों पर किसी भी प्रकार के निर्माण पर प्रतिबंध लगाता है जहां एलएसी की धारणा दोनों पक्षों के बीच भिन्न थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

ऑनलाइन शिक्षा की खामी

पहले से आशंका व्यक्त की जा रही थी कि कोरोना काल में जिस ऑनलाइन शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है, बहुत प्रभावी नहीं होगी। अब राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आ गई है। सर्वेक्षण से एक तरफ संसाधनों की कमी उजागर हो गई, तो दूसरी तरफ शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की सीमाएं भी। 27 प्रतिशत छात्रों के पास स्मार्टफोन या लैपटॉप नहीं थे, तो 28 प्रतिशत ने बिजली में व्यवधान की शिकायत की। सर्वे के मुताबिक 36 प्रतिशत छात्र पुस्तकों का उपयोग कर रहे हैं यानी अब भी छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तकों की उपयोगिता बनी हुई है। खास बात यह कि सर्वे केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के छात्रों पर किया गया था, जो अच्छी गुणवत्ता वाले माने जाते हैं। कहा जा सकता है कि ऑनलाइन शिक्षा को लेकर सरकारों की तमाम कोशिश अभी जमीन पर उतरती नहीं दिख रही है, लेकिन यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि कोरोना संकट के कारण इस दिशा में तैयारी के लिए सरकारों को पर्याप्त समय नहीं मिला। सच तो यह है कि कोरोना-जनित चुनौती का ही नतीजा है कि अब इस दिशा में जोरदार कोशिश हो रही है। उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनों में इसमें व्याप्त कमियों का दूर कर लिया जाएगा। मसलन, उपकरणों की उपलब्धताग उनके उपयोग की जानकारीग शिक्षकों का प्रशिक्षण इत्यादि। आने वाले समय में सूचना तकनीक के इन संसाधनों तक साधारण परिवार के छात्रों की भले ही पहुंच हो जाए, लेकिन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के लिहाज से इसकी उपयोगिता के प्रति अभी संशय है। खुद सर्वेक्षण में ऑनलाइन माध्यम से पढवई को कठिन बताने वाले लोग सामने आए हैं, भले ही उनकी संख्या विषयों के हिसाब से कम या ज्यादा है। दरअसल, ऑनलाइन शिक्षा छात्रों और शिक्षकों के बीच बेहतर संवाद की दृष्टि से अभी अपेक्षा के अनुरूप खरी उतरती नहीं दिख रही। ऐसे में इस कमी को दूर किए बिना अगर इस माध्यम से शिक्षा को व्यापक स्तर पर बढवया गया तो सामाजिक-आतथक दृष्टि से इसके दूरगामी परिणाम होंगे। प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री जॉन ड्यूई की दृष्टि में समाज ही संपूर्ण शिक्षा-व्यवस्था का ताना-बाना है और विद्यालय प्रधानत: एक सामाजिक संस्था। आखिरकार, शिक्षा बच्चे में निहित पूर्णता का विकास है।

शहर में दरिया

पिछले कुछ दिनों से मूसलाधार बारिश के चलते देश की राजधानी दिल्ली व साइबर सिटी कहे जाने वाले गुरुग्राम में जिस तरह जनजीवन अस्तव्यस्त हुआ है, वह शासन-प्रशासन की नाकामी को ही उजागर करता है। इससे पहले जयपुर और मुंबई में बारिश से उपजी तबाही के मंजर सुर्खियां बनते रहे। यूं तो हर बरसात में देश के अनेक भागों से बाढ़ की खबरें आती हैं, लेकिन उसके पीछे भौगोलिक जटिलताएं और नदियों का उफान होता है। सवाल यह उठता है कि देश की राजधानी दिल्ली, साइबर सिटी गुरुग्राम, भारतीय कारोबार की राजधानी मुंबई और टूरिस्ट हब जयपुर में बारिश से हुई बदहाली के लिये किसे जवाबदेह? ठहराया जाये? निस्संदेह आपदा से उबरने में नियोजन की चूक और इससे निपटने में की गई लापरवाही ही इन मुसीबतों का अहम कारण है। साल-दर-साल विभिन्न शहरों में ऐसी ही स्थितियां पैदा होती हैं मगर हम उससे कोई सबक नहीं लेते। यदि पिछले अनुभवों को ध्यान में रखकर नीतियों का निर्धारण किया गया होता तो संकट इतना बड़ा नहीं होता। अंडरपास में जलभराव में फंसे वाहन, सड़कों का धसना और जलभराव से लगने वाले जाम घंटों लोगों को मुसीबत में डाल देते हैं। वर्षा ऋतु के आगमन से पहले नालों व सीवर की सफाई तथा जल निकासी हेतु जो कदम उठाये जाने चाहिए, स्थानीय निकाय उस पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते। स्थानीय निकाय महज राजनीति के अखाड़े बनकर रह गये हैं। जनता आसमान में बादल घिरते ही सहम जाती है कि कहां सड़क धसेगी, कहां दीवार गिर सकती है या फिर वे घर से दफ्तर कैसे निकलेंगे। लेकिन शासन-प्रशासन में जनता की दुश्वारियों के प्रति कोई संवेदनशीलता नजर नहीं आती। यही वजह है कि साल-दर-साल जल निकासी की समस्या जटिल होती जा रही है। विडंबना देखिये कि भारी जलभराव के कारण गुरुग्राम की सड़कों पर नाव तैरती नजर आई जो शासन-प्रशासन की विफलताओं का पर्याय ही है।

बीते सप्ताह राजस्थान की राजधानी जयपुर में बारिश के पानी का जो सैलाब आया, उससे पिंक सिटी के लोगों की रूह कांप गई। शहर की तमाम निचली बस्तियों में पानी भर गया। बारिश अपने साथ जो हजारों टन मिट्टी लाई, उससे तमाम घर दब गये। वाहनों की लंबी कतारें मिट्टी के नीचे दबकर रह गई। घर में घुसने के लिये लोगों ने कई दिन मिट्टी हटाने का काम किया। मिट्टी में दबे वाहनों को निकालने के लिये जेसीबी और डंपर का इस्तेमाल किया गया। तमाम महत्वपूर्ण संस्थानों और दुकानों के बेसमेंट में पानी भर जाने से करोड़ों का नुकसान हुआ। जयपुर के एक चर्चित संग्रहालय के बेसमेंट में रखी दुर्लभ सामग्री पानी भरने से तबाह हो गई। निचली बस्तियों के जलमग्न होने से लोग दाने-दाने के मोहताज हो गये। पानी का सैलाब बर्बादी का मंजर दिखा गया। कई फीट मिट्टी में दबे लोगों के भरण-पोषण के साधन ऑटो रिक्शा, कार, टैंपो और घरेलू सामान लोगों के दुख बयां कर रहे थे। लेकिन शासन-प्रशासन की तरफ से कोई ठोस मदद इन लोगों को नहीं मिल पायी। आने वाले दिनों में बारिश की भविष्यवाणियां लोगों को डरा रही हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब राजस्थान की राजधानी पिंक सिटी जयपुर का ये आलम है तो राज्य के दूरदराज के शहरों व गांवों का क्या हाल होगा? सवाल यह भी कि आखिर ऐसी नौबत क्यों आती है कि लोग अपने घर में ही शरणार्थी बन जाते हैं। सवाल यह भी कि जीवनदायिनी मानसूनी बारिश अब डराने क्यों लगी है? क्यों थोड़ा ज्यादा बारिश होने पर शहर दरिया में तबदील हो जाता है? निस्संदेह अगस्त माह में दिल्ली में बारिश का सात साल का रिकॉर्ड टूटा है मगर फिर भी जलनिकासी का तो स्थायी इंतजाम हर चुनौती के मुकाबले के लिये होना चाहिए। आखिर शहरी स्थानीय निकाय हालात से सबक लेकर आने वाले दिनों के लिये तैयारी क्यों नहीं करते? क्या आम आदमी की फिक्र केवल वोट के लिये ही होती है? यह तय है कि हम इंफ्रास्ट्रक्चर और मैनेजमेंट की प्लानिंग में चूक रहे हैं।

कटाक्ष/कबीरदास

राजनीति में क्रोध

इंडियाना यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञानी स्टीवन वेबस्टर ने अपनी नई किताब अमेरिकन रेज में कहा है कि क्रोध अब अमेरिकी राजनीति की मुख्य भावना है। वह कहते हैं, दोनों प्रमुख पार्टियों के विशिष्ट लोगों को लगता है कि लोगों के गुस्से को भड़काना आसान है, 'क्योंकि एक नाराज मतदाता प्रतिबद्ध वोटर होता है।' सर्वे बताते हैं कि किसी एक पार्टी से मतदाताओं का जुड़ाव आज अपनी पार्टी की सकारात्मकता की बजाय दूसरी पार्टी के प्रति नकारात्मक भावना से अधिक प्रेरित है। इस साल की शुरुआत में बोस्टन की एक गैर-लाभकारी संस्था 'बियॉन्ड कॉन्फ्लिक्ट' ने अपने सर्वेक्षण में पाया था कि 79 प्रतिशत डेमोक्रेट और 82 फीसदी रिपब्लिकन विभ्रम के शिकार हैं। दोनों तरफ के मतदाताओं में ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है, जो यह मानते हैं कि दूसरा पक्ष उनके बारे में बुरी सोच रखता है, जबकि वास्तव में ऐसा होता नहीं।

'बियॉन्ड कॉन्फ्लिक्ट' का निष्कर्ष है कि मौजूदा ध्रुवीकरण का यह बेमानी पहलू 'तात्कालिक चुनौतियों से निपटने के वास्ते सहयोगपूर्ण रास्ता ढूंढ़ने' को अधिक कठिन बना देता है। राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी काफी सारे नेताओं का लक्ष्य पूरे समूह की बजाय अपने पक्षपाती वोटरों का प्रतिनिधित्व करना भर हो गया है। नेताओं ने अब उस परंपरा को त्याग दिया है, जो यह बताती थी कि विरोध को किस हद पर जाकर रोक देना चाहिए और सहयोग का रास्ता अपनाना चाहिए। इसके उलट वे वोटरों के भय को और बढ़ाने का काम करते हैं, क्योंकि क्रोध भय से प्रेरित होता है। इसीलिए इस महीने से शुरू हो रहे आधिकारिक चुनाव प्रचार में दोनों पार्टियों के रुख को देखना महत्वपूर्ण है। इस साल आम सहमति की जरूरत काफी अधिक है। मसलन, यदि नवंबर में मतपत्रों की गिनती में कड़ा मुकाबला हुआ, तो फिर कांग्रेस को ही विजेता तय करना पड़ सकता है। अमेरिकी इतिहास में ऐसा तीन बार हो चुका है। बहुत लंबी अवधि तक क्रोध एक थकाऊ भावना है। इसे विनम्रता या दूसरे पक्ष को सुनने व सम्मान देने की इच्छाशक्ति से विस्थापित किया जा सकता है।

सच को सामने लाने निकली सीबीआई

उपेन्द्र राय

सीबीआई है तो सच है और सच की उम्मीद है। देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी को लेकर जनमानस में बनी ये धारणा निराधार नहीं है। सीबीआई की साख बनने और लोगों के मन में इस धारणा के मजबूत होने के पीछे इस जांच एजेंसी की वर्षो की कड़ी मेहनत है और पेचीदा मामलों से जूझने का जुनून है, लेकिन सीबीआई को लेकर राजनीतिक टिप्पणियां भी लगातार सामने आती रहीं हैं। विपक्ष सत्ताधारी दल पर इस जांच एजेंसी के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगाता रहा है, लेकिन सच ये भी है कि जब भी किसी पेचीदा मामले की तह तक जाने के सारे रास्ते बंद हुए, तब इसी जांच एजेंसी ने अंधेरे में उम्मीद की लौ भी जलाई है। अपने गठन के बाद से ही इस जांच एजेंसी ने बेहतरीन उपलब्धियों का एक लंबा सफर तय किया है। यही वजह है कि जब बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में निष्पक्ष जांच की मांग उठी, तो सबकी जुबान पर एक नाम था और नाम था केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई।

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की की मौत का मामला देश का सबसे हाइप्रोफाइल केस बन गया है। 14 जून को आई सुशांत की मौत की खबर से पूरा देश सन्न रह गया। प्रथम दृष्टया ये मामला खुदकुशी का ही लगा। सुशांत की मौत की खबर सुनते ही मुंबई पुलिस भी हरकत में आई। सबसे पहले मुंबई के कूपर अस्पताल में सुशांत का पोस्टमार्टम कराया गया और फिर अंतिम संस्कार। मामला रफा दफा होता नजर आया, लेकिन अचानक इस मामले में इतने सारे संदेहात्मक बिंदु सामने आए कि देखते ही देखते इस मामले ने तूल पकड़ लिया। मुंबई पुलिस ने बिना केस दर्ज किए खुदकुशी के नजरिए से इस मामले की जांच शुरू कर दी। जाहिर है जब पुलिस ही मान ले कि ये खुदकुशी है और इसमें किसी तरह की कोई साजिश नहीं है, तो फिर जांच कैसी? लेकिन जैसे ही सुशांत के परिवार ने कुछ सवाल उठाते हुए, सुशांत की गर्लफ्रेंड रही रिया चक्रवर्ती और उसके परिवार के खिलाफ पटना में केस दर्ज कराया, मामला गंभीर हो उठा। शुरु आत में ये मामला मुंबई पुलिस बनाम बिहार पुलिस का होता दिखा, लेकिन आखिरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस मामले की तहकीकात सीबीआई सौंप दी गई।

सुशांत सिंह केस हाथ में आते ही सीबीआई की टीम ने जिस तत्परता से अपना काम शुरू किया है, उससे सुशांत को न्याय मिलने की उम्मीदें जग गई हैं। सीबीआई को भी इस केस की पेचीदगियों का इल्म था, लिहाजा देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी ने उसी हिसाब से टीमें गठित की। सुशांत मामले की जांच करने वाली सीबीआई की 16 सदस्यीय टीम में हर किसी का काम बांट दिया गया है। मसलन वीडियो और तस्वीरों की जांच करना, पोस्टमार्टम रिपोर्ट की स्टडी और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की राय लेना, चश्मदीदों के बयान का मुआयना करना, सीन ऑफ क्राइम को रिक्रिएट करना, साथ ही केस से जुड़े अहम लोगों से पूछताछ करना। तेजतर्रार पुलिस अफसरों की ये टीम आईपीएस अधिकारी मनोज शशिधर के नेतृत्व में काम कर रही है। जांच के पहले ही दिन कई ऐसी बातें सामने आई, जिससे लोगों को सुशांत के खुदकुशी करने की बात पर शक गहराने लगा है। साथ ही इस पूरे मामले में कई हाईप्रोफाइल लोगों के भी शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में सीबीआई पर बड़ी जिम्मेदारी आन पड़ी है। मुंबई पुलिस अगर चाहती तो ये मामला सुलझा सकती थी, लेकिन उसने पूरे मामले में अब तक जो हीलाहवाली की है, उससे देश में स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस के समकक्ष मानी जाने वाली मुंबई पुलिस की प्रतिष्ठा निःसंदेह धूमिल हुई है। घटना के दो महीने से ज्यादा वक्त बीत जाने के बाद हालांकि कई अहम सबूत नष्ट हो चुके होंगे, या फिर नष्ट किए जा चुके होंगे। ऐसे में सीबीआई को इस केस को सुलझाने के लिए काफी मशक्कत करनी होगी। हालांकि सीबीआई ने पहले दिन से ही कड़ियों को जोड़ना शुरू कर दिया है। सीबीआई के पहले दिन की जांच में जो बातें अब तक निकलकर सामने

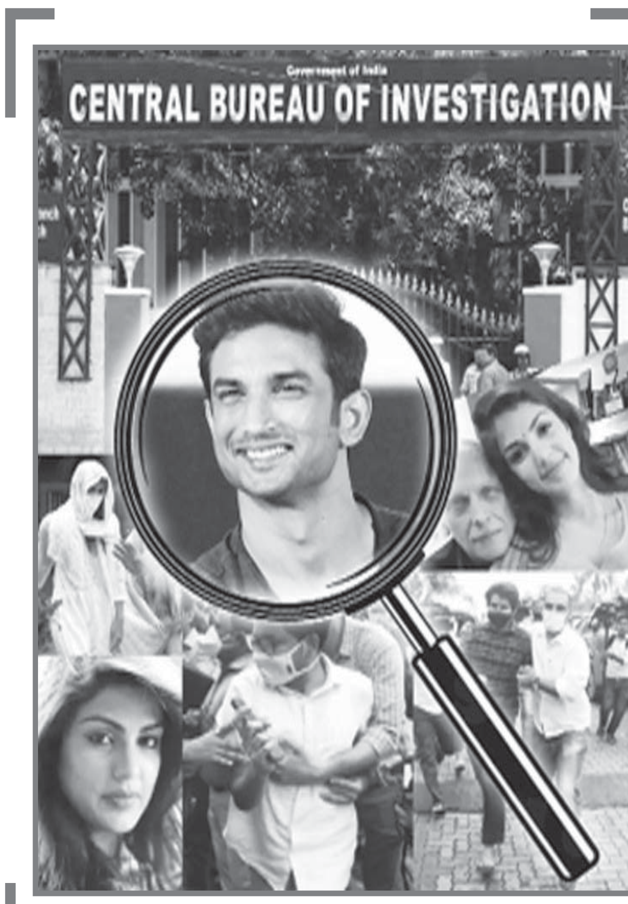

आई है, उससे इतना तो साफ है कि ये मामला उतना आसान नहीं है, जितना समझा जा रहा था। जांच के पहले दिन सीबीआई की टीम ने बांद्रा पुलिस स्टेशन जाकर सुशांत केस से जुड़े सारे दस्तावेज ले लिए हैं। साथ ही इस केस में अब तक दर्ज किए गए बयानों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, जुटाए गए तमाम सबूत, फॉरेंसिक सबूत का हैंडओवर लिया गया है। इसके अलावा सुशांत के घर के सीसीटीवी फुटेज भी जब्त कर लिए गए हैं। उधर सीबीआई की एक टीम मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ भी शुरू कर चुकी है, लेकिन इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल सुशांत के पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर सामने आ रहा है। जांच एजेंसी को शक है कि या तो पोस्टमार्टम ठीक से नहीं हुआ या फिर रिपोर्ट में कहीं-न-कहीं कोई गड़बड़ी है, क्योंकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत के समय जैसी अहम जानकारी का उल्लेख ही नहीं किया गया है।

सीबीआई ने सुशांत की पोस्टमार्टम रिपोर्ट की जांच के लिए देश के जाने-माने फॉरेंसिक एक्सपर्ट और एम्स के डॉक्टर सुधीर गुप्ता को नियुक्त किया है। उन्होंने भी सुशांत की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं। ऐसे में तमाम चुनौतियों के बावजूद अगर सीबीआई केस से जुड़े तमाम उलझी कड़ियों को जोड़ने में कामयाब हो जाती है तो असली गुनहगार सलाखों के पीछे होंगे। चूंकि सीबीआई को मामले की जांच करने का जिम्मा घटना के दो महीने बाद मिला है, ऐसे में इसकी तह तक जाने की राह थोड़ी कठिन जरूर है, लेकिन पेचीदा मामलों को ही हल करने में तो सीबीआई को महारत हासिल है। अतीत की कुछ घटनाएं सीबीआई की कार्यकुशलता पर जनमानस के भरोसे को मजबूत करती हैं। सितम्बर 2011 में राजस्थान की भंवरी देवी की हत्या का मामला हो, या फिर साल 2017 में गुरु ग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल का प्रद्युम्न हत्याकांड मामला, सीबीआई ने जिस तरीके से तह में जाकर दोनों मामले को सुलझाया, वो इस जांच एजेंसी की कार्यक्षमता और दक्षता को दर्शाता है। भंवरी देवी हत्या मामले में सीबीआई ने चर्चित सीडी की जांच के दौरान मिले एक ऑडियो क्लिप से मुजरिमों तक पहुंचने का रास्ता ढूंढ़ निकाला था। तो वहीं प्रद्युम्न हत्या मामले को महज 8 सेकेंड की वीडियो फुटेज से सुलझा दिया। और असली दोषी को सलाखों को पीछे पहुंचा दिया। इसी तरह साल 2012 में इंद्राणी मुखर्जी-पीटर मुखर्जी की बेटी शीना बोरा की रायगढ़ के जंगलों में लाश मिली थी। मामले में कोई साक्ष्य मौजूद नहीं था, बावजूद इसके सीबीआई ने उपलब्ध तथ्यों को बारीकी से जोड़ते हुए कातिल को अपने गिरफ्त में ले लिया।

साल 2006 में निठारी कांड, 1992 का सिस्टर अभया मर्डर केस और 1996 का प्रियदर्शिनी मट्टू केस के अलावा घोटालों से जुड़े कई ऐसे मामले थे, जिसकी तह तक जाने में सीबीआई कामयाब रही। सत्यम कंप्यूटर के मालिक रामलिंगा राजू का हजारों-करोड़ों का घपला सीबीआई की जांच से ही सामने आ पाया। ये सीबीआई अधिकारियों की अथक मेनहत का ही नतीजा है कि भारतीय बैंकों को चपत लगाकर लंदन भागे कारोबारी विजय माल्या भारत लौटने के लिए दिन गिन रहे हैं। तमाम बेहतरीन उपलब्धियों के बावजूद ऐसा नहीं है कि देश की इस प्रमुख जांच एजेंसी के दामन पर विवादों के दाग न लगे हों। सबसे बड़ा आरोप तो इस संस्था के अधिकार और निष्पक्षता को लेकर सामने आता रहा है। इसी आरोप के तहत इस जांच एजेंसी को सरकार के इशारे पर काम करने वाली संस्था कहा जाता रहा है। अदालत की कार्यवाहियों में इस एजेंसी की कार्यक्षमता और इंन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट्स को लेकर लगातार टिप्पणियां होती रही हैं कि उत्कृष्ट संसाधनों से लैस इस संस्था की निष्पक्ष जांच और राजनीतिक दबाव में की गई जांच में एक बड़ा गैप है, लेकिन इन आरोपों के बावजूद इंवेस्टिगेशन में साइंटिफिक अप्रोच और आधुनिक तकनीक का कौशलपूर्ण इस्तेमाल इस संस्था को दुनिया की बेहतरीन जांच एजेंसियों की कतार में खड़ा करता है।

> पेचीदा मामलों को ही हल करने में तो सीबीआई को महारत हासिल है। अतीत की कुछ घटनाएं सीबीआई की कार्यकुशलता पर जनमानस के भरोसे को मजबूत करती हैं। सितम्बर 2011 में राजस्थान की भंवरी देवी की हत्या का मामला होग या फिर साल 2017 में गुरु ग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल का प्रद्युम्न हत्याकांड मामलाग सीबीआई ने जिस तरीके से तह में जाकर दोनों मामले को सुलझायाग वो इस जांच एजेंसी की कार्यक्षमता और दक्षता को दर्शाता है.

वैश्विकी

पाकिस्तान का काल कश्मीर

डॉ. दिलीप चौबे

प्रधानमंत्री इमरान खान की कश्मीर नीति पाकिस्तान के लिए गले की हड्डी बन गई है। पिछले एक वर्ष के दौरान पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे को देश की विदेश नीति का केंद्रबिंदु बना रखा है। इमरान खान ने खुद को कश्मीर का स्वयंभू वकील मानकर अंतरराष्ट्रीय मंचों और कूटनीतिक क्षेत्रों में कश्मीर मुद्दे के बहाने भारत के विरुद्ध माहौल बनाने की कोशिश की है। अपने इस आक्रामक नीति के कारण पाकिस्तान को नये दोस्त तो नहीं मिले बल्कि उसके सामने पुराने दोस्तों को खोने का खतरा मौजूद हो गया है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री महमूद शाह कुरैशी ने पिछले दिनों सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे प्रमुख इस्लामी देशों पर कश्मीर के बारे में उदासीनता बरतने का आरोप लगाया था। कुरैशी का यह आरोप सऊदी अरब को नागवार गुजरा। सऊदी अरब ने पाकिस्तान से उसे दिए गए कर्ज के भुगतान के लिए कहा। बात केवल कर्ज के भुगतान की नहीं थी बल्कि सऊदी अरब पाकिस्तान को यह संदेश दे रहा था कि वह अपनी औकात से बढ़कर न बोले। अरब देश का यह रवैया इतना तल्ख था कि पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा को सऊदी अरब की यात्रा करनी पड़ी जहां उन्होंने अपनी ओर से सफाई देकर सऊदी अरब के गुस्से को शांत करने की कोशिश की, लेकिन इस यात्रा के दौरान भी जनरल बाजवा सऊदी अरब के शासक मोहम्मद बिन सलमान के साथ मुलाकात नहीं कर सके। पाकिस्तान की विदेश नीति और वहां का शासन तंत्र भारत विरोध और इस्लामी राज्य की विचारधारा पर टिका है। देश के केवल मजहबी गुट ही नहीं बल्कि मुख्यधारा के राजनीतिक दल भी दशकों से देश में इस्लामीकरण की प्रक्रिया चला रहे हैं। इस मजहबी विचारधारा और जुनून का इतना प्रचार-प्रसार हो गया है कि पाकिस्तान के लिए इस्लामी जगत के प्रमुख देशों को चुनौती देना या उनकी आलोचना करना संभव नहीं है। यही कारण है कि शाह महमूद कुरैशी के विवादास्पद बयान के बाद पाकिस्तान में यह कयास लगाया जाने लगा कि उन्हें पद से हटाया जाने वाला है। प्रधानमंत्री इमरान खान ने हाल में कुरैशी के बयान के बारे में सफाई दी। उन्होंने कहा कि हर देश की अपनी स्वतंत्र विदेश नीति होती है। वह इस ओर संकेत कर रहे थे कि विभिन्न मुद्दों पर वह सऊदी अरब या अन्य इस्लामी देशों से अलग हटकर विदेश नीति चला सकते हैं। कूटनीतिक क्षेत्रों में इस बात पर भी चर्चा हो रही है कि क्या पाकिस्तान किसी वैकल्पिक गठबंधन के बारे में सोच रहा है। पिछले दिनों पाकिस्तान ने तुर्की और मलेशिया के साथ मिलकर एक साझा इस्लामी मंच बनाने की कोशिश की थी। सऊदी अरब के विरोध के कारण इस दिशा में आगे प्रगति नहीं हो पाई।

भूरणनीति की दृष्टि से पाकिस्तान के अमेरिका और सऊदी अरब की बजाय चीन और ईरान के साथ जुड़ने का एक विकल्प है। चीन उसका परंपरागत रूप से दोस्त रहा है। पूर्वी लद्दाख में सैन्य संघर्ष और तनाव की स्थिति के बाद चीन और पाकिस्तान की निकटता बढ़ सकती है। पूर्वी लद्दाख के घटनाक्रम के बाद चीन अंतरराष्ट्रीय जगत में अलग-थलग पड़ गया है। अमेरिका को चीन के विरुद्ध नई लामबंदी का मौका मिल गया है। दक्षिण चीन सागर और दक्षिण पूर्वी एशिया के समुद्री क्षेत्र में चीन को अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया की मजबूत नौसैनिक मौजूदगी का सामना है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के कमांडरों ने यह अनुमान नहीं किया होगा कि पूर्वी लद्दाख में उनके दुस्साहस की इतनी विपरीत प्रतिक्रिया होगी।

इस हफ्ते पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने चीन की यात्रा की जहां चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। बातचीत में कश्मीर सहित विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। बातचीत के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि चीन और पाकिस्तान 'फौलादी भाई' हैं तथा वे साझा हितों की मिलजुल कर रक्षा करेंगे। चीन ने जम्मू-कश्मीर के बारे में कहा कि यह समस्या इतिहास की विरासत है। इसका समाधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर, सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के प्रकाश में किया जाना चाहिए। चीन ने यह भी कहा कि कश्मीर में यथास्थिति में एकतरफा रुख से कोई बदलाव नहीं किया जाना चाहिए। चीन का यह रवैया पहले जैसा ही है।

बतंगड़ बेतुक

आस्था-अनास्था के अपने-अपने भविभूत

विभांशु दिव्याल

झल्लन हमारे पास आया और आते ही अपना सवाल सरकाया, 'तो बताइए ददाजू, आस्था और अनास्था को हम पहले से ही पहचानते थे, इनमें गहरी दुश्मनी है यह भी पक्के तौर पर मानते थे, पर ये दोनों एक पति को ब्याही सौतन हैं यह नहीं जानते थे।

आप कह रहे हैं कि भविभूत इनका पति है जो इन्हें आपस में लड़ा रहा है, बस, इस लफंदड़ भविभूत का लफड़ा समझ में नहीं आ रहा है।' हमने अपनी मुद्रा फिर दार्शनिक बनायी और भविभूत को लेकर हमारी जो समझ बनी थी वह हमने झल्लन को समझाई, 'देख झल्लन, भविष्य क्या होता है यह तुझे भी पता होगा क्योंकि सबको पता होता है।' झल्लन बोला, 'क्या ददाजू, क्या कहते हो, हम भविष्य का मतलब नहीं जानेंगे यह सोच भी कैसे लेते हो? यहां हम अपने और देश के भविष्य को लेकर हलकान हुए जाते हैं, अगर हमें कुछ डराता है तो भविष्य के डर ही डराते हैं।' हमने कहा, 'तूने सही पकड़ लिया झल्लन, जिस भविष्य को लेकर तू परेशान है हम उसी की बात उठा रहे हैं। अब बता, तू भूत के बारे में क्या जानता है और जानता है तो कैसे जानता है?' वह बोला, 'यह प्रेत का भाई होता है और इस भूत की कहानियां हम बचपन से ही सुनते आये हैं, यह दीगर बात है कि बहुत कोशिश करने के बावजूद अब तक किसी भूत से मुलाकात नहीं कर पाये हैं।' हमने कहा, 'तेरे इस प्रेत भाई भूत के अलावा भी एक भूत होता है जो हमारे साथ जगता है, हमारे साथ सोता है।' झल्लन बोला, 'अच्छा तो आप उसकी बात कर रहे हैं जो बीत जाता है तो भूत हो जाता है, जिसे कभी-कभी अतीत कहा जाता है और जो वक्त के पैमाने पर इतिहास हो जाता है?' हम बोले, 'तू तो समझदार हो गया है झल्लन, तुरत तह तक पहुंच जाता है, मुद्दे पर सटीक सरक आता है।' झल्लन बोला, 'ददाजू, हम तो मुद्दे पर आ रहे हैं पर आप मुद्दे को बार-बार क्यों खिसका रहे हैं, अपने भविभूत को क्यों नहीं सामने ला रहे हैं?'

हमने कहा, 'जो बात तुझे बताई उसके बिना बात अधूरी थी, इसलिए पूरी बात जरूरी थी। अब हम मुद्दे पर आते हैं और जो हम समझे हैं वो तुझे समझाते हैं। भविष्य शब्द से हमने भवि उठा लिया है और फिर भूत के साथ इसका गठजोड़ करा दिया है।' झल्लन बोला, 'चलिए, पद की व्युत्पत्ति तो समझ गये लेकिन आपके ये भविभूत आस्था और अनास्था के पति कब बन गये?' हमने कहा, 'हां, हम वहीं आ रहे हैं, तुझे यही बता रहे हैं। इंसान अपने दुख-सुख के साथ असली जिंदगी तो वर्ततान में जीता रहता है लेकिन जब अज्ञात भविष्य की कल्पना करता है तो इस कल्पना की जड़ में भूत को बनाए रखता है।' झल्लन बोला, 'पूरी तरह नहीं समझे ददाजू, माफ करिए, मुद्दे को थोड़ा और साफ करिए।' हमने कहा, 'तो सुन, आस्था के चेले-चांकुर जो आस्थावादी होते हैं उनके साथ उनका इतिहास, धर्म, मजहब, कर्मकांड, रीति-रिवाज जैसी भूत की चीजें जुड़ी होती हैं, ये उनके दिल-दिमाग में गहरे गढ़ी होती हैं। जब वे भविष्य के बारे में सोचते हैं तो सोचते हैं कि उनका भविष्य इन्हीं पर टिकेगा और अगर बेहतर बनेगा तो इन्हीं की बिना पर बनेगा। उधर जो अनास्था के चेले-चांकुर होते हैं वे मानते हैं कि भविष्य आस्था से नहीं विवेक-विचार से सुधरेगा, उसी से आगे इंसान का जीवन संवरेगा। दोनों के पास भविष्य की कोई साफ तस्वीर नहीं होती परंतु वे इसे भूत से जोड़कर अपनी-अपनी तरह से लुभावनी बनाते रहते हैं और अपनी ही तस्वीर को सुहावनी बताते रहते हैं। इसलिए भूत और भविष्य के मिलन का यह दिमागी फितूर ही भाव भविभूत होता है जिससे हर इंसानी दिमाग अभिभूत रहता है। इस भविभूत से आस्था और अनास्था दोनों चिपकी रहती हैं और इसे अपनी-अपनी रुचि के रंग-रूप देने में जुटी रहती हैं। दोनों ही भविभूत को अपने-अपने रूप-रंग में ढालती हैं और एक-दूसरे के रंग-रूप को निहायत ही गलत मानती हैं। आस्था जब भविभूत की अपनी छवि प्रस्तुत करती है तो उसे अनास्था नकार देती है और अनास्था जो तस्वीर बनाती है उसे आस्था फिटकार देती है। दोनों एक-दूसरे से पंगे के लिए कमर कस लेती हैं और जब पंगा कम पड़ जाता है तो दंगा कर देती हैं।'

झल्लन बोला, 'तो ददाजू, आपका भविभूत सोचता होगा कि ये दोनों बीवियां न चैन से जीती हैं न जीने देती हैं, उसकी जान लिये लेती हैं।' हमने कहा, 'भविभूत क्यों परेशान होगा, इन दोनों बीवियों के झगड़े में उसे क्या मान-अभिमान होगा। वह तो दरअसल तेरे प्रेत वाला भूत ही होता है जो होता कहीं नहीं, बस सबके दिमागों में ठौर बनाए रखता है और गाहे-बगाहे उन्हें डराए रहता है। वह तो मजे लेता रहता है और हमेशा पंगमपंग रहने वाली बीवियों की भवभूति या भवभूतियापन का तमाशा देखता रहता है।' झल्लन बोला, 'पर ददाजू, सबसे ज्यादा पंगे-दंगे तो आस्था के चेले-चांकुर करते रहते हैं, वे ही आपस में लड़ते-मरते रहते हैं।'

हमने कहा, 'वह एक अलग किस्सा है उसके बारे में कभी आगे बताएंगे, फिलहाल तो हम यहीं विराम लगाएंगे।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ढांचागत क्षेत्र की 412 परियोजनाओं की लागत 4.11 लाख करोड़ रुपये बढ़ी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में 412 ढांचागत परियोजनाओं के क्रियान्वयन में देरी और अन्य कारणों से लागत में 4.11 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। ये परियोजनाएं 150 करोड़ रुपये या उससे अधिक लागत वाली हैं। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में यह कहा है। मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या उससे अधिक की परियोजनाओं पर नजर रखता है। कुल 1,683 परियोजनाओं में से 412 की लागत और 471 के क्रियान्वयन के समय में बढ़ोतरी हुई है। मंत्रालय की जून 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, 'कुल 1,683 परियोजनाओं की मूल लागत 20,65,336.20 करोड़ रुपये थी जो बढ़कर 24,77,167.67 करोड़ रुपये हो गयी है। यह बताता है कि लागत में 4,11,831.47 करोड़ रुपये यानी 19.94 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इन परियोजनाओं पर कुल व्यय जून 2020 तक 11,21,435.29 करोड़ रुपये हुए थे जो अनुमानित लागत का 45.27 प्रतिशत है। रिपोर्ट में 979 परियोजनाओं के न तो चालू होने के वर्ष और न ही उसके क्रियान्वित होने की अवधि के बारे में कोई जानकारी दी गयी है। इसके अनुसार जिन 471 परियोजनाओं में देरी हुई है, उनमें 127 में एक से 12 महीने, 112 में 13 महीने से 24 महीने, 127 परियोजनाओं में 25 से 60 महीने और 105 परियोजनाओं में 61 महीने या उससे अधिक की देरी हुई है। इन परियोजनाओं में औसत देरी 43.34 महीने है। परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाली एजेंसियों के अनुसार इनमें देरी का कारण जमीन अधिग्रहण में विलम्ब, वन/पर्यावरण मंजूरी मिलने में देरी और संबंधित ढांचागत और अन्य सुविधाओं का अभाव है। इसके अलावा परियोजना के वित्त पोषण के लिये समझौते में विलम्ब, विस्तृत इंजीनियरिंग के अंतिम रूप देने में देरी, निविदा जारी होने और उपकरणों की आपूर्ति में विलम्ब, कानून व्यवस्था की समस्या, अचानक से उत्पन्न भौगोलिक समस्याएं समेत अन्य कारणों से इसके क्रियान्वयन में देरी हुई है।

पेट्रोनेट के सीईओ को बीते वित्त वर्ष में मिली 27 प्रतिशत की वेतनवृद्धि, नए प्रमुख की तलाश शुरू

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी गैस आयातक पेट्रोनेट एलएनजी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रभात सिंह को बीते वित्त वर्ष 2019-20 में रिकॉर्ड 27 प्रतिशत की वेतनवृद्धि मिली है। सिंह का पांच साल का कार्यकाल अगले महीने पूरा होने जा रहा है। कंपनी ने संशोधित शर्तों के साथ अपने नए प्रमुख की तलाश शुरू कर दी है। इन शर्तों के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के हाल में सेवानिवृत्त हुए कार्यकारी इस पद के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। पेट्रोनेट की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार बीते वित्त वर्ष में सिंह को रिकॉर्ड 1.8 करोड़ रुपए का वेतन मिला। इनमें मुनाफे पर प्राप्त 22.5 लाख रुपए का कमीशन भी शामिल है। पेट्रोनेट एक प्राइवेट लि. कंपनी के रूप में पंजीकृत है, लेकिन इसके प्रमुख पेट्रोलियम सचिव हैं। इससे पिछले वित्त वर्ष 2018-19 में सिंह को 1.4 करोड़ रुपए का वेतन मिला था। दिलचस्प तथ्य यह है कि पेट्रोनेट के सीईओ को दिया गया वेतन कंपनी के प्रवर्तक सार्वजनिक उपक्रमों मसलन गेल, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, ओएनजीसी और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) के चेयरमैन को मिलने वाले वेतन से भी अधिक है। सिंह को 14 सितंबर, 2015 को पेट्रोनेट का सीईओ नियुक्त किया गया था। उस समय उन्हें साढ़े छह माह के लिए 40.4 लाख रुपए का वेतन मिला था। इसके अगले साल उन्हें 1.08 करोड़ रुपए का वेतन मिला। 63 वर्षीय सिंह विस्तार के लिए पात्र हैं, क्योंकि उनकी सेवानिवृत्त की आयु दो साल बाद पूरी होगी लेकिन कंपनी ने नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी है। कंपनी ने पात्र उम्मीदवारों से नौ सितंबर तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। कंपनी ने कहा है कि आवेदन करने वाले उम्मीदवार की आयु 14 सितंबर, 2020 तक 48 वर्ष से कम और 60 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए।

कोरोना काल में रेलवे ने रद्द किए 1.78 करोड़ टिकट, हुआ भारी घाटा

नई दिल्ली।

आरटीआई से पता चला है कि रेलवे ने कोरोना वायरस महामारी के कारण इस साल मार्च से 1.78 करोड़ से ज्यादा टिकट रद्द किए और 2727 करोड़ रुपए की रकम वापस की गई। सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत मिले जवाब के मुताबिक इस दौरान रेलवे ने 1,78,70,644 टिकट रद्द किए। रेलवे ने 25 मार्च से ही अपनी यात्री ट्रेन सेवाएं स्थगित कर दी थीं। पीटीआई ने पहले भी इसकी खबर दी थी। इस तरह, पहली बार रेलवे को टिकट बुकिंग से जितनी आमदनी हुई उससे ज्यादा रकम वापस की गई। वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में यात्री खंड में 1066 करोड़ रुपए राजस्व घट गया। पिछले साल एक अप्रैल से 11 अगस्त के बीच रेलवे ने 3,660.08 करोड़ रुपए वापस किए थे और समान अवधि में 17,309.1 करोड़ रुपए का राजस्व आया। ऐसा पहली बार हुआ है जब रेलवे को टिकट बेचने से जितनी आय हुई, उससे ज्यादा उसने रकम वापस किया है। एक अधिकारी ने इस बारे में बताया कि सेवाओं के स्थगित होने के कारण अप्रैल, मई और जून के लिए बुक टिकट की राशि वापस की गई जबकि इन तीन महीनों के दौरान कम टिकट बुक हुए थे और इस दौरान पाबंदी भी लगी हुई थी। इस वित्तीय वर्ष के पहले तीन महीने में रेलवे ने अपनी सभी नियमित यात्री सेवाओं को स्थगित कर दिया। इस दौरान रेलवे का अप्रैल में 531.12 करोड़ रुपए, मई में 145.24 करोड़ रुपए और जून में 390.6 करोड़ रुपए का राजस्व घट गया। वित्त वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही में रेलवे को अप्रैल में 4,345 करोड़ रुपए, मई में 4,463 करोड़ रुपए और जून में 4,589 करोड़ रुपए की आय हुई थी। मध्य प्रदेश के चंद्रशेखर गौड़ द्वारा दाखिल आरटीआई के जवाब में रेलवे ने कहा कि कोविड-19 के कारण बंद ट्रेनों के टिकट रद्द करने के लिए।

डियाजियो को भारत में शराब की बिक्री पर 20 लाख पाउंड का घाटा

नई दिल्ली। दुनिया की प्रमुख स्पिरिट कंपनी डियाजियो को पिछले साल भारत के अपने शराब कारोबार की बिक्री पर 20 लाख पाउंड का घाटा उठाना पड़ा है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। डियाजियो के स्वामित्व वाली यूनाइटेड स्पिरिट्स लि. (यूएसएल) ने फोर सीजंस वाइंस और इससे जुड़े अन्य ब्रांड में अपनी समूची हिस्सेदारी ग्रोवर जम्पा विनेयार्ड्स तथा क्रिनटेला एसेट्स को 31.86 करोड़ रुपए में बेची है। डियाजियो की वार्षिक रिपोर्ट-2020 में कहा गया है कि भारत में शराब कारोबार की बिक्री पर उसे 20 लाख पाउंड का घाटा उठाना पड़ा है। उपभोक्ताओं की पसंद का जिक्र करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब पीने वाले ग्राहक अब बियर और वाइन के बजाय स्पिरिट को प्राथमिकता दे रहे हैं। डियाजियो की भारतीय अनुषंगी को चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की तिमाही में 246.6 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है।

प्याज, कपड़े और मिर्च के बाद अब मालगाड़ी से ट्रक भेजे गए बांग्लादेश

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के कारण नियमित रेल सेवा बंद हैं। केवल स्पेशल ट्रेनें ही चलाई जा रही हैं। इस महामारी की वजह से रेलवे को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इस घाटे की भरपाई के लिए इंडियन रेलवे ने बांग्लादेश माल पहुंचाने के लिए पार्सल सेवा की शुरुआत की है। वेस्टर्न रेलवे से लेकर ईस्टर्न और लेकर पूर्वोत्तर रेलवे से लेकर मध्यपूर्व रेलवे तक ने बांग्लादेश के लिए पार्सल ट्रेन चलाई है। रेलवे ने मालभाड़े से अपनी कमाई बढ़ाने के लिए सभी जोन और डिवीजन में बनाई है। इससे रेलवे के साथ किसानों, स्वस्थ्य और ऑटोमोबाइल सेक्टर को भी फायदा हुआ है। अब तक मालगाड़ी से प्याज, मिर्च और कपड़े का निर्यात बांग्लादेश किया जा रहा था, लेकिन अब पार्सल ट्रेन से मिनी ट्रक भेज नया कीर्तिमान बनाया गया है। इससे दोनों देशों के बीच कारोबार की नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। भारत में निर्मित ऑटोमोबाइल्स को सड़क मार्ग से बांग्लादेश पहुंचने में औसतन 15 दिन का समय लगता था, वह अब घटकर चार से पांच दिन रह गया है। भारतीय रेल ने उत्तराखंड के हल्दी रोड स्टेशन से बांग्लादेश के बेनापोल रेलवे स्टेशन तक ट्रेन के जरिए 118 मिनी ट्रक एक्सपोर्ट किए। सड़क के जरिए ट्रांसपोर्ट की तुलना में ट्रेन से ट्रक भेजना काफी सस्ता पड़ रहा है। साथ ही समय की भी बचत हो रही है।

होंडा मोटरसाइकिल का लक्ष्य बाइक पोर्टफोलियो का विस्तार, ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को बढ़ाना

नई दिल्ली।

दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) का लक्ष्य देश में अपने बाइक पोर्टफोलियो का विस्तार करना है। कंपनी शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में नये उपभोक्ताओं को जोड़ने के प्रयास में है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। एचएमएसआई के नवनियुक्त अध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) आत्सुशी ओगाता ने पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार में कहा कि कंपनी का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों के लिये किफायती उत्पाद लाने का है। इसके साथ ही कंपनी अलग प्रकार के उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिये सुपर बाइक पोर्टफोलियो समेत 150 सीसी से ऊपर की मध्यम श्रेणी में भी उपस्थिति मजबूत करने के प्रयास में है। कंपनी अभी एक्टिवा और डुओ जैसे मॉडल के दम पर स्कूटर श्रेणी

में अग्रणी स्थिति में है। अब कंपनी अपने मौजूदा सबसे किफायती मोटरसाइकिल सीडी 110 से भी नीचे के स्तर पर मोटरसाइकिल लाकर ग्रामीण क्षेत्रों में उपस्थिति मजबूत करना चाह रही है। ओगाता ने कहा, 'नये उत्सर्जन मानक के अमल में आने से लाभप्रदता कम हुई है। यह सिर्फ होंडा मोटरसाइकिल के लिये नहीं बल्कि पूरे उद्योग के लिये है। अत: हम मॉडल दर मॉडल लाभप्रदता में सुधार करने और मॉडलों के पोर्टफोलियो को बदलने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि पोर्टफोलियो की इस समीक्षा से मौजूदा उत्पाद प्रभावित नहीं होंगे, बल्कि नये उत्पाद देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी के पास अभी निचले स्तर के उत्पादों की कमी है और इस कारण वह प्रतिस्पर्धियों से मार खा जा रही है। ओगाता ने कहा दुर्भाग्य से, हमारे पास ग्रामीण क्षेत्रों के लिये एक मजबूत उत्पाद नहीं है, इसलिए निश्चित रूप से हमें इस तरह के उपभोक्ताओं लिये एक मॉडल की आवश्यकता है। यह पूछे जाने पर कि इस तरह के मॉडल पेश करने में कितना समय लगेगा, उन्होंने कहा कि इसमें निश्चित कुछ समय लगेगा लेकिन यकीनन पांच-दस साल नहीं लगने वाले हैं।

ब्रिजस्टोन का रबड़ कौशल विकास परिषद के साथ सहयोग कार्यक्रम

नयी दिल्ली। टायर कंपनी ब्रिजस्टोन ने रबड़ कौशल विकास परिषद के साथ गठजोड़ किया है जिसके तहत एक हजार टायर मैकेनिक को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। कंपनी ने एक बयान में रविवार को बताया कि परिषद के साथ मिलकर 'टायर केयरवाला' मुहिम की शुरुआत कानपुर से की जा चुकी है। इसके प्राथमिक चरण में 500 टायर मैकेनिक प्रशिक्षित किये जायेंगे। कंपनी ने कहा कि देश में टायर मैकेनिक को प्रशिक्षित करने की कोई व्यवस्था नहीं है, जबकि ये वाहनों की सुरक्षा के लिहाज से काफी अहम हैं। इसी कमी को पूरा करने के लिये मुहिम की शुरुआत की गयी है। इसके तहत छह राज्यों उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश में कॉमर्शियल टायर मैकेनिकों को प्रशिक्षित किया जायेगा। ब्रिजस्टोन इंडिया के मानव संसाधन एवं कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व प्रमुख अपूर्व चौबे ने कहा, ''ब्रिजस्टोन की पूरी व्यवस्था में टायर मैकेनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है और विधिवत प्रशिक्षण के जरिये उनके कौशल विकास के लिये हम प्रतिबद्ध हैं। हमें खुशी है कि लॉकडाउन और कोविड-19 संकट के बाद भी हम उनके प्रशिक्षण व प्रमाणन के लिये इस मुहिम की शुरुआत कर पा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित मैकेनिक नयी तकनीकों के टायर इस्तेमाल कर रहे।

वाहनों की मांग में तेजी आ रही है, कर्ज की समस्या है: टोयोटा किर्लोस्कर

नई दिल्ली।

वाहनों की मांग में तेजी आ रही है लेकिन बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की अति संवेदनशीलता व हिचक से बाजार का उत्साह प्रभावित है। वाहन कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर के एक शीर्ष अधिकारी ने यह टिप्पणी की है। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं सेवा) नवीन सोनी ने कहा कि त्योहारी मौसम की शुरुआत के साथ जुलाई की तुलना में अगस्त में ऑर्डर 30 प्रतिशत बढ़े हैं। हालांकि इससे पहले पिछले चार महीने के दौरान डीलरों के पास भंडार के जमा होने से बचने के कारण हर महीने थोक ऑर्डर में 25 प्रतिशत कमी लाई गई। उन्होंने कहा, ''जुलाई की तुलना में जितने ऑर्डर मिल रहे हैं, वे अधिक हैं। मैं कम से कम 20-30 प्रतिशत अधिक कहूंगा। हम

जिन मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, उनमें से एक यह है कि बैंक और एनबीएफसी सहित वित्तीय कंपनियां बहुत हिचकिचा रही हैं। उन्होंने कहा, जहां तक ऑर्डर का सवाल है, हम बहुत खुश हैं। हर दिन हमें अच्छी मात्रा में नए ऑर्डर मिल रहे हैं, लेकिन कर्ज प्रदान करने वाली कंपनियों के कारण डिलिवरी में समय लग रहा है। सोनी ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति ने दस साल पहले किसी कर्ज की किश्तें चुकाने में छोटी सी भी चूक की है, तो उसे वाहन के लिये कर्ज नहीं मिल पा रहा है। ऐसे ग्राहक, जिनका सिबिल स्कोर 80 प्रतिशत ऋण के लायक है, उन्हें 60 प्रतिशत वित्तपोषण ही मिल पा रहा है।

सोनी ने कहा, ''वित्तीय कंपनियों के द्वारा मौजूदा स्थिति में जोखिम पर संवेदनशील होकर जोर दिया जा रहा है। वे अति सतर्क व संवेदनशील हो रहे हैं, जो बाजार को सुस्त बना रहा है। बाजार की धारणा को नरम करने का एकमात्र कारण वित्तीय कंपनियों के द्वारा ग्राहकों के प्रति अति सतर्कता बरतना है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि कोरोना वायरस महामारी के कारण अब ऋण से पूर्व ग्राहक का आकलन करने में अधिक समय लग रहा है।

फीनिक्स मिल्स ने क्यूआईपी के जरिए 1,100 करोड़ रुपए जुटाए

नई दिल्ली। फीनिक्स मिल्स लिमिटेड ने सिंगापुर सरकार सहित संस्थागत निवेशकों को शेयरों की बिक्री के माध्यम से लगभग 1,100 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी के देश भर में कई शॉपिंग मॉल हैं। कंपनी ने अपना क्यूआईपी (योग्य संस्थागत नियोजन) निर्गम 18 अगस्त को खोला था और यह शुक्रवार को बंद हुआ। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि बोर्ड ने पूंजी जुटाने के लिए योग्य संस्थागत खरीदारों को 1,81,81,818 शेयरों के आवंटन को मंजूरी दे दी। इसके लिए निर्गम मूल्य 605 रुपये प्रति शेयर था और कुल 1,099.99 करोड़ रुपये जुटाए गए। सिंगापुर सरकार ने लगभग 450 करोड़ रुपये में सिंगापुर सरकार ने लगभग 450 करोड़ रुपये में 74,38,017 शेयर खरीदे, जो क्यूआईपी का लगभग 41 प्रतिशत है।

आंध्र प्रदेश की इस्पात परियोजना के लिए संयुक्त कार्यसमूह बनाएंगी आरआईएनएल, पॉस्को

नयी दिल्ली।

इस्पात मंत्रालय ने आरआईएनएल तथा दक्षिण कोरिया की कंपनी पॉस्को को आंध्र प्रदेश में नयी परियोजना की अपनी योजना के लिए संयुक्त कार्यसमूह बनाने को कहा है।दक्षिण कोरिया की इस्पात क्षेत्र की दिग्गज कंपनी तथा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आरआईएनएल के बीच काफी लंबे समय से मूल्यवर्धित विशेष ग्रेड के इस्पात के विनिर्माण के लिए संयुक्त उद्यम लगाने को बातचीत चल रही है। मंत्रालय ने कहा, 'पॉस्को स्टील की विशाखापत्तनम में प्रस्तावित नयी परियोजना में निवेश पर कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये विचार-विमर्श किया गया।'' मंत्रालय ने कहा कि पॉस्को और आरआईएनएल के बीच जो सहमति ज्ञापन (एमओयू) हुआ है उसके क्रियान्वयन के लिए संयुक्त कार्यसमूह के गठन पर सहमति बनी है।

इसमें दोनों कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। सहमति ज्ञापन (एमओयू) हुआ है उसके क्रियान्वयन के लिए संयुक्त कार्यसमूह के गठन पर सहमति बनी है। इसमें दोनों कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। दोनों कंपनियों के बीच आरआईएनएल के स्वामित्व वाली जमीन पर निवेश के बारे में एमओयू हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि संयुक्त कार्यसमूह की नियमित बैठक होगी, जिससे एमओयू के क्रियान्वयन को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों कंपनियों के बीच एमओयू पिछले साल के आखिर में हुआ था। एक अधिकारी ने कहा कि संयुक्त कार्यसमूह अब अंतिम करार के पहलुओं पर काम करेगा। मसलन संयुक्त उद्यम में दोनों कंपनियों की हिस्सेदारी क्या रहेगी, निवेश की राशि क्या होगी। जुलाई, 2019 में पॉस्को के वरिष्ठ अधिकारियों ने तत्कालीन इस्पात सचिव बिनय कुमार से मुलाकात कर अपना निवेश प्रस्ताव सौंपा था। यह पहला मौका नहीं है जब पॉस्को भारत में रुचि दिखा रही है। इससे पहले पॉस्को ने ओडिशा के जगतसिंहपुर में 52,000 करोड़ रुपये की लागत से 1.2 करोड़ टन सालाना उत्पादन के संयंत्र का प्रस्ताव किया था। पॉस्को और ओडिशा सरकार के बीच इस बारे में 2005 में एमओयू हुआ था। हालांकि, विभिन्न कारणों से यह परियोजना आगे नहीं बढ़ पाई थी।

भाव ऊंचा बोले जाने से पिछले सप्ताहांत पामतेल कीमतों में सुधार, मूंगफली के दाम टूटे

नयी दिल्ली।

देश में बढ़ते सस्ते आयात के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सरसों, सोयाबीन और पामोलीन तेलों के भाव पूर्ववत बने रहे जबकि पिछले साल के बचे स्टॉक और अगली बम्पर पैदावार की संभावना के साथ सस्ते आयात के आगे मांग प्रभावित होने से मूंगफली तेल तिलहनों के भाव में गिरावट दर्ज हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि कच्चे पामतेल और सोयाबीन डीगम का देश में जुलाई माह में रिकॉर्ड आयात हुआ है और विदेशों में इस बार अच्छी पैदावार की संभावना तथा अर्जेन्टीना के अलावा तुर्की और रूस से इस तेल का आयात शुरु होने के कारण अगस्त में आयात और बढ़ सकता है। उसने कहा कि विदेशों में पहले से पाम तेल का भारी स्टॉक है जबकि इसकी वैश्विक मांग अधिक नहीं है। दूसरी तरफ देश में जरुरत से कहीं ज्यादा पामतेल का आयात किया जा रहा है। देश में प्रतिमाह 12 लाख टन खाद्य तेल को आयात करने की आवश्यकता होती है जबकि बैंकों में अपने साख पत्र (लेटर आफ क्रेडिट) को चलाते रहने के लिए कुछ देशी आयातक बैंकों के ऋण के बल पर विदेशों से महंगे दाम में पामतेल की खरीद कर देश के बाजार में इसे बेपरता यानी कम कीमत पर बेच रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि इससे केवल बैंक के पैसे डूबते हैं, देश के विदेशीमुद्रा की हानि होती है और देशी तेल मिलों और किसानों को भारी नुकसान उठाना होता है। उसने कहा कि अगर सरकार तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने की मंशा रखती है तो उसे इन बेपरता कारोबार करने वाले आयातकों पर लगाम लगाने के पुख्ता उपाय करने होंगे। सूत्रों ने इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाया कि जो देश, अपनी 70 प्रतिशत खाद्यतेल की आवश्यकता के लिए आयात पर निर्भर हो, उस देश में देशी तिलहन उत्पादन की बाजार में खपत नहीं हो पा रहा। हकीकत यह है कि सस्ते आयातित तेलों की देश में बाढ़ के बीच अधिक लागत के कारण देशी तेलों के भाव ऊंचा होने से देशी तेल तिलहन बाजार में खप नहीं पाते और किसानों के पास बचे रह जाते हैं जिन्हें जरुरत के वक्त मजबूरन औने पौने दाम पर अपनी उपज मंडियों में बेचना पड़ता है। उसने कहा कि किसानों के पास पिछले साल का मूंगफली, सोयाबीन और सूरजमुखी का लाखों टन का स्टॉक बचा है।

उपभोक्ताओं तक सीधी पहुंच बढ़ाएगी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स : प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) अपने समूचे बिक्री एवं वितरण नेटवर्क को नए सिरे से तैयार कर रही है। कंपनी का इरादा उपभोक्ताओं तक अपनी सीधी पहुंच को अगले 12 माह में दोगुना करने का है। इसी के मद्देनजर कंपनी अपने बिक्री एवं वितरण नेटवर्क को अधिक प्रत्यक्ष, सक्रिय और डिजिटल बनाने का प्रयास कर रही है। टाटा समूह की एफएमसीजी कंपनी अब नवोन्मेषण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। साथ ही उसका इरादा नए उत्पादों से योगदान को दोगुना करने का है। इसके अलावा कंपनी अपने मुख्य कारोबार को नए सिरे से तैयार करने, क्षमता का सृजन करने और भारत में अपने खाद्य एवं बेवरेजेज कारोबार के एकीकरण से तालमेल बैठाने का प्रयास कर रही है। अपनी वृद्धि योजना के तहत टीसीपीएल ने हाल में नॉरिशसीओ बेवरेजेज में संयुक्त उद्यम भागीदार पेप्सिको की हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी इन खंड में खुद के विस्तार तथा अधिग्रहण की संभावनाएं तलाश रही है। टीसीपीएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील डिसूजा ने पीटीआई-भाषा से कहा, '2020-21 में हमारी वृद्धि योजना रणनीतिक योजनाओं के क्रियान्वयन पर केंद्रित रहेगी। इसमें मुख्य कारोबार को आगे बढ़ाना, डिजिटल और नवोन्मेषण पर ध्यान केंद्रित करना, खाद्य एवं बेवरेजेज कारोबार के एकीकरण से लाभ उठाना, क्षमता निर्माण और विस्तार या अधिग्रहण के जरिये वृद्धि को आगे बढ़ाना शामिल है।'

उन्होंने कहा कि टीसीपीएल अगले 12 माह में अपने समूचे वितरण नेटवर्क को अधिक प्रत्यक्ष, सक्रिय और डिजिटल बनाएगी और अपनी प्रत्यक्ष पहुंच को दोगुना करेगी। डिसूजा ने कहा, 'हमारा अगले 12 माह में अपनी सीधी पहुंच को दोगुना करने का लक्ष्य है। अगले तीन साल में हम संख्या के हिसाब से अपनी कुल पहुंच को दोगुना करेंगे।' टाटा केमिकल्स के उपभोक्ता उत्पाद कारोबार के टाटा ग्लोबल बेवरेजेज में विलय के बाद कंपनी को टीसीपीएल का नया नाम दिया गया। कंपनी के पास अब टाटा साल्ट, टाटा टी, टेटेली, 8 ओ क्लॉक और हिमालयन वॉटर जैसे ब्रांड हैं।

पोस्ट ऑफिस ने सेविंग अकाउंट नियमों में किया बदलाव, पालन नहीं करने पर कटेगी पेनाल्टी

नई दिल्ली।

पोस्ट ऑफिस ने सेविंग अकाउंट से जुड़े कुछ नियमों में बदलाव किया है। अब कस्टमर को इन नियमों का पालन करना होगा। दरअसल, नए नियमों के मुताबिक अब डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट ने पोस्ट ऑफिस अकाउंट में मिनिमम बैलेंस की सीमा को 50 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया है। आपके खाते में अब 500 रुपए से कम बैलेंस है तो वित्तीय वर्ष के अंतिम कार्य दिवस को पोस्ट ऑफिस आप पर 100 रुपये पेनाल्टी के रूप में काटेगा। आपके खाते में अगर जीरो बैलेंस होता है तो इस अकाउंट को बंद कर दिया जाएगा। वर्तमान में डाकघर व्यक्तिगत / संयुक्त बचत खातों पर प्रति वर्ष 4 प्रतिशत ब्याज देता है। बचत खाते में न्यूनतम बैलेंस 500 रुपये होना जरूरी है। अगर आपने अभी तक अपने खाते को आधार से लिंक नहीं करवाया है तोजल्दी करवा लें ताकि आप सरकारी सब्सिडी का लाभ डायरेक्ट अपने पोस्ट ऑफिस के बचत खाते में ले सकें। जल्दी करवा लें ताकि आप सरकारी सब्सिडी का लाभ डायरेक्ट अपने पोस्ट ऑफिस के बचत खाते में ले सकें। पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट को आधार से लिंक करवाने के बाद आप सरकारी सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं। वहीं डाक विभाग ने जारी सर्कलर में कहा है कि लोग अपने पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट में डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर का लाभ ले सकते हैं।आधार को लिंक करने का एक कॉलम शामिल किया गया है। आधार को लिंक करने का एक कॉलम शामिल किया गया है। यह कॉलम खाता खोलने के एप्लीकेशन या परचेज आफ सर्टिफिकेट फॉर्म में नजर आएगा।

ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड - भारत दूसरे स्थान पर पहुंचा ,ईरान ,इन्डोनेशिया को हराया

नई दिल्ली । ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड मे दूसरे दिन शानदार खेल के बाद भी दुर्भाग्य के चलते दूसरे स्थान पर सरक गयी । दरअसल भारत नें आज इन्डोनेशिया और ईरान को तो मजबूती से हराया और मंगोलिया के खिलाफ बड़ी जीत की ओर बढ़ रही थी पर इंटरनेट की खराबी नें मंगोलिया से हमें ड्रॉ खेलने पर मजबूर होना पड़ा । फिलहाल सभी छह मैच जीतकर 12 अंक लेकर चीन पहले स्थान पर पहुँच गया है और भारत 5 जीत एक ड्रॉ के साथ 11 अंक बनाकर दूसरे प्ले ऑफ मे जाने के बेहद करीब पहुँच गया है । दिन के पहले मुक़ाबले मे भारत नें कप्तान विदित गुजराती ,भक्ति कुलकर्णी और आर प्रग्गानंधा की जीत और विश्वनाथन आनंद ,हरिका द्रोणावल्ली और वन्तिका अग्रवाल के ड्रॉ की मदद से इन्डोनेशिया को 4.5-1.5 हराया । दूसरे मुक़ाबले एक समय मुश्किल मे लग रहे भारत को पेंटाला हरिकृष्णा ,द्रोणावल्ली हरिका और वन्तिका अग्रवाल की जीत और कोनेरु हम्पी और निहाल सरीन के ड्रॉ नें 4-2 से जीत दिला के भारत को अंक तालिका मे शीर्ष पर बनाए रखा । भारत छठे राउंड और दिन के अंतिम राउंड मे अरविंद चितांबरम ,प्रग्गानंधा और दिव्या देशमुख से जीत के सहारे 3-1 से आगे चल रहा था ।

क्रिकेट

पाकिस्तान ने चौथा विकेट गंवाया, फवाद और अजहर अली क्रीज पर; इंग्लैंड ने पहली पारी में बनाए थे 583 रन

नई दिल्ली ।

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन टेस्ट की सीरीज का आखिरी मैच साउथैंप्टन के रोज बाउल स्टेडियम में खेला जा रहा है। तीसरे दिन पाकिस्तान ने 3 विकेट पर 24 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। एंडरसन ने दिन के अपने दूसरे ओवर में ही असद शफीक को विकेट के पीछे कैच करा दिया। पाकिस्तान ने 56 रन पर 4 विकेट खो दिए हैं। फवाद आलम और कप्तान अजहर अली क्रीज पर हैं। इस दौरान दो बार बारिश की वजह से खेल रुका। पहले दो दिन इंग्लैंड की टीम हावी रही। उसने पहले 583 रन बनाए। इसके बाद करीब 40 मिनट के खेल में 3 विकेट लेकर पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया।

स्विंग का कमाल

रोज बाउल पर दूसरे दिन का आखिरी घंटा एंडरसन के नाम रहा था। पाकिस्तान के तीनों विकेट एंडरसन ने ही लिए। उन्होंने सबसे पहले शान मसूद को 4 रन पर जेम्स एंडरसन ने एलबीडब्ल्यू किया। इसके बाद आबिद अली (1) को डॉम सिबली के हाथों कैच आउट कराया। तीसरे विकेट के तौर पर बाबर आजम (11) को एलबीडब्ल्यू किया। स्विंग के साथ ही रफ्तार ने पाकिस्तानी बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल दिया।

इंग्लैंड सीरीज में 1-0 से आगे

फिलहाल, सीरीज में इंग्लैंड ने 1-0 की बढ़त बनाए रखी है। इंग्लिश टीम ने पहले मैच में पाकिस्तान को 3 विकेट से हराया था। वहीं, दूसरा मैच बारिश के कारण ड्रॉ हो गया था। इंग्लैंड यह तीसरा मैच जीतकर 2-0 से सीरीज जीतना चाहेगा, जबकि पाकिस्तान की कोशिश मैच जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर करने की रहेगी।

दोनों टीमें:

पाकिस्तान: अजहर अली (कप्तान), बाबर आजम (उपकप्तान), आबिद अली, शान मसूद, असद शफीक, फवाद आलम, मोहम्मद रिजवान, यासिर शाह, मोहम्मद अब्बास, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह।

इंग्लैंड: रोरी बर्न्स, डॉम सिबली, जैक क्राउली, जो रूट (कप्तान), जोस बटलर, ओली पोप, क्रिस वोक्स, डॉम बेस, जोफ्रा आर्चर, स्टुअर्ट ब्रॉड, जेम्स एंडरसन।

भारत में पेशेवर बास्केटबॉल लीग शुरू करने की जरूरत : भृगुवंशी

लखनऊ।

अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने गए भारतीय बास्केटबॉल टीम के कप्तान विशेष भृगुवंशी का कहना है कि भारत के खेल प्रेमी इस खेल को पसंद करते हैं और देश में अमेरिका के एनबीए की तरह एक पेशेवर लीग शुरू किए जाने की जरूरत है। विशेष ने रविवार को टेलीफोन पर भाषा से कहा कि देश में खेल प्रेमियों का एक बड़ा वर्ग बास्केटबॉल देखना पसंद करता है और वह अपने देश में इसकी पेशेवर लीग की कमी महसूस करता है। उन्होंने कहा, '' प्रीमियर बैडमिंटन लीग, फुटबॉल लीग और प्रो कबड्डी लीग की तर्ज पर देश में बास्केटबॉल लीग भी शुरू की जानी चाहिए। यह निश्चित रूप से सफल होगी।'' ऑस्ट्रेलिया की नेशनल बॉस्केटबॉल लीग के एडिलेड थर्टी सिक्सर्स के लिए चुने गए पहले भारतीय बास्केटबॉल खिलाड़ी विशेष ने कहा कि भारत में अगर बास्केटबॉल लीग शुरू होती है तो यह बहुत कामयाब होगी क्योंकि यह बहुत आकर्षक और तेज खेल है ।

इसमें 40 मिनट के अंदर ही नतीजा आ जाता है। उन्होंने कहा ''भारत में बास्केटबॉल को पेशेवर स्तर पर कामयाब होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा क्योंकि भारत में अमेरिका की मशहूर लीग एनबीए काफी लोकप्रिय है। भारत में पेशेवर लीग शुरू होने से उभरते हुए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने का अनुभव मिलेगा, जिससे देश में बास्केटबॉल की प्रतिभाएं निखर कर सामने आएंगी।'' भारतीय बास्केटबॉल टीम के कप्तान ने वर्ष 2001 में नौ साल की उम्र में शौकिया तौर पर बास्केटबॉल खेलना शुरू किया था। वर्ष 2004 में वह पहली बार भारतीय टीम के शिविर में गए तो उन्होंने इस खेल को अपना पेशा बनाने का इरादा कर लिया।

उसके बाद 2006 में वह पहली बार भारतीय टीम के लिए खेले। अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''यह पुरस्कार जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है।

गावस्कर का बड़ा बयान, रोहित जैसा आक्रामक सलामी बल्लेबाज बनना चाहता था

नई दिल्ली । टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की सराहना करते हुए कहा है कि वह उनके जैसे आक्रामक ओपनर बनना चाहते थे। साल 2015 की शुरुआत से रोहित का 97 वनडे पारियों में 62.36 का औसत और 95.44 का स्ट्राइक रेट है। इस दौरान उन्होंने 24 शतक जड़े हैं। वह एकमात्र बल्लेबाज हैं जिसने एकदिवसीय प्रारुप में तीन दोहरे शतक जड़े हैं। आखिरी घरेलू सत्र में रोहित ने टेस्ट क्रिकेट में ओपनिंग की थी जहां उन्होंने पांच मुकाबलों में तीन शतक ठोके थे। उन्होंने पिछले साल वनडे विश्व कप में विश्व रिकॉर्ड पांच शतक बनाए थे। गावस्कर का भी वनडे ओपनर के रुप से सफल करियर रहा है। उनका 108 मैचों में 35.13 का औसत और 62.26 का स्ट्राइक रेट है। गावस्कर ने इंडिया टुडे ई-कॉन्क्लेव में कहा, 'जिस तरह से आप रोहित को वनडे और टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी करते देखते हैं और वह पहले ही ओवर से रनों की बरसात करते हैं, कुछ इस तरह ही मैं खेलना चाहता था। परिस्थिति और निश्चित रूप से मेरी क्षमता में आत्मविश्वास की कमी के कारण मैं ऐसा नहीं कर सका। उन्होंने कहा, 'लेकिन जब मैं अगली पीढ़ी को ऐसा करते हुए देखता हूं तो मुझे बेहत खुशी होती है। मुझे अगली पीढ़ी को देखना बहुत पसंद है क्योंकि वहां आप प्रगति देखते हैं। आप देख रहे हैं कि ये अगली पीढ़ी के लिए गति तय कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में रोहित को देश का सर्वोच्च खेल पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न देने की घोषणा की गई है। रोहित यह सम्मान पाने वाले भारत के चौथे क्रिकेटर होंगे। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली यह पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम अक्टूबर-नवंबर में पाकिस्तान का दौरा करेगी; वनडे और टी-20 की सीरीज खेलेगी

नई दिल्ली ।

जिस दौरान यूएई में आईपीएल 2020 चल रहा होगा, उसी वक्त जिम्बाब्वे टीम पाकिस्तान का दौरा करेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसकी तैयारी शुरू कर दी हैं। आईपीएल यूएई में 19 सितंबर से 10 नवंबर तक है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों को 2008 के बाद से आईपीएल खेलने का मौका नहीं मिला है। पाकिस्तान पहली ऐसी एशियाई टीम है, जिसने कोरोना के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों को 2008 के बाद से आईपीएल खेलने का मौका नहीं मिला है। पाकिस्तान पहली ऐसी एशियाई टीम है, जिसने कोरोना के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की है। इंग्लैंड दौरे पर गई पाकिस्तानी टीम तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की टी- 20 सीरीज खेलेगी। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अक्टूबर-नवंबर में जिम्बाब्वे की मेजबानी करने के अलावा कोरोना के बीच अपने डोमेस्टिक सीजन को बायो सिक्योर एन्वॉयरमेंट में कराने की तैयारी कर रहा है। पीसीबी सूत्रों ने बताया कि वनडे और टी-20 सीरीज की तारीखें जल्द तय की जाएंगी। माना जा रहा है कि जिम्बाब्वे टीम 15 अक्टूबर के आसपास पाकिस्तान पहुंचेगी। यहां वो तीन वनडे और इतने ही टी-20 मैच खेलेगी। कुछ और मैच कराने पर बातचीत चल रही है।

दो हफ्ते क्वारैंटाइन रहना होगा

जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों को दो हफ्ते आइसोलेशन में रहना होगा। ट्रेनिंग शुरू करने से पहले उनका कोरोना टेस्ट होगा। सूत्र ने कहा कि पीसीबी इस वक्त कोरोना को देखते हुए सरकार के स्टैंडर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर (एसओपी) के मुताबिक बायो सिक्योर एन्वॉयरमेंट के लिए नियम तैयार कर रहा है।

बायो सिक्योर एन्वॉयरमेंट जिम्बाब्वे के खिलाफ इंटरनेशनल सीरीज, पाकिस्तान सुपर लीग पांच के बाकी बचे चार मैचों और पूरे डोमेस्टिक सीजन के लिए लागू होगा।

संक्षिप्त समाचार

धोनी को गाली देने पर गुस्से में आए फैंस, रोहित शर्मा के समर्थकों को जमकर पीटा

स्पोर्ट्स डेस्क। 15 अगस्त को टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। जिसके बाद तमाम क्रिकेट फैंस का दिल टूट गया। ऐसे में महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के कुरुन्द्वाद में खबर समाने आ रही है। जहां दो रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी के क्रिकेट फैंस पोस्टर को लेकर आपस में भिड़ गए। दरअसल, सहवाग ने ट्विटर पर लिखा- क्या करते हो पागलों। खिलाड़ी आपस में अपने काम से मतलब रखते हैं और ज्यादा बात भी नहीं करते हैं, काम से काम रखते हैं, लेकिन कुछ फैंस अलग ही लेवल के पागल हैं। झगड़ा-झगड़ी मत करो। टीम इंडिया को एक ही समझो। हालांकि एक रिपोर्ट के मुताबिक रोहित शर्मा के एक युवा फैन ने धौनी के फैंस को गालियां देनी शुरू कर दी। इसके बाद गाली देने वाले रोहित के फैन को गन्ने के खेल में ले जाकर पीटा गया। जिसके बाद सहवाग ने इस पूरे मामले पर नाराजगी जताई है। बता दें, धोनी के संन्यास लेने के बाद फैंस ने शहार के हर जगह माही के पोस्टर और होर्डिंग लगाए थे। हांलाकि जब रोहित शर्मा का नाम खेल रत्न के लिए चुना गया तब हिटमैन के समर्थकों ने भी शहर में उनके फोटो और बैनर लगाए। जिसके बाद कुछ शरारती लोगों ने रोहित के पोस्टरों को फाड़ दिया। वही बताया जा रहा है कि रोहित शर्मा के एक युवा फैन ने धौनी के फैंस को गालियां देनी शुरू कर दी। इसके बाद गाली देने वाले रोहित के फैन को गन्ने के खेल में ले जाकर पीटा गया।

इंग्लैंड दौरे से पहले स्मिथ का बड़ा बयान, दुर्भाग्य से वहां मेरा मजाक उड़ाने वाला कोई नहीं होगा

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इंग्लैंड के दौरे के लिये रविवार को रवाना हो गई जो कोरोना वायरस के खतरे से बचने के लिए जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कड़े प्रोटोकॉल के अंतर्गत दर्शकों के बिना खाली स्टेडियम में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। वैश्विक रूप से फैली इस महामारी के बाद वह देश से बाहर जाने वाली पहली आस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय टीम है। आस्ट्रेलिया ने 13 मार्च के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। उनकी न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला भी स्थगित हो गई थी। स्टीव स्मिथ रविवार को सिडनी से पर्थ के लिए रवाना हुए जहां से आस्ट्रेलियाई टीम विशेष विमान से लंदन के लिए रवाना होगी। स्मिथ ने कहा कि खेलने के लिये बेताब हैं, भले ही चारों ओर का वातावरण कैसा भी हो। स्मिथ इस बात से भी दुखी थे कि स्टेडियम में इंग्लैंड के प्रशंसकों से भरे नहीं होंगे जिन्होंने बीते समय में उनका हमेशा मजाक उड़ाया था और गेंद से छेड़छाड़ के कारण लगे निलंबन के बाद कुछ ज्यादा ही। उन्होंने कहा, 'लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि वहां मेरा मजाक उड़ाने और मुझे और अधिक प्रेरित करने के लिए कोई दर्शक नहीं होगा।

हवा सिंह की बायोपिक में कोच सुजान के किरदार में नजर आएंगे चंदन

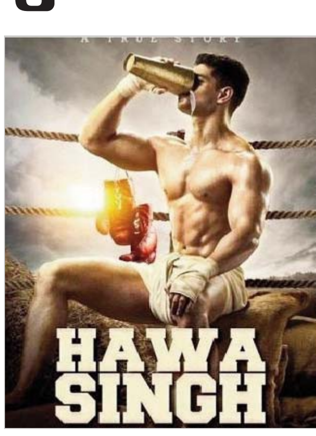

हल्द्वानी।

भारतीय फिल्म अभिनेता चंदन सिंह बिष्ट ख्याति प्राप्त भारतीय हैवीवेट मुक्केबाज हवा सिंह की बायोपिक में नजर आएंगे। इस फिल्म में वह हवा सिंह के कोच सुजान का किरदार निभा रहे हैं। नैनीताल जिले के मुक्तेश्वर में एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में पहुंचे अभिनेता बिष्ट ने यूनीवार्ता को बताया कि वह भारतीय मुक्केबाज हवा सिंह की बायोपिक में कोच सुजान का किरदार निभा रहे हैं। चंदन सिंह बिष्ट अब तक अरमान, मिथ्या, रघु रोमियो, हनीमून ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड, दसविदानिया के अलावा गत वर्ष रिलीज हुई मेड इन चाइना में अभिनय कर चुके हैं। वह बहुत जल्द ही उत्तराखंड में कुमाऊं मंडल के पारम्परिक जागर अनुष्ठान पर आधुनिक समाज और पुरानी पीढ़ी के विचारों के बीच संघर्ष की कहानी पर आधारित हिन्दी फिल्म'फायर इन द माउन्टेन्स में भी नजर आएंगे। वर्ष 1998 में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से स्नातक चंदन सिंह बिष्ट अल्मोड़ा जिले के चौखुटिया में खत्याड़ी गांव के मूल निवासी हैं। उन्होंने वर्ष 2000 में प्रदर्शित निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म मिशन कश्मीर में अभिनय कर अपने करियर की शुरुआत की है।

हमारा लक्ष्य नियमित रूप से एशियाई कप, युवा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना होना चाहिए: भूटिया

नयी दिल्ली। पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया का मानना है कि अगर भारतीय फुटबॉल टीम महाद्वीप में अपना दमखम कायम करना चाहती है तो उसे एशियाई कप और युवा विश्व कप के लिए नियमित रूप से क्वालीफाई करने को लक्ष्य बनाना चाहिए। भूटिया ने राष्ट्रीय टीम के लिए बेहतर खिलाड़ियों के विकास के लिए जमीनी स्तर पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एआईएफएफ (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ) टेलीविजन से कहा,''राष्ट्रीय टीम के लिए, हमें अच्छे स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करना होगा। हमारे पास इस समय अच्छे खिलाड़ी हैं लेकिन अगर हम एशिया में सर्वश्रेष्ठ प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं, तो हमें बड़े और बेहतर खिलाड़ियों को लगातार तैयार करते रहना होगा।'' उन्होंने कहा, ''एआईएफएफ ने जमीनी स्तर पर बहुत ध्यान दिया है। हमें जमीनी स्तर को और मजबूत करने की जरूरत है। हम इस पर काम कर रहे हैं।'' भूटिया ने कहा, '' राष्ट्रीय टीमों के लिए हमारा लक्ष्य एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) एशियाई कप और फीफा युवा विश्व कप के लिए नियमित रूप से क्वालीफाई करने का होना चाहिए।'' भारत के इस पूर्व कप्तान के मुताबिक मैचों की संख्या में बढ़ोतरी और विदेशी दौरों ने हाल के वर्षों में भारतीय फुटबॉल टीम को अपनी रैंकिंग में सुधार करने में मदद की है। भारत के लिए 100 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने भूटिया ने कहा कि 2011 में उनके संन्यास लेने के बाद बेहतर बुनियादी ढांचे ने टीम के विकास में मदद की। उन्होंने कहा,'' हमारे समय के मुकाबले खिलाड़ियों को अब बेहतर समर्थन, मंच और प्रतियोगिता के स्तर के साथ बढ़िया कोचिंग स्टाफ मिल रहा है।'' उन्होंने कहा,'' हमारे समय के मुकाबले अब, राष्ट्रीय टीम के मैचों की संख्या में तीन - चार गुना बढोतरी हुई है।'' मौजूदा कप्तान सुनील छेत्री से पहले भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, '' मौजूदा टीम की तुलना में हमें कम मैच खेलने को मिलते थे। क्वालीफिकेशन मैचों में अक्सर हमारा मुकाबला कड़ी टीमों के खिलाफ होता था। खिलाड़ियों को अब ज्यादा मैच खेलने को मिल रहे हैं। इससे वह समय के साथ बेहतर हो रहे हैं।'' इस 43 साल के पूर्व खिलाड़ी ने 1995 में भारत के लिए पदार्पण किया था ।

पूर्व हॉकी खिलाड़ियों ने मेजर ध्यानचंद को भारत रत्न देने की मांग की

नई दिल्ली। पूर्व और वर्तमान हाकी खिलाड़ियों ने दिग्गज मेजर ध्यानचंद को उनके 115वें जन्मदिन से पूर्व देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की मांग की है। राष्ट्रीय खेल दिवस से पहले गुरबख्श सिंह, हरविंदर सिंह, अशोक कुमार और वर्तमान खिलाड़ी युवराज वाल्मिकी ने शनिवार को इस महान खिलाड़ी के जीवन और करियर का लेकर वर्चुअल चर्चा में हिस्सा लिया। अर्जुन पुरस्कार विजेता गुरबख्श सिंह ने कहा, 'ध्यानचंद हमारे लिए भगवान थे। हम भाग्यशाली थे कि हमने उनके साथ पूर्वी अफ्रीका ओर यूरोप का एक महीने का दौरा किया था। उस तरह का भला इंसान ढूंढना मुश्किल होता है। वह संपूर्ण खिलाड़ी थे। हरिंदर सिंह ने ध्यानचंद के बारे में कहा, 'मैं दादा का बहुत सम्मान करता हूं। मेरा 100 मीटर में सर्वश्रेष्ठ समय 10.8 सेकेंड था इसलिए मुझे अपनी गति का फायदा मिलता है। उन्होंने मुझसे कहा था कि मुझे गेंद को अपने आगे रखना चाहिए। अर्जुन पुरस्कार विजेता और ध्यानचंद के पुत्र अशोक कुमार ने अपने पिताजी के बारे में कुछ नयी बातें बतायी। अशोक ने कहा, 'उन्होंने मुझे और मेरे बड़े भाई को हॉकी खेलने से रोक दिया था। हमें बाद में अहसास हुआ कि इसका कारण उनकी इस खेल में वित्तीय प्रोत्साहन की कमी को लेकर चिंता थी। जर्मन लीग में खेलने वाले वाल्मिकी ने ध्यानचंद के प्रभाव के बारे में कहा, 'भारत में हॉकी और मेजर ध्यानचंद पर्याय हैं। यहां तक कि 100 साल बाद भी ऐसा ही रहेगा। यह मेरे लिये सबसे बड़ा गर्व है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा को विदेशी सरजमीं नहीं आती रास वजह

स्पोर्ट्स डेस्क।

भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा भले ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हैं लेकिन जब भी यह टी20 टूर्नामेंट विदेशों में खेला गया तब ये दोनों बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। कोविड-19 महामारी के कारण इस बार आईपीएल का आयोजन 19 सितंबर से 10 नवंबर के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा। यह तीसरा अवसर होगा जबकि भारत का यह घरेलू टूर्नामेंट विदेशी धरती पर खेला जाएगा। इससे पहले आम चुनावों के कारण 2009 में पूरा टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका जबकि 2014 में पहला चरण यूएई में खेला गया था। इन दोनों अवसरों पर कोहली और रोहित अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। कोहली ने आईपीएल में विदेशों में जो 21 मैच खेले हैं उनमें उन्होंने 23.40 की औसत से 351 रन बनाये जिसमें केवल एक अर्धशतक (उच्चतम 50 रन) शामिल है। कोहली ने आईपीएल में अब तक कुल 177 मैच खेले हैं जिसमें 37.84 की औसत से 5,412 रन बनाए हैं जिसमें पांच शतक और 36 अर्धशतक शामिल हैं। इसका मतलब है कि कोहली ने भारत में जो 156 मैच खेले उनमें 39.53 की औसत से 5,061 रन बनाए। उन्होंने अपने पांचों शतक के अलावा 35 अर्धशतक स्वदेश में लगाए। कोहली आईपीएल में शुरू से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2009 में दक्षिण अफ्रीका में 16 मैचों में 22.36 की औसत और एक अर्धशतक की मदद से 246 और 2014 में यूएई में पांच मैचों में 105 रन बनाए थे। इस टूर्नामेंट की स्वदेश में खेली गई नौ पारियों में हालांकि वह दो अर्धशतक की मदद से 254 रन बनाने में सफल रहे थे। रोहित के नाम पर आईपीएल में 188 मैचों में 31.60 की औसत से 4,898 रन दर्ज हैं जिनमें एक शतक और 36 अर्धशतक शामिल हैं। वह इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में कोहली और सुरेश रैना (5368) के बाद तीसरे नंबर पर हैं। रोहित ने अपने इन रनों में से 446 रन विदेशी धरती पर बनाए। वह इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में कोहली और सुरेश रैना (5368) के बाद तीसरे नंबर पर हैं। रोहित ने अपने इन रनों में से 446 रन विदेशी धरती पर बनाए।

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और यूएई में अब तक कुल 21 मैच खेले और 24.77 की औसत से रन बनाए जिसमें दो अर्धशतक (उच्चतम 52) शामिल हैं। रोहित 2009 में डेक्कन चार्जर्स का हिस्सा थे और तब दक्षिण अफ्रीका में उन्होंने 16 मैचों में एक अर्धशतक की मदद से 362 रन बनाए।

तब दक्षिण अफ्रीका में उन्होंने 16 मैचों में एक अर्धशतक की मदद से 362 रन बनाए। इसके पांच साल बाद यूएई में हालांकि वह मुंबई इंडियन्स की तरफ से पांच मैचों में 84 रन ही बना पाए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टेलीविजन इंडस्ट्री (Television industry) की स्टार हिना खान (Hina Khan) ने कर्म को लेकर एक पोस्ट लिखा जिसे उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं.

हिना खान का लिखा इमोशनल पोस्ट हुआ वायरल, छह साल पुराने दर्द का किया जिक्र

टेलीविजन इंडस्ट्री का हिना खान (Hina Khan) जाना पहचाना नाम है. हाल में ही हिना खान (Hina Khan) एकता कपूर के सुपरनेचुरल (Supernatural) शो 'नागिन 5' में दिखाई दी थी. जिसने खासी सुर्खियां बटोरी थी. 2009 में 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से डेब्यू कर हिना लोगों के दिलों में छा गई थी. सोशल मीडिया (Social Media) पर एक्टिव रहने वालीं अभिनेत्री हिना खान ने हाल ही में एक पोस्ट (Post) किया है जो वायरल हो रहा है. इस लंबे नोट में उन्होंने कर्मों के फल को लेकर बात की है जो कि सबका ध्यान खींच रहा है. उन्होंने इस पोस्ट में छह साल पहले किसी बात की जिक्र किया है, जिसने उन्हें तोड़ कर रख दिया था. इंस्टाग्राम पर इस पोस्ट में हिना ने लिखा है कि कर्म लौटकर जरूर आते हैं और लोगों को तब अपनी गलतियों का एहसास होता है. 'कई साल पहले....6 साल पहले...इस वाक्य ने मुझे किसी की याद दिला दी है जिसने सालों तक मेरे साथ अच्छा बर्ताव नहीं किया था. मैं हमेशा इस ख्याल में खोई रहती थी कि क्या मैं इतनी बुरी हूं. इस बात को सोचकर मैं टूट भी जाया करती थी.

जब आप बार-बार चीजों को सही करने की कोशिश करते हैं और सामने वाला शख्स उसे समझता नहीं है तो इससे दिल को चोट पहुंचती है. मुझे एक ही डायलॉग (dialogue) याद आता है कि कुछ घाव ऐसे होते हैं जो कभी नहीं भरते हैं. उन्होंने लिखा है कि कोई नहीं, मुझे कर्म में यकीन है. लोगों को लगता है कि वो सालों तक लोगों के साथ बिना किसी कारण के बुरा करते जाएंगे. उन्हें अपने पर कोई पछतावा भी नहीं होता. इसी पोस्ट में हिना ने लिखा है कि कर्म एक बहुत खराब चीज है. अरे नहीं, कर्म एक उत्तम दर्जे का बुद्धिमान शख्स है जो शांति से आपको बैठाएगा और एक चाय पिलाएगा. जिसका आपको बाद में अहसास होगा वो चाय इसी जहर से भरी हुई थी. जिसे आप सालों तक दूसरों को परोसते रहे हैं. हिना खान बिग बॉस 11 और फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी सीजन 8 में नजर आई थी.

पुराने वीडियो पर ट्रोल हुए रोहित शेट्टी, जानिए क्यों लग रहे हैं नेपोटिज्म के आरोप

अभिनेता (Actor) सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) की मौत के बाद एक बार फिर बॉलिवुड (Bollywood) में नेपोटिज्म (Nepotism) की बहस तेज हो गई है. लोग कुछ सिलेब्रिटीज (Celebrities) के खिलाफ न सिर्फ प्रोटेस्ट (Protest) कर रहे हैं बल्कि उन्हें सोशल मीडिया (Social Media) पर ट्रोल (Troll) भी कर रहे हैं. इस बार लोगों के निशाने पर फिल्ममेकर (Filmmaker) रोहित शेट्टी (Rohit Shetty) आ गए हैं.

दरअसल, रोहित का एक पुराना वीडियो इंटरनेट (Internet) पर काफी वायरल (Viral) हो रहा है. इसमें वह बताते हैं कि कैसे सैफ अली खान (Saif Ali Khan) की बेटी सारा अली खान (Sara Ali Khan) उनके ऑफिस (Office) काम मांगने के लिए आई थीं.

इमोशनल हो कर फिल्म ऑफर किया था

वीडियो (Video) में रोहित ये बता रहे हैं कि कैसे सैफ अली खान की बेटी उनके पास आई और हाथ जोड़कर काम मांगा. रोहित ने बताया कि सारा को इस तरह देखकर वह इमोशनल हो गए और उन्हें फिल्म ऑफर कर दी. रोहित का कहना है कि ये बातें अभी इसलिए बता रहे हैं क्योंकि सारा अब स्टार हैं.

सुशांत के साथ पहली फिल्म सारा ने अभिषेक कपूर की फिल्म 'केदारनाथ' से बॉलीवुड में एंट्री ली थी. इसमें उनके साथ सुशांत सिंह राजपूत नजर आए थे. सारा के काम को ऑडियंस से अच्छे रिव्यूज मिले थे. इसके बाद फिर वह रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंबा' में रणवीर सिंह के साथ दिखी थीं.

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद देश भर में नेपोटिजम (Nepotism) की बहस जोर पकड़ लिया. इस बीच लोग सोशल मीडिया (Social Media) पर करण जौहर, सलमान खान और सोनम कपूर जैसे सिलेब्स के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं. सारा अब वरुण धवन (Varun Dhawan) के साथ फिल्म 'कुली नं 1' में नजर आएंगी. इसके अलावा वह अक्षय कुमार (Akshay Kumar) और धनुष (Dhanush) के साथ अतरंगी रे में दिखेंगी.

एक दिन में 41,000 से ज्यादा लोगों ने मांगी Sonu Sood से मदद, पढ़िए एक्टर ने क्या कहा

सोनू सूद (Sonu Sood) हर एक के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनको भी पता है कि सबकी मदद करना नामुमकिन है.

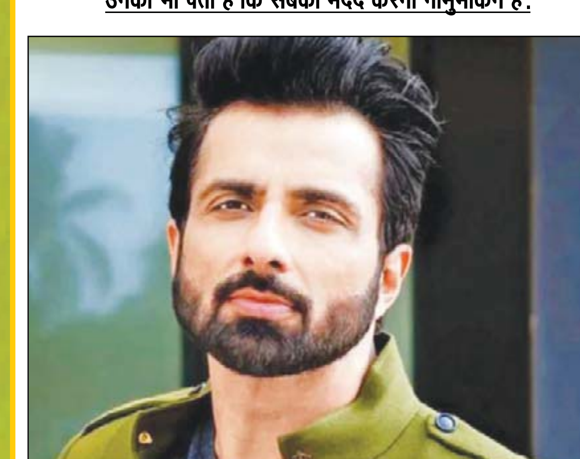

सोनू सूद (Sonu Sood) जितने लोगों की मदद कर रहे हैं, उतने गुना उनसे मदद मांगने वाले बढ़ते जा रहे हैं. कोई इम्मीग्रेशन (Immigration) में मदद मांग रहा है, किसी के पास बहन के ऑपरेशन (Operation) के लिए पैसे नहीं है, किसी का बाढ़ में घर बर्बाद हो गया है, किसी की किताबें बाढ़ के पानी से खराब हो गई हैं, किसी के पास पिता के श्राद्ध के लिए पैसे नहीं है. हर कोई सोनू सूद हैल्पलाइन (Helpline) पर फोन कर रहा है. पहले जहां लॉकडाउन में केवल फंसे हुए लोगों को घर पहुंचाने के लिए उनकी हैल्पलाइन पर फोन आ रहे थे, अब तो ट्विटर, फेसबुक, हैल्पलाइन, ई-मेल, इंस्टाग्राम हर जगह से मदद की गुहार की बारिश हो रही है, सोनू सूद फिर भी हर एक के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनको भी पता है कि सबकी मदद (Help) करना नामुमकिन है.

एक ही दिन में 41,000 से ज्यादा हैल्प मैसेज

एक ही दिन में उनके पास 41,000 से ज्यादा हैल्प मैसेज आए, 1137 ईमेल, 19000 लोगों ने फेसबुक पर मदद मांगी, 4812 ने इंस्टाग्राम पर, 6741 ने ट्विटर के जरिए उनसे गुहार लगाई अभी इसमें फोन करने वालों की संख्या उन्होंने नहीं दी है. इससे ये तो पता चलता है कि सोनू से मदद मांगने वालों में पढ़े लिखे लोगों की भी कमी नहीं है, यहां तक कि विदेश से भी लोग इम्मीग्रेशन में मदद मांग रहे हैं और देश के किसी भी कौने की बात हो, सोनू इनकार नहीं करते. दिलचस्प तो ये है कि लोग पिता के श्राद्ध के लिए अपने रिश्तेदारों या मित्रों से पैसे लेने की बजाय सोनू सूद से मांग रहे हैं, और सोनू भी दिलदार हैं.

सिस्टम भी हो गया परेशान

सोनू किसी की सर्जरी करवा रहे हैं तो किसी का घर बनवा रहे हैं, किसी को ट्रैक्टर दिलवा रहे हैं तो किसी को कोर्स की किताबें, और उनसे मदद मांगने वाले किसी एक इलाके तक सीमित नहीं है. ऐसे में आखिर सोनू की मदद की कितनी सीमा होगी ? और यही हो रहा है, वो जितने लोगों की मदद कर रहे हैं, उससे ज्यादा अगले दिन मदद मांगने वालों की तादाद बढ़ जाती है. यहां तक कि शायद सोनू के पास मदद मांगने वालों की सच्चाई पता करने का भी शायद कोई मैकेनिज्म नहीं है. अब तो लगता है उनका सिस्टम भी परेशान होने लगा है

मसीहा बने सोनू

अगर एक दिन में ही 41,000 का औसत होगा, तो सोचिए महीने में उनसे मदद मांगने वाले 12 लाख से ऊपर चले जाएंगे. इन 12 लाख लोगों की मदद की पोस्ट, ई-मेल या एप्लीकेशंस को पढ़ेगा कौन, और कौन उनके सही, गलत के दावों की जांच करेगा ? फिर इतने लोगों की मदद करना कोई हंसी खेल तो नहीं ? लेकिन आप सोनू सूद का ट्वीट पढ़िए, उन्होंने मना नहीं किया, पूरी कोशिश का दावा किया है.

धनुष, सोनम की मूवी 'रांझणा' के खिलाफ अभय देयोल की पोस्ट हो रही वायरल

अभय देओल (Abhay Deol) ने एक दर्शक के नोट (Note) का जवाब देते हुए माना है कि उनकी 2013 की फिल्म 'रांझणा' यौन उत्पीड़न को बढ़ावा देती है.

अभय देयोल (Abhay Deol) अलग ही मिजाज के बन्दे हैं, कब किसके बारे में क्या लिख दें, आप अनुमान नहीं लगा सकते. हाल ही में वो अपनी उस पोस्ट (Post) की वजह से चर्चा में आ गए थे, जिसमें उन्होंने लिखा था कि 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में बराबर का रोल करने के बावजूद उनको और फरहान अख्तर (Farhan Akhtar) को हर अवॉर्ड फंक्शन (Award function) में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (Supporting actor) के लिए नोमिनेशन मिला, जबकि हृतिक रोशन (Hrithik Roshan) को बेस्ट एक्टर के लिए. अब वो अपनी एक और फिल्म पर विवादित कमेंट करने के चलते चर्चा में हैं. उन्होंने सोनम (Sonam Kapoor) और धनुष (Dhanush) के साथ वाली अपनी फिल्म 'रांझणा' के बारे में लिखा है कि ये फिल्म यौन उत्पीड़न (se&ual harassment) को बढ़ावा देती है, युवाओं को गलत संदेश देती है.अभय देयोल ने इंस्टाग्राम (Instagram) पर हाल ही में मूवी को देखने के बाद एक दर्शक के रिव्यू (Review) पर ये प्रतिक्रिया दी है, लेकिन अभय देयोल और उस दर्शक की पोस्ट पढ़ने से पहले आपको समझना पड़ेगा कि फिल्म की कहानी क्या है और जिस सीन के बारे में बात हो रही है, उसमें धनुष और अभय कौन कौन सा किरदार निभा रहे हैं. ये कहानी है बनारस में रहने वाली एक ऐसी मुस्लिम लड़की जोया (सोनम कपूर) की, जिसको एकतरफा प्यार करता है एक हिंदू ब्राह्मण लड़का कुंदन (धनुष), लगातार उसके पीछे पड़े रहने से जोया दोस्ती तो कर लेती है, लेकिन उसके हिंदू होने से उसे यकीन नहीं होता कि परिवार उसे अपनाएगा. वो कुंदन को यही तर्क देती है. इधर परिवार पहले उसे अलीगढ़ पढ़ने भेज देता है और फिर जेएनयू.

वो जेएनयू से वाराणसी वापस आती है और कुंदन को शॉक्ड कर देती है अपनी शादी की खबर बताकर, जो वो वहां के छात्र नेता अकरम (अभय देयोल) से कर रही है. परेशान कुंदन कैसे भी पता कर लेता है कि अकरम मुस्लिम नहीं असल में सिख लड़का जसजीत है, तो वो सारा राज जोया के परिवार वालों पर खोल देता है और फिर जोया के घरवाले अकरम उर्फ जसजीत को बुरी तरह पीटते हैं. अभय ने जिस दर्शक का जिक्र किया है, उसकी इंस्टाग्राम पोस्ट में उसी पिटाई के बाद के सीन की तस्वीरे और चर्चा है, हॉस्पिटल में पड़े जसजीत से कुंदन माफी मांग रहा है और वो कुंदन को बता रहा है कि ये सारा आइंडिया जोया का था.

वो दर्शक इसी सीन से गुस्सा था, जिसमें कुंदन से जसजीत बोलता है कि, 'यार, इन लड़कियों के दिमाग के हिसाब से कुछ नहीं करना चाहिए, झटके में सबकुछ बिखर गया', कुंदन भी कहता है कि, 'हम भी इसी चक्कर में मारे गए'. उसको अभय के किरदार के प्रति इज्जत थी, जो ये सब अपनी गर्लफ्रेंड के कहने पर करने आ गया और गुस्सा उस कुंदन के किरदार पर थी, जो जोया के पीछे पड़ा हुआ था, अपनी कलाई काट लेता है, उनकी शादी बर्बाद कर देता है' आदि. हालांकि बाद में मूवी में घायल अभय देयोल यानी जसजीत मर जाता है.

अभय देयोल को उस व्यक्ति का अपनी मूवी को लेकर इतना लम्बा विश्लेषण काफी पसंद आता है और कहीं ना कहीं अपने उस किरदार से प्यार होने लगता है, उनको लगने लगता है कि उस मूवी का जो रीयल हीरो था, उसकी बजाय एक ऐसे लड़के को बना दिया गया, जो एक तरह से पीछा करने वाला है, लड़की से प्यार करने के बजाय किसी भी कीमत पर पाना चाहता है, उसे तो विलेन होना चाहिए. कहीं ना कहीं ये फिल्म गलत मैसेज देती है.

अभय देयोल भी मानते हैं कि इस मूवी ने ना केवल गलत संदेश दिया है बल्कि सैक्सुअल ह्रासमेंट की प्रवृत्ति को बढावा दिया है, वो अपने फैंस से उस दर्शक की पोस्ट को पढ़ने की अपील भी करते हैं, आप भी पढ़ सकते हैं

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओली के सहारे नेपाल पर कब्जे की फिराक में चीन !

इंटरनेशनल डेस्क। चीन की विस्तारवादी नीति अब नेपाल को चपेट में लेने की फिराक है और इसके लिए वह प्रधानमंत्री के.पी. ओली का सपोर्ट ले रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन के उकसावे में आकर भारत के खिलाफ बयानबाजी कर मुसीबत में फंसे ओली अब अपनी कुर्सी बचाने के लिए, हर तरह से चीन का साथ दे रहे हैं। दूसरी तरफ चीन दोस्ती के बहाने नेपाल की भूमि पर लगातार कब्जा बढ़ाता जा रहा है। नेपाल के सर्वे विभाग के अनुसार चीन तिब्बत में चल रही सड़क निर्माण परियोजना के बहाने नेपाल की जमीन का अतिक्रमण कर रहा है। इस परियोजना से नेपाल अपनी कई हेक्टेयर जमीन गंवा चुका है। नेपाल के कृषि मंत्रालय के सर्वेक्षण विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन ने सात सीमावर्ती जिलों में फैले कई स्थानों पर नेपाली भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीजिंग तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसकी वजह से नेपाल को आने वाले कुछ समय में कई तरीके से नुकसान उठाना पड़ सकता है। ग्लोबल वॉच एनालिसिस की रिपोर्ट की मानें तो, चीन के साथ संबंध रखने के चलते नेपाल अपनी स्वायत्तता और फैसले लेने की क्षमता को प्रभावित कर रहा है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ओली ने चीन के उकसावे में आकर भारत के खिलाफ कई टिप्पणियां कीं व भारत विरोधी नीतियों पर भी काम शुरू कर दिया। रोलैंड जैक्वार्ड ने अपने लेख में बताया है कि चीन की नीति है कि वह उन देशों के राजनीतिक वर्ग को भ्रष्ट करता है, जो आर्थिक रूप से मजबूत नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि कैसे नेपाल की विदेश नीति चीन की विस्तारवादी रणनीति का शिकार हो रही है। पिछले साल जनवरी में, जिस दिन चीन ने वेनेजुएला पर आर्थिक प्रतिबंधों लगाने के लिए अमेरिका के कदम की निंदा की थी, सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) ने भी एक ऐसा ही बयान जारी किया, जिसमें वेनेजुएला के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए वॉशिंगटन और उसके सहयोगियों की निंदा की गई थी। यह शायद पहली बार था जब काठमांडू ने लैटिन अमेरिका में अमेरिकी नीतियों से संबंधित एक स्टैंड लिया था। नेपाल में एक और चिंताजनक स्थिति सामने आई है। यह नेपाल में रहने वाले तिब्बती शरणार्थियों की बिगड़ती मानव अधिकारों की स्थिति है।

ट्रम्प के चुनाव प्रचार अभियान ने भारतीय-अमेरिकियों को लुभाने के लिए पहला विज्ञापन जारी किया

वाशिंगटन। अमेरिका में 20 लाख से अधिक प्रभावशाली भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं को लुभाने के मकसद से, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के चुनाव प्रचार अभियान प्रबंधकों ने वीडियो के रूप में अपना पहला विज्ञापन जारी किया है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों और ट्रम्प के अहमदाबाद के ऐतिहासिक संबोधन के संक्षिप्त क्लिप शामिल हैं। इस साल फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान मोदी और ट्रम्प ने अहमदाबाद में भारी भीड़ को संबोधित किया था। ट्रंप के साथ उनकी पत्नी मेलानिया, बेटी इवांका, दामाद जेरेड कुशनर और उनके प्रशासन के शीर्ष अधिकारी भी भारत यात्रा पर आए थे। 'ट्रम्प विक्ट्री फाइनेंस कमेटी' के राष्ट्रीय अध्यक्ष किम्बर्ली गुइलफॉयल ने एक ट्वीट में इस वीडियो विज्ञापन जारी करते हुए कहा, ''अमेरिका का भारत के साथ बहुत बढ़िया संबंध है और हमारे अभियान को भारतीय-अमेरिकियों का बहुत बड़ा समर्थन प्राप्त है!'' प्रचार अभियान का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रपति के बेटे डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर भारतीय-अमेरिकी समुदाय के साथ बहुत अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं, जिन्होंने भी इसे रीट्वीट किया। यह विज्ञापन जल्द ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ''फोर मोर ईयर्स'' नामक शीर्षक वाला 107 सेकंड का यह वीडियो मोदी और ट्रम्प के फुटेज के साथ शुरू होता है जिसमें दोनों पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में हाथ में हाथ डाले हुए चल रहे थे। तब दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के नेताओं ने 50,000 से अधिक की संख्या में आए भारतीय-अमेरिकियों को संबोधित किया था। अमेरिका में अपने हजारों समर्थकों के बीच, मोदी ने उस भाषण में ट्रम्प की खूब प्रशंसा की थी। 'ट्रम्प विक्ट्री इंडियन अमेरिकन फाइनेंस कमेटी' के सह-अध्यक्ष अल मेसन ने वीडियो की रूप-रेखा तय की है।

पाकिस्तान ने छोड़ा सऊदी-युएस का साथ, चीन के साथ भारत को दिया कड़ा संदेश

इंटरनेशनल डेस्क। चीन के उकसावे में आकर कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ टिप्पणियां करके पाकिस्तान मुसीबत में फंस गया है। सऊदी अरब और अमेरिका के पैसों पर पलने वाला पाकिस्तान अब पुराने मालिकों को धोखा देते हुए नए सरपरस्त और अपने चालबाज दोस्त चीन की शरण में पहुंच कर आंखें दिखा रहा है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की हेनान यात्रा के दौरान चीन ने अपने आयरन ब्रदर पाकिस्तान के स्वतंत्र रास्ता अख्तियार करने का समर्थन भी कर दिया है। दोनों कुटिल दोस्तों चीन और पाकिस्तान ने मिलकर भारत को कड़ा संदेश देते हुए यह भी ऐलान किया है कि वे अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा मिलकर करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन-पाक का ये साझा बयान उन देशों (इसमें कुछ पाकिस्तान के दोस्त हैं) के लिए है जो इस्लामाबाद को यह सलाह दे रहे हैं कि वह ऐसे फैसले न ले जिससे देश के हितों को लंबी अवधि में नुकसान पहुंचे। माना जाता है अरब देशों में पाकिस्तान के कुछ मित्र देश उसे सलाह दे रहे हैं कि वह चीन से दूरी बनाए और अमेरिका तथा उसके सहयोगी देशों के साथ दोस्ती बढ़ाए। अरब देशों की इस सलाह के विपरीत इमरान खान ने कहा है कि पाकिस्तान का भविष्य अब चीन के साथ जुड़ा हुआ है। दरअसल, चीन और पाकिस्तान की यह नापाक दोस्ती ऐसे समय परवान चढ़ रही है जब सऊदी अरब औरअमेरिका ने इस्लामाबाद को कश्मीर पर झटका दे दिया है। अमेरिका ने इस्लामाबाद को कश्मीर पर झटका दे दिया है। वहीं ड्रैगन का भारत के साथ सीमा पर तनाव चरम पर है। पाकिस्तानी अखबार एक्स्प्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने पाकिस्तान के स्वतंत्र तरीके से विकास का रास्ता चुनने का समर्थन किया है।

पोर्टलैंड का विरोध-प्रदर्शन हुआ हिंसक, पुलिस ने किया बल प्रयोग

पोर्टलैंड। पोर्टलैंड की संघीय इमारतों के बाहर दक्षिणपंथी और वामपंथी समूहों के प्रदर्शन हिंसात्मक होने के बाद शनिवार को पुलिस ने वहां मौजूद प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए बल प्रयोग किया। इस इलाके में कई संघीय इमारतें हैं और पिछले कुछ महीनों में यह क्षेत्र कई विरोध-प्रदर्शनों का साक्षी रहा है। मिनियापोलिस पुलिस की हिरासत में जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद से ही पोर्टलैंड में विरोध-प्रदर्शनों का सिलसिला थमा नहीं है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि ओरेगन के सबसे बड़े शहर में मल्टनोमाह काउंटी जस्टिस सेंटर के पास शनिवार दोपहर में विरोध-प्रदर्शन शुरू हुआ। प्रदर्शनकारी एक-दूसरे पर पथराव करने लगे और थोड़ी ही देर में वहां हिंसा भड़क गई। इस बीच वहां की सड़कें भी अवरुद्ध हो गई थीं। पिछले कुछ हफ्तों से जस्टिस सेंटर रात के समय प्रदर्शन के दौरान पुलिस और वामपंथी समूहों के बीच झड़पों का निशाना बनता आ रहा है। शनिवार दोपहर को प्रदर्शनकारी मार्च निकालते हुए दूसरे इलाकों में चले गए थे। वहीं दक्षिणपंथी समूहों ने जस्टिस सेंटर के पास रैली की घोषणा की थी जिसके बाद विरोधी वामपंथी समूह भड़क उठे। पोर्टलैंड पुलिस ने प्रदर्शन शुरू होने के लगभग दो घंटे बाद चेतावनी जारी करते हुए कहा कि यदि हिंसा समाप्त नहीं हुई तो पुलिस भीड़ नियंत्रण हथियारों का उपयोग कर कार्रवाई करने को तैयार है। कुछ समय बाद भीड़ कम हो गई थी। पोर्टलैंड पुलिस ने एक बयान में कहा कि बहुत सारे सवाल उठाए गए थे कि प्रदर्शन को दंगा घोषित क्यों नहीं किया गया और शहर के पुलिस अधिकारियों ने हस्तक्षेप क्यों नहीं किया। पुलिस ने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कहीं पुलिस कार्रवाई चीजों को और खतरनाक ना बना दे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप और पॉर्न एक्ट्रेस डेनियल्स के अवैध संबंधों के मामले में अदालत ने सुनाया फैसला

लास एंजिलिस। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पॉर्न एक्ट्रेस स्टॉर्मी डेनियल्स के अवैध संबंधों के मामले में अमेरिकी अदालत ने डेनियल्स के हक में फैसला सुनाया है। कैलिफोर्निया की एक अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पॉर्न एक्ट्रेस स्टॉर्मी डेनियल्स को उनकी कानूनी लड़ाई के लिए वकील के शुल्क के रूप में 44,100 डॉलर (लगभग 33 लाख रुपए) देने के आदेश दिए। एक दशक पहले उनके संबंधों के बारे में खामोश रहने के बदले में किए गए करार को डेनियल्स ने रद्द कर दिया था जिसके बाद अदालत का यह फैसला आया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के ठीक 11 दिन पहले हुए समझौते पर डेनियल्स ने ट्रंप के खिलाफ वाद जीत लिया है। समझौते के मुताबिक हारने वाले पक्ष को वकीलों का शुल्क अदा करना होगा। व्हाइट हाउस ने फिलहाल इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। राष्ट्रपति के तत्कालीन निजी वकील माइकल कोहेन ने डेनियल्स को 1,30,000 डॉलर दिए थे। अभिनेत्री ने अपने कानूनी नाम स्टेफनी क्लिफोर्ड के नाम से वाद दायर किया था। ट्रंप के निर्वाचित होने के बाद डेनियल्स ने समझौते को निष्प्रभावी करने के लिए मामला दायर किया था। ट्रंप और उनके समर्थक इस बात से इंकार करते रहे कि राष्ट्रपति को इसके बारे में जानकारी थी लेकिन ट्रंप ने मई 2018 में ट्विटर पर इसे स्वीकार किया और कहा कि उन्होंने डेनियल्स को दी गयी राशि कोहेन को अदा की थी।

चीन ने नए ऑप्टिकल सुदूर-संवेदी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया

बीजिंग। चीन ने अपने जियुक्युआन उपग्रह प्रक्षेपण केन्द्र से रविवार को एक नए ऑप्टिकल सुदूर-संवेदी उपग्रह का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। उपग्रह 'गाओफेन-9 05' को एक 'लॉन्ग मार्च-2डी' कैरियर रॉकेट के जरिए कक्षा में भेजा गया। रॉकेट के माध्यम से एक बहुउद्देशीय परीक्षण उपग्रह और 'टियांक्वो-5' नामक एक अन्य उपग्रह को भी प्रक्षेपित किया गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक रविवार को हुआ प्रक्षेपण 'लॉन्ग मार्च रॉकेट' श्रृंखला का 343 वां मिशन था।

ट्रंप का कोई सिद्धांत नहीं है, रिकॉर्डिंग में ट्रंप की बहन ने कहा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी बहन और पूर्व न्यायाधीश मैरीन ट्रंप बैरी को शनिवार को रिलीज हुई कुछ रिकॉर्डिंग में अपने भाई की तीखी आलोचना करते हुए सुना जा सकता है। एक रिकॉर्डिंग में उन्होंने यहां तक कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का कोई सिद्धांत नहीं है। मैरीन ट्रंप की बातों को उनकी जानकारी के बिना उनकी भतीजी मैरी ट्रंप ने रिकॉर्ड कर लिया था। मैरी ट्रंप की हाल ही में टू मच एंड नेवर एनफः हाउ माइ फैमिली क्रिएटेड द वर्ल्ड्स मोस्ट डेंजरस मैन नाम की पुस्तक आयी थी। मैरी ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उन्होंने यह रिकॉर्डिंग 2018 और 2019 में की थी। एक रिकॉर्डिंग में 83 वर्षीय मैरीन ट्रंप बैरी कहती हैं कि उन्होंने 2018 में अपने भाई का फॉक्स न्यूज को दिया एक साक्षात्कार सुना जिसमें ट्रंप ने सुझाव दिया था कि वह उन्हें (बैरी को) माता-पिता से बिछड़ चुके अप्रवासी बच्चों के मामलों की सुनवाई करने के लिए सीमा के पास तैनाती देंगे। बैरी ने कहा, यदि आप एक धार्मिक व्यक्ति होते और लोगों की मदद करना चाहते तो आप यह नहीं करते। एक रिकॉर्डिंग में उन्होंने कहा, उसके अजीब ट्वीट और झूठ, हे भगवान। उन्होंने कहा, मैं बिना किसी दबाव के बोल रही हूं लेकिन उसकी बनायी हुई कहानियां, बिना तैयारी के कुछ भी बोलना, झूठ... बैरी को यह भी कहते हुए सुना जा सकता है कि उन्हें लगता है।

रूस ने कोरोना की एक और वैक्सीन की लॉच, पहले टीके से ज्यादा प्रभावी होने का दावा

इंटरनेशनल डेस्क। कोरोना वायरस वैक्सीन को लेकर दुनिया में सबसे पहले बाजी मारने वाले देश रूस ने एक और राहत की खबर दी है। पहली वैक्सीन की सुरक्षा पर उठे सवालों के बीच रूस कोविड की दूसरी वैक्सीन भी लॉच कर दी है। रूस का दावा है कि यह वैक्सीन पहली वैक्सीन से सबसे अधिक सुरक्षित है और इसके दुष्प्रभाव नहीं होंगे। बता दें की इस महीने की शुरुआत में व्लादिमीर पुतिन ने वैक्सीन लॉच की थी, लेकिन परीक्षण के कई दुष्प्रभाव सामने आने के बाद जल्द ही इसकी आलोचना शुरू हो गई थी। दावा किया गया कि रूस द्वारा बनाई गई पहली वैक्सीन के गुणकारी नतीजों पर संदेह जताया गया था, उसी प्रकार बनाई गई दूसरी वैक्सीन एपी-वेक कोरोना पर भी संदेह किया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी पिछले महीने कहा था कि 2021 की शुरुआत तक एक प्रभावकारी वैक्सीन उपलब्ध नहीं होगी। रूस साइबेरिया में एक पूर्व शीर्ष-गुप्त सोवियत जैविक हथियार अनुसंधान संयंत्र में एपी-वेक कोरोना वैक्सीन विकसित कर रहा है।

कैलिफोर्निया जंगल में लगी भीषण आग एक हफ्ते में 10 लाख एकड़ तक फैली

न्यूयार्क। अमेरिका में कैलिफोर्निया के जंगल में लगी भीषण आग महज एक सप्ताह में लगभग दस लाख एकड़ तक फैल चुकी है और हजारों घरों को नष्ट कर चुकी है, जबकि दमकल कर्मी आग को रोकने के लिए लगातार जूझ रहे हैं। हालांकि इस सप्ताहांत नई आग भड़कने की आशंका जतायी गई है, जिसने राज्य के दमकल कर्मियों को चिंता में डाल दिया है। इस आपात स्थिति से निपटने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को संघीय सहायता प्रदान करने के लिए एक बड़ी आपदा घोषणा की। राज्य के गवर्नर गेविन न्यूजॉम ने एक बयान में कहा कि यह घोषणा इस संकट के समय में आग से प्रभावित काउंटी के लोगों के आवास और अन्य सामाजिक सेवाएं मुहैया कराने में मदद करेगी। सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में दो हिस्सों में लगी इस भीषण आग ने आकार के आधार पर हाल के राज्य के इतिहास में दूसरे और तीसरे सबसे बड़ी वनाग्नि के पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। राज्य के दमकल अधिकारियों ने बताया कि हल्की हवाओं, ठंडी और अधिक आर्द्र रात के मौसम से दमकल कर्मियों को मदद मिली, लेकिन गर्म, शुष्क मौसम, तेज हवा चलने और बिजली गिरने संबंधी पूर्वानुमान से उनके प्रयासों को नुकसान पहुंच सकता है।

ट्रंप को झटकाः अमेरिकी डाक सेवा में बदलावों को पलटने वाला विधेयक प्रतिनिधि सभा में पारित

वाशिंगटन। अमेरिका में डाक मतपत्रों में देरी पर तीखी बहस के बाद हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि सभा) ने वह विधेयक पारित कर दिया जो हाल ही में अमेरिकी डाक सेवा के कामकाज में किए गए हालिया बदलावों को पलट देगा और देश में राष्ट्रपति चुनाव से पहले एजेंसी को 25 अरब डॉलर की राशि देने का प्रावधान रखेगा। स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने रिपब्लिकन्स की आपत्तियों से सांसदों को अवगत कराया और उन्हें स्टंट बता कर खारिज कर दिया। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार के एक ट्वीट में डाक के जरिए मतदान नहीं कराने की मांग की थी। उन्होंने कहा है कि वह डाक सेवा के लिए अतिरिक्त धनराशि नहीं देना चाहते हैं। पेलोसी ने कैपिटल में कहा, ''राष्ट्रपति जो कह रहे हैं उस पर ध्यान मत दीजिए, क्योंकि यह सब मतदान को दबाने के लिए है। पेलोसी ने डाक सेवा को अमेरिकी लोगों को जोड़ने वाला देश का ''खूबसूरत धागा बताया कहा और कहा कि मतदाताओं को राष्ट्रपति की चेतावनियों की अनदेखी करनी चाहिए। गौरतलब है कि डाकघर व्यवधान को लेकर मचे हंगामे ने देश में होने वाले चुनाव के वक्त डाक विभाग को मुख्य चर्चा में ला दिया है। ऐसी उम्मीद है कि कोरोना वायरस संक्रमण के वक्त लाखों लोग डाक

के जरिए मतदान का विकल्प चुन सकते हैं। राष्ट्रपति ने मतदान से पहले ट्वीट किया, ''यह एक और छलावा है। किया, ''यह एक और छलावा है। रिपब्लिकन पार्टी के 24 से अधिक सांसदों ने राष्ट्रपति के रुख के विपरित विधेयक के पक्ष में मतदान किया। विधेयक के पक्ष में 257 मत पड़े वहीं विरोध में 150 मत पड़े। विधेयक यहां से तो पारित हो गया है लेकिन यह ग्रैंड ओल्ड पार्टी (जीओपी) अथवा रिपब्लिकन के बहुमत वाले सीनेट में रुक सकता है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति इस पर वीटो करेंगे।

पाकिस्तान ने दाऊद इब्राहिम के अपने यहां मौजूद होने से पल्ला झाड़ने का प्रयास किया

इस्लामाबाद। भारत में अतिवांछित आतंकवादी दाऊद इब्राहिम को नयी प्रतिबंध सूची में शामिल करने के कुछ दिन बाद पाकिस्तान ने रविवार को यह दावा करते हुए अपने यहां उसकी मौजूदगी की बात से पल्ला झाड़ने का प्रयत्न किया कि 88 आतंकवादी संगठनों एवं उनके नेताओं के बारे में उसकी अधिसूचना संयुक्त राष्ट्र द्वारा दिये गए ब्योरे पर आधारित है। अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद वित्तपोषण पर निगरानी रखने वाली संस्था 'वित्तीय कार्रवाई कार्य बल' (एफएटीएफ) द्वारा 'काली सूची' से डाले जाने से बचने की कोशिश के तहत पाकिस्तान ने शुक्रवार को 88 प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और हाफिज सईद, मसूद अजहर और दाऊद इब्राहिम समेत उनके आकाओं पर कड़े वित्तीय प्रतिबंध लगा दिये थे। पाकिस्तान सरकार ने इन संगठनों और आकाओं की सभी चल और अचल संपत्तियों को जब्त करने और उनके बैंक खातों को सील करने का आदेश दिया । दाऊद कई गैरकानूनी कारोबार में शामिल है और 1993 मुंबई बम धमाके के बाद वह भारत के लिए सबसे बड़ा वांछित आतंकवादी है। वर्ष 2003 में अमेरिका ने दाऊद को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था। भारत पाकिस्तान से लागातार दाऊद को सौंपने की मांग करता रहा है ताकि उसपर उसके अपराधों का मुकदमा चलाया जा सके। उसके कराची में रहने की खबर है। मीडिया में ऐसी खबरें आने कि सरकार ने 18 अगस्त को दो नयी अधिसूचनाएं जारी कर मान लिया कि दाऊद इब्राहिम उसके देश में रह रहा है, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने आधी रात को इन खबरों के संदर्भ में एक बयान जारी किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जारी किये गये वैधानिक नियामक आदेश (एसआरओ) संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित व्यक्तियों/ निकायों की सूची में दी गयी सूचना को परिलक्षित करते हैं। उसने कहा कि पाकिस्तान द्वारा नयी पाबंदियां लगाने संबंधी मीडिया की खबर तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। बयान में दावा किया गया है कि एसआरओ की सूचना के आधार पर मीडिया के एक वर्ग द्वारा किया गया यह दावा कि पाकिस्तान ने सूचीबद्ध व्यक्तियों की अपनी सरजमीं पर मौजूदगी मान ली है, बेबुनियाद और गुमराह करने वाला है। उसने कहा, '' फिर दोहराया जाता है कि एसआरओ की सूचना दो पाबंदी व्यवस्थाओं के तहत निर्धारित व्यक्तियों/निकायों को सूची में शामिल करने के संबंध में दी गयी सूचनाओं का दोहराव भर है और यह सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

प्रतिबंध सूची में ऐसे लोगों के अब भी नाम हैं जिनकी मौत की पुष्टि हो चुकी है।'' उसने कहा कि विदेश मंत्रालय ने 18 अगस्त को जारी किये गये दो एसआरओ संयुक्त राष्ट्र तालिबान और आईएसआईएल (दाइश) और एक्यू प्रतिबंध सूची की वर्तमान स्थिति को दर्शाते हैं।

अलग होगा रिपब्लिकन पार्टी का सम्मेलन, आम जनता को भी मिलेगा बोलने का मौका

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप को रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद का दोबारा उम्मीदवार घोषित करने के लिए होने वाले पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन का रूप इस बार कुछ अलग होगा जिसमें राष्ट्रपति के रूप में उनके कार्यकाल को दिखाया जाएगा, साथ ही आम जनता को वक्ता के रूप में पेश किया जाएगा और उन्हें प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन से बेहतर साबित करने की कोशिश की जाएगी। ट्रंप अपने प्रचार को राष्ट्रपति पद के लिए महामारी और आर्थिक मंदी पर जनमत संग्रह के बजाए इसे अमेरिका के भविष्य पर बेहद अलग दृष्टिकोण की तरफ ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रंप के प्रचार अधिकारियों ने बताया कि चार दिन चलने वाले इस कार्यक्रम का विषय '' ऑनरिंग द ग्रेट अमेरिकन स्टोरी'' है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में ट्रम्प परिवार के सदस्यों सहित कई प्रसिद्ध ट्रम्प समर्थकों को प्रमुखता से दिखाया जाएगा जिन्हें ग्रांड ओल्ड पार्टी अथवा जीओपी अमेरिका के ''मौन बहुसंख्यक'' करार देती है जिन्हें ट्रंप की नीतियों से लाभ मिला है। जिन्हें ग्रांड ओल्ड पार्टी अथवा जीओपी अमेरिका के ''मौन बहुसंख्यक'' करार देती है जिन्हें ट्रंप की नीतियों से लाभ मिला है। जिन्हें ग्रांड ओल्ड पार्टी अथवा जीओपी अमेरिका के ''मौन बहुसंख्यक'' करार देती है जिन्हें ट्रंप की नीतियों से लाभ मिला है। अधिकारियों ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि सोमवार को सम्मेलन के शुरुआती दिन में ''लैंड ऑफ प्रॉमिस'' नाम से कार्यक्रम होगा, जिसमें दिखाया जाएगा कि किस प्रकार से ट्रंप ने अमेरिकी लोगों के सपनों को ऊर्जा दी। इस सत्र को दक्षिण कैरोलाइना से सीनेटर टिम स्कॉट, संयुक्त राष्ट्र में पूर्व राजदूत निक्की हेली और राष्ट्रपति के बेटे डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर संबोधित करेंगे।

ड्रैगन ने दक्षिण चीन सागर के अंदर बना लिया सैन्य बेस, सेटेलाइट तस्वीर से खुला राज

बीजिंग। चीन की विस्तारवादी नीतियां अब इसके पड़ोसी और विरोधी देशों के अळावा पूरी दुनिया की नजर में खटकने लगी है। दक्षिण चीन सागर को लेकर ड्रेगन की साजिशों का अमेरिका और भारत के बाद अन्य प्रभावित देशों कद्वारा भी खुलकर विरोध किया जाने लगा है। इस बीच खबर है कि दक्षिण चीन सागर पर कब्जे की नीयत रखने वाले चीन ने वहां एक भूमिगत सैन्य बेस तैयार कर लिया है जो भारत के लिए भी खतरे की घंटी है। दक्षिण चीन सागर के जरिए भारत लगभग 200 अरब डॉलर का व्यापार करता है। साथ ही इस क्षेत्र के तीन देशों चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में हजारों भारतीय शिक्षा और रोजगार के लिए जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि इस क्षेत्र पर चीन को एकाधिकार करने से रोका जाए। एक अमेरिकी कंपनी ने सेटेलाइट तस्वीर जारी करके चीन के इस अतिक्रमण का खुलासा किया। तस्वीर में एक चीनी पनडुब्बी भूमिगत सैन्य बेस का उपयोग करती देखी जा सकती है। सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने वाली कंपनी प्लेनेट लैब्स ने उपग्रह तस्वीरों के जरिए दावा किया कि दक्षिण चीन सागर के हैनान द्वीप में भूमिगत सैन्य बेस बनाया गया है जिसका नाम यूलिन सैन्य बेस है। 18 अगस्त को इस बेस से 093 परमाणु शक्ति जैसी शक्ति वाली एक पनडुब्बी भूमिगत ठिकाने में प्रवेश करती देखी गई, जिसे उपग्रह तस्वीरों में कैद किया गया। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह स्थान चीन की नौसेना संपत्तियों की सुरक्षा व सुविधाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चीन के पास समुद्र के अंदर ठिकाना संचालित करने की क्षमता आ गई है। इस बेस से हांगकांग लगभग 470 किलोमीटर दूर है। इस तरह चीन को भविष्य में हांगकांग या उसके आसपास के क्षेत्र में आने वाली किसी भी बड़ी चुनौती से निपटने में मदद मिलेगी। इस तरह चीन को भविष्य में हांगकांग या उसके आसपास के क्षेत्र में आने वाली किसी भी बड़ी चुनौती से निपटने में मदद मिलेगी। इस तरह चीन को भविष्य में हांगकांग या उसके आसपास के क्षेत्र में आने वाली किसी भी बड़ी चुनौती से निपटने में मदद मिलेगी। इसके बारे में अमेरिकी रक्षा विभाग के पूर्व अफसर रहे ड्रू थॉमसन का कहना है।

पनडुब्बी की तस्वीर सामने आना एक दुर्लभ घटना है। उन्होंने शक जाहिर करते हुए कहा कि यह बहुत असाधारण बात है कि एक व्यावसायिक उपग्रह को भूमिगत सैन्य ठिकाने पर उतारा गया, वो भी ठीक उस वक्त जब आसमान में बादल थे। उनका कहना है कि यह संभव है कि बीजिंग इसी तरह अपने सैन्य हार्डवेयर को ऐसे गोपनीय ठिकानों पर छिपाने लगा हो।

जिलाधिकारी ने किया साधन सहकारी समिति औरास का औचक निरीक्षण: संबंधित को दिए आवश्यक दिशा निर्देश:

क्रांति समय संवाददाता

उन्नाव जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार ने विकासखंड औरास की साधन सहकारी समिति का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां किसान काफी मात्रा में उपस्थित पाए गए। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा संबंधित को सामाजिक दूरी का पालन करवाए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

उन्होंने कहा कि काफी संख्या में लोग एक जगह इकट्ठा न हों। गोला बनाकर गोले में ही खड़े रहें तथा मास्क अवश्य लगाएं एवं सामाजिक दूरी का अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने संबंधित को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि साप्ता. हिक बंदी की अवधि शनिवार व रविवार को भी किसानों को यूरिया निर्धारित मूल्य पर उर्वरक बिक्री केंद्र खोलकर वितरित की जानी चाहिए।

उन्होंने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन कराने एवं मास्क लगाने व टॉवल, गमछा, रुमाल आदि लपेटकर कार्य करने की सलाह

जिलाधिकारी ने दिए मास्क लगाने व सामाजिक दूरी का पालन करने के निर्देश

जिलाधिकारी ने दिए गोला बना कर सामाजिक दूरी का पालन करने के निर्देश:

सभी कर्मच. ारी एवं किसानों को दी।

जिलाधिकारी ने कृषि विभाग एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्रों में सतत भ्रमण करते रहें जिससे कि सभी किसानों को उर्वरक यूरिया खरीदने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े। उन्होंने कहा कि किसी भी किसान को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए इस बात को सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर राजेश कुमार प्रजापति द्वारा सहकारी समिति बांगरमऊ का औचक निरीक्षण किया गया। जिस पर केंद्र पर 500 बोरी यूरिया उपलब्ध थी जो किसानों को वितरित की जा रही है। मुख्य विकास अधिकारी ने किसानों को संतुलित मात्रा में उर्वरक के प्रयोग करने की सलाह दी।

उप कृषि निदेशक डॉ नंदकिशोर ने बताया कि जनपद में 21 अगस्त 2020 तक कुल 13818 एम0टी0 यूरिया का वितरण किया जा चुका है

जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 800 एम0टी0 अधिक है।

इस वर्ष वर्षा अच्छी होने एवं फसल आच्छादन अधिक होने के कारण भी उर्वरक की मांग अधिक है।

यूरिया की पर्याप्त मात्रा जनपद में उपलब्ध है।

संयुक्त कृषि निदेशक लखनऊ मंडल वी0के0 सिसोदिया ने भी उर्वरक के बफर केंद्र दही चौकी मंगरवारा का निरीक्षण कर एवं गदनखेड़ा नवाबगंज के उर्वरक बिक्री केंद्र का निरीक्षण कर विक्रेताओं को 266.50 प्रति बोरी यूरिया खाद किसानों के पी0ओ0एस0 मशीन में दर्ज कर वितरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि किसान अपना आधार कार्ड ले जाकर अपनी भूमि जोत के अनुसार उर्वरक प्राप्त करें।

विधायक सुरेन्द मैथानी ने सीजनल अमीनो का मांग पत्र मुख्यमंत्री के सामने रखकर दिया समस्या के समाधान का भरोसा

कानपुर (संजय मौर्य,उत्तर प्रदेश ब्यूरो) राजस्व संग्रह सीजनल अमीन कर्मचारी सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार के नेत्रत्व में सीजनल अमीनो व अनुसेवको ने गोविन्द नगर विधानसभा के विधायक सुरेन्द मैथानी को मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंपा

ज्ञापन में विनियमितिकरण, सम्पूर्ण समायोजन, नियमावली संशोधन, आयु सीमा शिथिलता की मांग रखी गयी। विधायक सुरेन्द मैथानी ने मांग पत्र को मुख्यमंत्री के सामने रख कर समाधान समाधान का भरोसा दिया है।

वीरेन्द्र कुमार ने बताया की मांग को लेकर लम्बे समय से आन्दोलन चला रहे है। जल समाधी भी ले चुके हैं। उन्होंने बताया की एसोसिएशन मुख्यमंत्री ने चार बार मांगो का ज्ञापन मुख्यमंत्री जी को दे चुका है। आज ज्ञापन देने वालों में प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार के अलावा संजय श्रीवास्तव, सुरेन्द मिश्रा, संजय अवस्थी, मनोज तिवारी , राम चन्द्र शर्मा, आदि शामिल थे।

सार–समाचार

कानपुर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने किया किदवई नगर थाने का घेराव

अमरपाल प्रदेश महामंत्री बने

लखनऊ उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यकारिणी घोषित की गई जिसमें अमरपाल मौर्य को प्रदेश महामंत्री बनाया गया । इससे पूर्व अमरपाल मौर्य प्रदेश मंत्री का दायित्व निभा चुके हैं, उनके कार्य को देखते हुए आज उन्हें भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश का महामंत्री घोषित किया गया है इस अवसर पर आज आज वरिष्ठ पत्रकार संजय मौर्य एवं प्रशांत मौर्य ने शिष्टाचार मुलाकात करके उन्हें बधाई दी।

एक आईएएस व पांच पीसीएस अफसरों का तबादला

ल खा न ऊ (एजेसी)। प्रदेष शासन ने एक आईएएस और पांच पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिए। जबकि पूर्व में स्थानांत. रित एक पीसीएस अधिकारी को नई तैनाती स्थल पर तुरंत जाकर कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश दिया गया है। जारी सूची के अनुसार आईएएस अधिकारी–ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अंकित खंडेलवाल को मेरठ से इसी पद पर नोएडा भ. ेजा गया है। पीसीएस अधि ाकारियों में एसडीएम अभय कुमार सिंह को नोएडा से बलिया, एसडीएम रजनीकांत मिश्रा को मैनपुरी से नोएडा, एसडीएम प्रमोद कुमार को संतकबीरनगर से महराजगंज, एसडीएम गुलशन को बागपत से संतकबीरनगर और एसडीएम मान सिंह पुंडीर को रामपुर से मैनपुरी स्थानान्तरित किया गया है। एसडीएम संजय मिश्रा का नोएडा से पूर्व में जौनपुर तबादला किया गया था।

किसी सुगमकर्ता ने इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए काढा पीने तो किसी ने सोशल डिस्टेंस बनाने का दिया संदेश

क्रांति समय संवाददाता

रायबरेली जिला प्रशासन द्वारा लगातार दिए जा रहे संदेश घर पर रहें सुरक्षित रहें कोरोना से डरे और डराए नहीं लोगों को जागरूक करें अपील को गांव–गांव घर–घर तक पहुंचाने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित मीना राजू मंच की सुगमकर्ता टीम द्वारा लगातार नए–नए तरीकों से चार्ट पोस्टर रंगा. ेली गीत मॉडल पपेट मेहंदी पेंटिंग बनाकर जागरूकता संदेश देकर आम जनमानस को कोरोना महामारी से बचने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

जिला बेसिक शिक्षा अधि ाकारी आनंद प्रकाश शर्मा के दिशा निर्देशन में सभी सुगम करता समर्पण भाव से अवकाश के दिनों में भी कोरोना के संक्रमण से बचाने के लिए अभियान जारी रखा जागरूकता टीम में विकास खंड ऊंचाहार से बहुत ही सक्रिय सुगम करता श्वेता शर्मा बछरावां से अंजू भटनागर डलमऊ से रश्मि यादव एवं अनामिका तिवारी राही से कांति देवी एवं वंदना श्रीवास्तव तथा सताव से सुमनलता वर्मा द्वारा इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए आम जनमानस से काढा पीने की सलाह दी गई है।

चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के संयोजक बा. लिका शिक्षा रिसोर्स पर्सन शिक्षक एस.एस पाण्डेय ने बताया कि कोरोना महामारी से बचने के लिए बहुत ही प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक संदेश जागरूकता अभियान के माध्यम से आम जनमानस तक पहुंचाने का जबरदस्त अभियान चलाया जा रहा है इस अभियान में सुगम करता टीम के साथ साथ बच्चे भी घर पर रहकर चार्ट पर संदेश देकर अपने घर परिवार एवं गांव के लोगों को जागरूक किया जा रहा है

जिसकी सराहना आम जनमानस द्वारा की जा रही है।

बच्चों की टीम अमन यादव सोनम आरती मिताली साक्षी नेहा अंजू सविता सरिता द्वारा संदेश दिया गया है।

डिविज़नल कमिश्नर सुधीर एम बोबडे ने की आरोग्य धाम के सेवा कार्यो की सराहना

कानपुर(संजय मौर्य उत्तरप्रदेश ब्यूरो)

जोन के कमिश्नर सुधीर एम बोबडे जी के साथ आरा. ेग्यधाम के डॉक्टर हेमंत मोहन एवं रोटरी क्लब विनायक श्री के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन सचिन दीक्षित के साथ कैम्प कार्यालय कमिश्नर आवास पर कार्यरत 100 से अधि ाक कर्मचारियों को कमिश्नर साहब ने अपने हाथ से उनके परिवार एवं उनके लिए होम्योपैथिक की इम्यूनिटी बूस्टर की दवाइयां का. ेरोना काल में वितरित की इस अवसर पर सुधीर बोवडे जी ने कहा कि कोरोना काल में आरोग्यधाम कि डॉ हेमंत मोहन एवं डॉ आरती मोहन के इस सराहनीय प्रयास की जितनी भी तारीफ की जाए कम है होम्योपैथिक दवाएं समय से लेने पर कोरोना को भी ठीक करती हैं साथ ही साथ कोरोना के दुष्प्रभाव को भी समाप्त करती हैं इस अवसर पर उन्होंने अपने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि होम्योपैथिक दवाई के साथ सोशल डि. स्टेंसिंग एवं मास्क का प्रयोग करें डॉक्टर हेमंत मोहन ने कहा कि यदि किसी में भी सर्दी जुखाम खांसी बुखार के साथ जोड़ों में दर्द हो तो उसको हल्के में ना लें क्योंकि इस समय बरसात के मौसम में कोरोना के साथ डेंगू चिकनगुनिया एवं वायरस जनित बीमारियों ने भी अपने पैर पसार लिए हैं इस अवसर पर प्रशांत शर्मा एवं सौरव शर्मा ने आए हुए कर्मचारियों को साफ सफाई का विशेष ख्याल रखने के लिए कहा डॉ हेमंत मोहन ने कहा कि यह बीमारी जब तक चलती रहेगी आरोग्यधाम जरूरतमंद लोगों को निशुल्क सेवाएं देते रहेंगे।

आरोग्य धाम ने मंडलायुक्त कार्यालय में किया होम्योपैथिक दवाओं का वितरण

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कवि कुमार विश्वास को भा गई पीएम मोदी की कविता

नेशनल डेस्क। कवि कुमार विश्वास को आज कौन नहीं जानता अपनी कविताओं के जरिए लाखों दिलों में राज करते हैं। राजनीतिक मुद्दों पर भी अपनी खुलकर बात रखने वाले कुमार विश्वास आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कविता देखकर खुद को रोक नहीं पाए और उन्होंने इस पर भी अपनी प्रतिक्रिया दे डाली। कुमार विश्वास ने पीएम मोदी का वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि मने अपने 'वि-पक्षियों' को संकेत दे रहे कि उनका यह ट्वीट कई चीजों की तरफ इशारा कर रहा है। विश्वास का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है, जिस पर लोग अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि मोदी ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम और फेसबुक एकाउंट पर एक मिनट 47 सेकेंड का एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह एक प्लेट में दाना लेकर बैठे हुए हैं और राष्ट्रीय पक्षी मोर उस प्लेट में बेखौफ बार-बार दाना चुग रहा है। इसके साथ उन्होंने एक खूबसूरत कविता भी लिखी थी।

26 अगस्त से खुल रहा पद्मनाभ स्वामी मंदिर, श्रद्धालुओं को पास में रखने होंगे ये डाक्यूमेंट्स

नेशनल डेस्क। प्रसिद्ध पद्मनाभ स्वामी मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए 26 अगस्त से खोला जाएगा। दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को के नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए एक दिन पहले मंदिर की वेबसाइट से ऑनलाइन बुकिंग करानी पड़ेगी। दर्शन के लिए आने के दौरान आधार कार्ड और ऑनलाइन बुकिंग की एक प्रति भी रखनी होगी। दर्शन के लिए आने वालों को मास्क पहनना होगा और साबुन से हाथ धोना होगा तथा सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करना होगा। कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ने के कारण मंदिर 21 मार्च से ही बंद है। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न मंदिरों को खोले जाने के मद्देनजर मंदिर की प्रबंधन समिति ने कुछ शर्तों के साथ श्रद्धालुओं को दर्शन करने की अनुमति देने का फैसला किया। मंदिर की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि सुबह आठ बजे से 11 बजे तक और शाम पांच बजे से करीब पौने सात बजे तक दर्शन होगा। कार्यकारी अधिकारी वी रतिशन ने बताया कि एक बार में केवल 35 श्रद्धालुओं और एक दिन में अधिकतम 665 लोगों को मंदिर के भीतर जाने की अनुमति दी जाएगी।

ऑल्टो कार में बहे जीजा साले के शव 400 मीटर दूर मिले, मचा हड़ेकंप

देवास। देवास के ग्राम चंदाना में शनिवार को नाले समेत बहे दो लोगों के शव कार समेत घटनास्थल से करीब 400 मीटर दूर पाए गए। कार समेत बहे दोनों लोग रिश्ते में जीजा, साला हैं और उनकी पहचान ओमप्रकाश कुमावत(40) निवासी रिंगनोद और उनका योगेश पटेल (22) निवासी मेंड की चक के रुप में हुई है। बता दें कि, मध्य प्रदेश में हो रही तेज बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। ऐसे में लोग जान जोखिम में डालकर नदी नाले पार कर रहें हैं। ये दोनों मृतक भी शनिवार को नाला पार करते समय पानी के तेज बहाव में बह गए थे। आज सुबह आगे जाकर पानी उतरने पर दोनों की बॉडी व उनकी कार अल्टो मिल गई है।

दाऊद पर फिर पलटा पाकिस्तान, बोला- हमारी जमीन पर नहीं अंडरवल्ड डॉन

इंटरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान ने आखिरकार एक बार फिर से अपना असली रंग दिखा दिया। पाकिस्तान ने शनिवार को पहली बार माना था कि मुंबई धमाकों का आरोपी अंडरवल्ड डॉन दाऊद इब्रो हिम कराची में है लेकिन अब अपने इस बयान से पलट गया है। पाकिस्े तान के विदेश मंत्रालय का कहना है कि दाऊद इब्राहिम उसके देश में नहीं है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि हम नए प्रतिबंध लगा रहे हैं, ये सभी रिपोर्ट गलत हैं। पाकिस्तान ने कहा कि भारतीय मीडिया में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान ने अपनी जमीन पर कुछ सूचीबद्ध व्यक्तियों (जिनमें दाऊद भी शामिल है) के मौजूद होने की बात कही है लेकिन यह रिपोर्ट निराधार है। हम ऐसा कुछ भी नहीं कने जा रहे हैं और न ही दाऊद पाकिस्तान में है। बता दें कि शनिवार को पाकिस्तान की ओर से ही खबर थी कि वहां की सरकार ने 88 आतंकवादी समूहों एवं उनके नेताओं पर प्रतिबंध लगाया जिसमें दाऊद भी शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद वित्तपोषण पर निगरानी रखने वाली संस्था 'वित्तीय कार्रवाई कार्य बल की 'संदिग्ध सूची से बाहर आने की कोशिशों के तहत पाकिस्तान ने शुक्रवार को 88 प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और हाफिज सईद, मसूद अजहर और दाऊद इब्राहिम समेत उनके आकाओं पर कड़े वित्तीय प्रतिबंध लगाये हैं। दाऊद कई गैरकानूनी कारोबार में शामिल है और 1993 मुंबई बम धमाके के बाद वह भारत के लिए सबसे बड़ा वांछित आतंकवादी है। साल 2003 में अमेरिका ने दाऊद को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था। भारत पाकिस्तान से लागातर दाऊद को सौंपने की मांग करता रहा है ताकि उसपर उसके अपराधों का मुकद्मा चलाया जा सके। उसके कराची में रहने की खबर है। पेरिस स्थित ने जून, 2018 में पाकिस्तान को 'संदिग्ध सूची में डाला था और इस्लामाबाद को 2019 के अंत तक कार्ययोजना लागू करने को कहा था।

मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी कोरोना पॉजिटिव

रायसेन। मध्य प्रदेश में एक के बाद एक राजनेता कोरोना वायरस का शिकार हो रहे हैं। अब राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। इसकी जानकारी चौधरी ने खुद ही ट्वीट करके दी है। उन्होंने कहा कि मेरा सभी से निवेदन है कि जो भी मेरे संपर्क में आए हैं, वह कोरोना टेस्ट करवा लें। मेरी कोविड रिपोर्ट टेस्ट के बाद पॉजिटिव आई है। मेरा सभी से निवेदन है जो भी मेरे संपर्क में आए हैं, वह कोरोना टेस्ट करवा लें। मेरे निकट संपर्क वाले लोग क्वारनटीन में चले जाएं। आप सभी की प्रार्थना एवं आशीर्वाद से जल्द आप सभी के बीच उपस्थित होकर फिर जन सेवा के कार्यों में लगेंगे। मेरी कोविड की रिपोर्ट टेस्ट के बाद पॉज़िटिव आई है।मेरा सभी से निवेदन है जो भी मेरे संपर्क में आए हैं, वह कोरोना टेस्ट करवा लें। मेरे निकट संपर्क वाले लोग क्वारनटीन में चले जाएं।आप सभी की प्रार्थना एवं आशीर्वाद से जल्द आप सभी के बीच उपस्थित होकर फिर जन सेवा के कार्यों में लगेंगे। डॉ प्रभुराम चौधरी मध्य प्रदेश के सातवें मंत्री है जो कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले 15 विधायक भी कोरोना पॉजिटिव आ चुके हैं।

फिल्मों-टीवी धारावाहिकों की शूटिंग को केंद्र सरकार की हरी झंडी, रखना होगा इन बातों का ध्यान

नेशनल डेस्क।

केंद्र सरकार ने अब फिल्मों और टीवी धारावाहिकों के लिए शूटिंग शुरू करने की अनुमति दे दी है। इस संबंध में सूचना प्रसारण मंत्रालय ने विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने रविवार को यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि अब फिल्मों और टीवी धारावाहिको की शूटिंग पर लगी पाबंदी हटा ली गई है और गृह मंत्रालय तथा स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों के तहत शूटिंग हो सकेगी।

रखना होगा इन बातों का ध्यान

शूटिंग के दौरान कैमरे के सामने कलाकार और उनके सहयोगी मास्क नही पहनेंगे पर अन्य लोगों को मास्क पहनना अनिवार्य होगा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा। शूटिंग के समय दर्शक उपस्थित नही रहेंगे। शूटिंग के दौरान सेनेटाइजर आदि का इस्तेमाल करना होंगे। गौरतलब है कि फिल्मों एवं टीवी धारावाहिकों की शूटिंग पर पाबंदी लगा दी गई थी। यह निर्देश राज्य सरकार लागू कर सकती है। कोरोना वायरस के प्रसार को देखते हुए फिल्मों एवं टीवी धारावाहिकों की शूटिंग पर पाबंदी लगा दी गई थी। यह निर्देश राज्य सरकार लागू कर सकती है। वह चाहें तो स्थानीय जरूरतों को देखते हुए अन्य प्रावधान कर सकती है। कोरोन के कारण लॉकडाउन को देखते हुए शूटिंग पर पाबंदी लगने से फिल्म जगत की अर्थव्यस्था बहुत खराब हो गई थी। कलाकार भूखे मरने की कगार पर पहुंच गए थे और उनके लिए रोजगार का संकट खड़ा हो गया था। यह देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है।

कोरोना का असर-87 साल में पहली बार लालबागचा राजा पंडाल में नहीं विराजे बप्पा, रौनक फीकी

नेशनल डेस्क। देशभर में शनिवार को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया गया लेकिन कोरोना महामारी के कारण इस उत्सव की रौनक कुछ फीकी रही। वहीं मुंबई के सबसे प्रसिद्ध लालबागचा राजा गणेशोत्सव मंडल ने 87 साल के इतिहास में पहली बार गणपति की मूर्ति स्थापित नहीं की। महाराष्ट्र सरकार ने लोगों से सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करने और गणेशोत्सव के दौरान सभी सावधानी बरतने का आग्रह किया। इसी बीच, लालबागचा राजा गणेशोत्सव मंडल ने कोरोना वायरस के कारण जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों को एक-एक लाख रुपए की राशि भेंट की है। बहरहाल, इस गणेश उत्सव में तकनीक श्रद्धालुओं और पंडालों के लिए बड़ा सहारा बन कर उभरी और श्रद्धालुओं ने दस दिवसीय उत्सव में गणपति के ऑनलाइन दर्शन किए। नई दिल्ली में गणेशोत्सव पर कोरोना वायरस का असर साफ नजर आया और अधिकतर लोगों ने अपने घरों में ही, विघ्नहर्ता की पूजा की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने घर पर ही गणपति की पूजा करने के बाद कहा कि लोगों को भगवान गणेश का स्वागत करते समय मास्क पहनने और भीड़ से बचने की अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को नहीं भूलना चाहिए। भगवान गणेश का जिम्मेदारी को नहीं भूलना चाहिए। भगवान गणेश का स्वागत करते समय मास्क पहनने और भीड़ से बचने की अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को नहीं भूलना चाहिए। भगवान गणेश का स्वागत करते समय मास्क पहनने और भीड़ से बचने की अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को नहीं भूलना चाहिए। परिणामस्वरूप गलियों में पंडाल नहीं लगाए गए थे जहां विभिन्नआकारों में भगवान गणेश की मूर्तियां आम तौर पर नौ दिनों के आकारों में भगवान गणेश की मूर्तियां आम तौर पर नौ दिनों के उत्सव के लिए स्थापित की जाती थीं। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाई गई पाबंदियों के कारण मंदिरों में विनायक के दर्शन के लिए कुछ ही लोगों को दर्शन की अनुमति दी गई थी।

देश में कोरोना मरीजों की संख्या 30 लाख पार, 56 हजार से ज्यादा लोगों की मौत

नेशनल डेस्क।

भारत में कोरोना वायरस के मामले रविवार को 30 लाख के आंकड़े को पार कर गए, जबकि 16 दिन पहले ही यह संख्या 20 लाख के पार पहुंची थी। देश में अब तक 22,80,566 लोग इस बीमारी से ठीक हो चुके हैं, जिससे मरीजों के ठीक होने की दर बढ़कर 74.90 प्रतिशत हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे के अंतराल में देश में संक्रमण के 69,239 नए मामले आने के साथ कोविड-19 के मामलों की कुल संख्या 30,44,940 तक पहुंच गई, जबकि संक्रमण के कारण 912 और लोगों की मौत होने के साथ मरने वालों की संख्या 56,706 हो गई। देश में अब कोविड-19 के मामलों में मृत्यु दर घटकर 1.86 प्रतिशत रह गई है। आंकड़ों के अनुसार, देश में इस समय कोरोना वायरस के 7,07,668 मरीजों का इलाज चल रहा है, जो अब तक आए कुल मामलों का 23.24 प्रतिशत हैं। भारत में के मामले सात अगस्त को 20 लाख से अधिक हो गये थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अनुसार, 22 अगस्त तक देश में कुल 3,52,92,220 नमूनों की जांच हो चुकी है। शनिवार को 8,01,147 नमूनों की जांच हुई है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या सबसे अधिक 4954 बढ़कर 1,69,833 हो गई और 297 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 21,995 हो गया। इस दौरान 9,241 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,80,114 हो गई। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 1586 बढ़ने से सक्रिय

मामले 89,389 हो गए। राज्य में अब तक 3189 लोगों की मौत हुई है, वहीं 8593 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 2,52,638 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। इसके बाद ओडिशा में मरीजों की संख्या 1037 बढ़ने से इसके बाद ओडिशा में मरीजों की संख्या 1037 बढ़ने से सक्रिय मामले 22861 हो गए। राज्य में 1773 लोगों के स्वस्थ होने से रोगमुक्त लोगों की संख्या 52277 हो गई है जबकि 399 लोगों की मौत हुई है।

वहीं 8593 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 2,52,638 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। इसके बाद ओडिशा में मरीजों की संख्या 1037 बढ़ने से इसके बाद ओडिशा में मरीजों की संख्या 1037 बढ़ने से सक्रिय मामले 22861 हो गए। राज्य में 1773 लोगों के स्वस्थ होने से रोगमुक्त लोगों की संख्या 52277 हो गई है जबकि 399 लोगों की मौत हुई है।

थरूर का बड़ा हमला, कहा- सत्ता में बैठे 'टुकड़े-टुकडे गैंग देश की एकता कर रहे नष्ट

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस नेता एवं तिरुवनंतपुरम से सांसद डॉ. शशि थरूर ने केंद्र सरकार को 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह करार देते हुए कहा कि यह सोचकर आश्चर्य होता है कि ये लोग देश एकता को खंडित करने के लिए काम कर रहे हैं। डॉ. थरूर ने आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा की उस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर यह टिप्पणी की। दरअसल थरूर का आरोप है कि योग को लेकर आयोजित इस वेबिनार में आयुष मंत्रालय के सचिव राजेश कोटेचा ने गैर-हिंदी भाषी योग शिक्षकों और डॉक्टरों को वेबिनार छोड़ने के लिए कहा। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि यह असाधारण बात है कि भारत सरकार का सचिव तमिलों को एक वेबिनार छोड़ने के लिए कहता है। थरूर ने आगे लिखा कि सचिव कहता है कि यदि वे उसकी हिंदी नहीं समझ सकते हैं, तो वेबिनार छोड़कर जा सकते हैं। सचिव कहता है कि यदि वे उसकी हिंदी नहीं समझ सकते हैं, तो वेबिनार छोड़कर जा सकते हैं। सचिव कहता है कि यदि वे उसकी हिंदी नहीं समझ सकते हैं, तो वेबिनार छोड़कर जा सकते हैं। यदि सरकार के पास कोई शालीनता है तो उन्हें तमिल सिविल सर्वेंट द्वारा बदल दिया जाना चाहिए। तो उन्हें तमिल सिविल सर्वेंट द्वारा बदल दिया जाना चाहिए। क्या 'टुकड़े-टुकडे गिरोह अब सत्ता में है, जिसने देश की एकता को नष्ट करने की ठानी है। दरअसल, 18 अगस्त से 20 अगस्त के बीच योग के मास्टर ट्रेनर्स के लिए आयुष और मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में तमिलनाडु के 33 सरकारी डॉक्टरों ने भाग लिया था, जिसमें कुल 300 से अधिक प्रतिभागी थे। इस दौरान तमिलनाडु के प्राकृतिक चिकित्सकों ने आयुष सचिव की टिप्पणी को भेदभावपूर्ण और अपमानजनक करार दिया है।

अकाल तख्त पर अरदास के वीडियो के मामले में बड़ी सफलता,आरोपी शख्स गिरफ्तार

पंजाब। पंजाब में प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस की ओर से जारी वीडियो को लेकर पूरी चौकसी बढ़ा दी गयी है। इसी के चलते पंजाब में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर परिसर से एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी अनुसार उक्त आरोपी को स्वर्ण मंदिर परिसर में प्रार्थना आयोजित करने और जनमत संग्रह 2020 के लिए वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि गुरपतवंत सिंह पन्नू के नाम से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें पूरे पंजाब के अरदासी सिखों से निवेदन है कि अकाल तख्त पर अरदास करो और वीडियो डालो और 5 हजार डॉलर हम आपको भेंट करेंगे। यह वीडियो किसने पोस्ट किया है या यह कितना सही है, यह दावा कोई नहीं कर रहा, हालांकि इस गिरफ्तारी के बाद कई अहम खुलासे होने का अंदेशा है।

73 दिनों में भारत में आ जाएगी पहली कोरोना वैक्सीन सीरम इंस्टीट्यूट ने खबरों का किया खंडन

नेशनल डेस्क।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की जा रही कोरोना वैक्सीन 'कोविशील्ड के 73 दिन में भारत में उपलब्ध होने के संबंध में मीडिया में आई खबरों का खंडन किया है। ने रविवार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि सरकार ने उसे सिर्फ वैक्सीन के निर्माण और भंडारण की अनुमति दी है। उसका कहना है कि कोविशील्ड का अभी तीसरे चरण का मानव परीक्षण जारी है और जब वैक्सीन पूरी तरह प्रभावी साबित होगी तब वह उसकी उपलब्धता के बारे में आधिकारिक जानकारी देगा। तब वह उसकी उपलब्धता के बारे में आधिकारिक जानकारी देगा। तब वह उसकी उपलब्धता के बारे में आधिकारिक जानकारी देगा। उसने कहा है कि कोविशील्ड के परीक्षण के सफल साबित होने के बाद नियामकों की आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद ही वैक्सीन उपलब्ध होगी। बता दें कि इससे पहले मीडिया में खबरें थीं कि भारत की पहली कोरोना वैक्सीन कोविशील 73 दिनों में बाजार में आ जाएगी। साथ ही खबर थी कि सरकार सीरम इंस्टीट्यूट से सीधे कोविशिल्ड वैक्सीन खरीदेगी और हर भारतीय को इसका टीका मुफ्त में लगाया जाएगा। खबर के मुताबिक केंद्र सरकार जून 2022 तक सीरम इंस्टीट्यूट से 68 करोड़ कोरोना वैक्सीन खरीदेगी। सरकार राष्ट्रीय टीकाकरण मिशन की तरह ही इसे भी पूरे देश में चलाया जाएगा। वैक्सीन को पुणे की बायोटेक कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट बना रही है। बता दें कि 17 केंद्रों में 1600 लोगों के बीच कोविशिल्ड वैक्सीन का ट्रायल किया जा रहा है। हर केंद्र में लगभग 100 लोगों पर वैक्सीन का ट्रायल हो रहा है। सीरम इंस्टीट्यूट ने, नाम की कंपनी से इस वैक्सीन को बनाने के लिए अधिकार खरीदे हैं।

मुखर्जी की हालत में नहीं आया कोई सुधार, अभी भी गहरे कोमा में है देश के पूर्व राष्ट्रपति

नेशनल डेस्क।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के स्वास्थ्य में रविवार को भी कोई बदलाव नजर नहीं आया और वह गहरी कोमा अवस्था में वेंटिलेटर पर हैं। नयी दिल्ली स्थित सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल की तरफ से आज सुबह पूर्व राष्ट्रपति की सेहत के संबंध में बुलेटिन जारी किया गया। बुलेटिन में कहा गया कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की सेहत में आज सुबह कोई परिवर्तन नजर नहीं आया। वह गहरी कोमा अवस्था में वेंटिलेटर पर हैं। उनके शरीर के सभी प्रमुख अंग स्थिर हैं। चौरासी साल के मुखर्जी की तबीयत बिगड़ने के बाद दस अगस्त को नयी दिल्ली स्थित सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुखर्जी के मस्तिष्क में खून का थक्का हटाने के लिये ऑपरेशन किया गया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उनके स्वास्थ्य पर निरंतर नजर रखे हुए हैं। वह गहरे कोमा में हैं और उनके श्वास नली में संक्रमण का इलाज किया जा रहा है। बता दें कि प्रणब मुखर्जी 2012 से 2017 तक भारत के राष्ट्रपति थे।

पिछले 15 साल से लापता बुजुर्ग को पाक रेंजर्स ने बीएसएफ को सौंपा, हाथ-पैर पर मिले जलने के निशान

अमृतसर।

बीते दिनों पाकिस्तानी रेंजर्स ने करीब 60 वर्षीय रामचंद्र यादव नामक बुजुर्ग बीएसएफ को सौंपा। मिली जानकारी अनुसार पीड़ित व्यक्ति बिहार का रहने वाला है। वह पिछले 15 साल से लापता था और अनजाने में सरहद पार कर पाकिस्तान चला गया था। कुछ समय पहले कलानौर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर फ्लैग मीटिंग में पाक रेंजर्स ने भारतीय बुजुर्ग के पकड़े जाने की जानकारी सांझा की थी। ऐसे में जवानों द्वारा जब इस मामले की पड़ताल की गयी तो उक्त व्यक्ति बिहार का निकला जो पिछले 15 सालों से लापता बताया जा रहा था। हालांकि जब बुजुर्ग को वापिस वतन लाया गया तो उसके शरीर पर जलने के निशान के साथ-साथ दांत भी निकाले गए हैं। इसी के साथ उसको मानसिक यातनाएं देने का भी शक हैक्योंकि बुजुर्ग की मानसिक हालत ठीक नहीं लग रही है। क्योंकि बुजुर्ग की मानसिक हालत ठीक नहीं लग रही है। इस मामले में पाक रेंजर्स की तरफ से दावा किया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति को कुछ दिन पहले रावी दरिया के रास्ते पाकिस्तान में घुसपैठ करते पकड़ा गया था। इसी के साथ उसको मानसिक यातनाएं देने का भी शक हैक्योंकि बुजुर्ग की मानसिक हालत ठीक नहीं लग रही है। क्योंकि बुजुर्ग की मानसिक हालत ठीक नहीं लग रही है। इस मामले में पाक रेंजर्स की तरफ से दावा किया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति को कुछ दिन पहले रावी दरिया के रास्ते पाकिस्तान में घुसपैठ करते पकड़ा गया था। परन्तु बीएसएफ को इस दावे पर शक है, फिलहाल बुजुर्ग की वतन वापिसी के बाद सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूछताछ के बाद बिहार से आ रहे परिवार वालों सौंप दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुशीनगर में धड़पकड़ का खेल शुरू

एक ही दिन में 115 अभियुक्त गिरफ्तार

कुशीनगर(एजेसी)। उत्तर प्रदेश की कुशीनगर पुलिस ने अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए धड़ पकड़ का कार्य शुरू कर दिया है। रविवार को अलग अलग थाना क्षेत्रों से पुलिस ने 115 को अभियुक्तों का खिलाफ अलग अलग कार्यवाही की। जिसमें प्रमुख रूप से आबकारी अधिनियम के तहत 543 ली0 अवैध कच्ची शराब व देशी शराब के साथ 54 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को स्थानीय पुलिस ने अलग अलग मामलों में कुल 115 अभियुक्तों के खिलाफ कार्यवाही की। जिसमें पुलिस ने प्रमुख रूप से चोरी की 04 अदद मोटरसाईकिल व अवैध शस्त्र के साथ तीन अभियुक्तो को गिरफ्तार किया है। वही 107/116 जा0फौ0 में पुलिस नेअलग अलग कार्यवाही करते हुए 26 माम्किलो में 104 व्यक्ति, वही गैगेस्टर एक्ट में कि गयी कार्यवाही में 03 व्यक्ति, आबकारी अधि10 में की गयी कार्यवाही के तहत 54 अभियुक्तों से 543 ली0 अवैध कच्ची शराब व देशी शराब बरामद की गई। आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत की गयी कार्यवाही 05 अभियुक्तों से 03 अदद चमन्चा मय कारतूस 315 बोर व 02 अदद चाकू बरामद किया,वही पुलिस ने अलग अलग थाना क्षेत्रों से 15 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने सफलता हासिल की है।

चोरी की मोटर साइकिल के साथ तीन गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक कुशीनगर विनोद कुमार मिश्र के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक जनपद कुशीनगर के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी खड्डा के नेतृत्व में अपराध व अपराधियों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक हनुमानग.ंज धर्मेंद्र कुमार सिंह थाना हनुमानगंज मय पुलिस टीम के द्वारा रामनगर से जिंदा छपरा जाने वाले रोड पर स्थित तिनपरसा तिराहे के पास से चेकिंग के दौरान मुखविर की सूचना पर तीन अभियुक्तों बैजनाथ साहनी पुत्र चोकट साहनी सा0 रामनगर थाना हनुमानगंज जनपद कुशीनगर, श्रीराम हरिजन पुत्र बिग्गन सा0 मस्जिदिया टोला थाना हनुमानगंज जनपद कुशीनगर, गोपाल पुत्र जगदेव सा0 छितौनी थाना हनुमानगंज जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की निशानदेही पर छिपाकर रखी गयी चोरी की चार अदद मोटर साइकिल व उनके कब्जे से एक अदद तमन्चा 315 बोर व 2 अदद जिन्दा कारतूत, 02 अदद अवैध नजायज चाकू की बरामदगी करने में सफलता प्राप्त किया गया है। बरामद सुदा वाहनों के संबंध में छानबिन की जा रही है। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर क्रमशः मु0अ0सं0 81/2020 धारा 41/411 भादवि, मु0अ0सं0 82/20 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट, मु0अ0सं0 83/20 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट, मु0अ0सं0 84/20 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में थाना का.ेतवाली पडरौना पुलिस टीम द्वारा बांसी चौकी क्षेत्र में सघन चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर सोहरौना कब्रिस.तान के सामने से अभियुक्त कुतुबुद्दीन अंसारी उर्फ छोटू पुत्र मोहम्मद इस्लाम अंसारी सा0 सोहरौना थाना कोतवाली पडरौना जनपद कुशीनगर को एक अदद देशी तमन्चा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 300/20 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। उक्त अभियुक्त थाने का टाप टेन क्रियाशील अपराधी है, जिसका काफी आपराधिक इतिहास है। इस अभियुक्त के उपर थाना स्थानीय व अन्य क्षेत्र में चोरी, मारपीट आदि के तमाम मुकदमें दर्ज हैं।गिरफ्तार अभियुक्त कुतुब.ुद्दीन अंसारी उर्फ छोटू पर

मु0अ0सं0 1027/12 धारा 379, 411 आईपीसी थाना कोतवाली पडरौना, मु0अ0सं0 1091/13 धारा 3(1) गैंग.स्टर एक्ट थाना कोतवाली पडरौना,मु0अ0सं0 416/16 धारा 147, 323, 504, 506, 379 आईपीसी थाना को0 पडरौना, मु0अ0सं0 870/16 धारा 110जी थाना कोतवाली पडरौना

,मु0अ0सं0 487/17 धारा 147, 323, 504, 452, 324, 307 आईपीसी थाना को0 पडरौना, मु0अ0सं0 751/17 धारा 110 ळ थाना को0 पड.रौना, मु0अ0सं0 107/20 धारा 60 आबकारी अधिनियम में दर्ज है।

आबकारी अधिनियम के तहत 54 गिरफ्तार

वही आबकारी अधिनियम में थाना रामकोला पुलिस टीम द्वारा 02 नफर अभियुक्तों राजेन्द्र प्रसाद मुख्खी साकिन परवरपार खटिक टोली थाना रामकोला जनपद कुशीनगर, सोनू सिंह पुत्र बच्चा सिंह साकिन बैदोली थाना कसया जनपद कुशीनगर के कब्जे से 20 ली0 कच्ची अवैध शराब बरामद कर अन्तर्गत मु0अ0सं0–218/2020,216/2020 धारा 60 आबकारी अधि0 में गिरफ्तार किया, थाना तरयासुजान पुलिस टीम द्वारा 12 नफर अभियुक्तों दीपू कुमार सोनी पुत्र रामनरेश सोनी साकिन हर्दो मठिया थाना कुचायकोट जनपद गोपालगंज बिहार के कब्जे से कुल 8.100 मिली0 देशी शराब बन्टी बवली एक पेटी में 45 शीशी, अनिरूद्ध पुत्र स्व0 नमी पासी साकिन पठान टोला सलेमगढ़ थाना तरयासुजान जनपद कुशीनगर के कब्जे से 10 ली0 अवैध कच्ची शराब, फागू ठा.कुर पुत्र स्व0 भृगुराशन साकिन नहरवा शुक्ल थाना गोपालपुर जनपद गोपालगंज बिहार के कब्जे से 10 ली0 अवैध कच्ची शराब, अब्दुल रहमान पुत्र कल्मुद्दीन अंसारी साकिन हफुआ चतुर्भुज थाना तरयासुजान जनपद कुशीनगर के कब्जे से 15 ली0 अवैध कच्ची शराब, नन्दु पुत्र भीखम साकिन भोपतापुर थाना कुचायकोट जिला गोपालगंज बिहार हाल मुकाम ईट भठ्टा थाना तरयासुजान जनपद कुशीनगर के कब्जे से 15 ली0 अवैध कच्ची शराब, धर्मेन्द्र पुत्र शिवनरायन साकिन बाबूराम पुर थाना कोचायकोट जनपद गोपालगंज बिहार हाल मुकाम ईट भठ्टा थाना तरयासुजान जनपद कुशीनगर के कब्जे से 15 ली0 अवैध कच्ची शराब व इसके अतिरिक्त 06 अभियुक्त को गिरफ्तार कर कुल–51 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0 324/2020,325/2020,326/2020,327/2020,328/2020,329/2020,330/2020,331/2020,332/2020,333/2020,335/2020, धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

वही थाना को0 पडरौना पुलिस टीम द्वारा 04 नफर अभियुक्तों चन्द्रिका प्रसाद पुत्र ढोढ़ा साकिन मोजाहिदा खास थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर छोटे लाल राजभर पुत्र सिहासन साकिन जंगल धर्मपुर टोला झरपतिया थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर ,दिनेश पुत्र स्व0 किशुन साकिन जंगल सिंहा थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर ,विनोद पुत्र स्व0 शिवनाथ साकिन जंगल सिंहा थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर के कब्जे से कुल 50 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0–294/2020,295/2020,296/2020,297/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

इसी तरह थाना अहिरौली बाजार पुलिस टीम द्वारा 01 नफर अभियुक्त जितेन्द्र प्रसाद पुत्र राधेश्याम साकिन सोहरौना थाना अहिरौली बाजार जनपद कुशीनगर के कब्जे से 10 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर अन्तर्गत मु0अ0सं0–128/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। वही थाना बरवांपट्टी पुलिस टीम द्वारा 01 नफर अभियुक्त संजय यादव पुत्र रमाकांन्त यादव साकिन दशहवाँ टोला धोबीघाट जनपद कुशीनगर के कब्जे से 20 शीशी देशी बन्टी बबली शराब प्रत्येक 200 एमएल कुल 04 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर अन्तर्गत मु0अ0सं0–42/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

थाना जटहां बाजार पुलिस टीम ने भी 03 नफर अभियुक्तों गोमल प्रसाद पुत्र स्व0 पलक प्रसाद साकिन कटाईभरपुरवा थाना जटहां बाजार जनपद कुशीनगर, दर्शन पुत्र सिंहासन प्रसाद साकिन मोजहिदा खास थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर, मनोज पुत्र लक्ष्मण साकिन मोजहिदा थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर के कब्जे से कुल 30 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ.0सं0–104/2020,105/2020,106/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। थाना सेवरही पुलिस टीम द्वारा 01 नफर अभियुक्त विप्ला बरन पुत्र बुद्धवार साकिन रानी टोला थाना सिसई जनपद राँची झारखण्ड के कब्जे से 10 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर अन्तर्गत मु0अ0सं0–170/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। थाना विशुनपुरा पुलिस टीम द्वारा 05 नफर अभियुक्तों, चन्द्रिका प्रसाद पुत्र शंकर साकिन गोडरिया थाना विशुनपुरा जनपद कुशीनगर, राजेन्द्र मुसहर पुत्र स्व0 सुखल साकिन मेला नरहवा थाना विशुनपुरा जनपद कुशीनगर ,सवरु पुत्र विहू साकिन शाहपुर माफी केखना टोला थाना विशुनपुरा जनपद कुशीनगर व 02 अभियुक्ता के कब्जे से कुल 40 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0 188/2020,189/2020,190/2020, 191/2020, 192/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। थाना तुर्कपट्टी पुलिस टीम द्वारा 03 नफर अभियुक्तों बबलू गोड़ पुत्र श्रीकान्त ग्राम लवकुश पश्चिम पट्टी थाना तुर्कपट्टी जनपद कुशीनगर , विशाल पुत्र महात्तम प्रसाद साकिन सपही टढ़वा थाना तुर्कपट्टी जनपद कुशीनगर , रूदल यादव पुत्र महातम यादव साकिन सपही बरवा थाना तुर्कपट्टी जनपद कुशीनगर के कब्जे से कुल 30 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0–289/2020, 290/2020, 291/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। थाना खड्डा पुलिस टीम द्वारा 02 नफर अभियुक्तों आकाश पटवा पुत्र राकेश पटवा साकिन बसडीला थाना खड्डा जनपद कुशीनगर व हीरामन पुत्र नेवास मुसहर साकिन मदनपुर थाना खड्डा जनपद कुशीनगर के कब्जे से कुल 20 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0–157/2020,158/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

वही थाना खड्डा पुलिस टीम द्वारा एक अलग घटना के तहत 06 नफर अभियुक्तों फिक्किर पुत्र मुखलाल साकिन भड़सरखास(टोला खपरधिक्का) थाना–कप्तानगंज जनपद कुशीनगर, लक्खू पुत्र सुखलाल साकिन बनकटा थाना कप्तानगंज जनपद कुशीनगर,अद्या पुत्र बेचू साकिन मोहन मुंडेरा थाना कप्तानगंज जनपद कुशीनगर, भरत साहनी पुत्र परमहंस साहनी साकिन मठिया उर्फ अकटहा थाना कप्तानगंज जनपद कुशीनगर व फूलबदव साहनी पुत्र रामरूप साकिन मठिया उर्फ अकटहा थाना कप्तानगंज जनपद कुशीनगर के कब्जे से कुल 60 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0–255/2020, 256/2020, 257/2020, 258/2020, 259/2020, 260/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

थाना कसया पुलिस टीम द्वारा 03 नफर अभियुक्तों में अवधेश पुत्र कपिल देव साकिन पासी टोला भैसहां थाना कसया जनपद कुशीनगर , मुन्ना पुत्र मानिक साकिन पासी टोला भैसहां थाना कसया जनपद कुशीनगर व मनोज राजभर पुत्र सुरेश राजभर साकिन भैंसहा सदर टोला थाना कसया जनपद कुशीनगर के कब्जे से कुल 30 ली0 अवैध कच्ची शराब व शराब बनाने का उपकरण बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0–538/2020 धारा 60(1) 60(2),540/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। थाना कुबेरस्थान पुलिस टीम द्वारा 05 नफर अभियुक्तों राजेन्द्र प्रसाद पुत्र स्व0 चिन्ता प्रसाद साकिन सेखवनिया बुजुर्ग शिवराजपुर टोला थाना कुबेरस्थान जनपद कुशीनगर ,छोटे लाल भारती पुत्र हरिहर भारती साकिन भगडा पिपरासी थाना कुबेरस्थान जनपद कुशीनगर, रामप्रीत पुत्र स्व0 चन्द्र बली साकिन पचरूखिया टोला भरटोली थाना कुबेरस्थान जनपद कुशीगर , उपेन्द्र पुत्र शिवपूजन चौहान साकिन बेलवनिया चौहान टोला थाना कुबेरस्थान जनपद कुशीनगर, रमेश पुत्र एतवा साकिन अन्हारीबारी थाना कुबे.रस्थान जनपद कुशीनगर के कब्जे से कुल 55 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0

सं0–138/2020,139/2020,140/2020,141/2020,142/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

थाना नेबुआ नौरंगिया पुलिस टीम द्वारा 03 नफर अभियुक्तों में गिरजेश गुप्ता पुत्र स्व0 भगनू गुप्ता साकिन खजुरिया न0–2, पुरन्दर छपरा थाना ने0 नौ0 जनपद कुशीनगर, चंचल पुत्र वंशी साकिन पिपरा बाजार थाना ने0नौ0 जनपद कुशीनगर व 01 अभियुक्ता के कब्जे से कुल 30 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0–216/2020,217/2020,217/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। इसी तरह थाना पटहेरवा पुलिस टीम द्वारा 03 नफर अभियुक्तों में लालबचन पुत्र गाजरराम साकिन साठियांव थाना कटेया जिला गोपालगंज बिहार , भोला पासी पुत्र रामगति पासी साकिन फाजिलनगर थाना पटहेरवा जनपद कुशीनगर व 01 अभियुक्ता के कब्जे से कुल 25 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0–283/2020,284/2020,286/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

आर्म्स एक्ट में चार के खिलाफ की गयी कार्यवाही

थाना को0 पडरौना पुलिस टीम द्वारा 02 नफर अभियुक्त में महन्थ प्रसाद पुत्र जगरनाथ साकिन मुजहिदा थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर व रियाजुल पुत्र जाहिद साकिन बसहिया बनवीरपुर थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर के कब्ज से 01 अदद अवैध चाकू व 01 अदद नाजायज देशी तमंचा व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद कर अन्तर्गत मु0अ0सं0–298/2020 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट, 299/2020 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

वही थाना खड्डा पुलिस टीम द्वारा 02 नफर अभियुक्तों में निहाल जायसवाल पुत्र स्व0 गोविन्द जायसवाल साकिन वार्ड नं0–04 आजाद चौक कस्बा थाना खड्डा जनपद कुशीनगर व राकेश पुत्र स्व0 रामा मोदनवाल साकिन वार्ड नं0–06 सिविल लाइन कस्बा थाना खड्डा जनपद कुशीनगर के कब्जे से 01 अदद चाकू नजायज मछली आकार का, 01 अदद देशी तमंचा 315 बोर व 01 अदद कारतूस 315 बोर बरामद कर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0–155/2020 धारा 4/25,156/2020 धारा 3/25 में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

साथ ही थाना खड्डा पुलिस टीम द्वारा 01 नफर बाल अपचारी अभियुक्त को अन्तर्गत मु0अ0सं0– 134/2020 धारा

पन्द्रह वांछित अभियुक्तों की हुई गिरफ्तारी

कुशीनगर के थाना कप्तानगंज पुलिस टीम द्वारा 01 नफर अभियुक्त प्रमोद पुत्र राधेश्याम सा0 अवरही कृतपुरा थाना कप्तानगंज जनपद कुशीनगर को अन्तर्गत मु0अ0स0 168/2020 धारा 147/148/323/504/506/336/188/354/308/304/452 भादवि में गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही की गयी वही थाना सेवरही पुलिस टीम द्वारा 03 नफर अभियुक्त उपेन्द्र यादव पुत्र महातम यादव साकिन जहवी हरबल्भ थाना तरयासुजान , सरवन चौहान पुत्र वीर चौहान साकिन परसा उर्फ सिरसिया हालमुकाम दुबौली थाना सेवरही जनपद कुशीनगर व वंशी चौहान पुत्र मजिस्टर चौहान साकिन दुबौली थाना सेवरही जनपद कुशीनगर को क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0–132/2020 धारा–392, 180/2018 धारा–419/420/467/468/471/504/506/120बी भादवि में गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

354ए/323/188/269 भादवि व 51 बी आपदा प्रबन्धन अधि0 में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई।

थाना को0 पडरौना पुलिस टीम द्वारा 01 नफर अभियुक्त विरेन्द्र ओझा साकिन पुत्र उदय नरायण ओझा साकिन सुसवलिया थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर को अन्तर्गत मु0अ0सं0– 532/2018 धारा 363/366/368/504/506/376 भादवि व ठ पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई ।साथ ही

थाना रामकोला पुलिस टीम द्वारा 01 नफर अभियुक्त राजकुमार सोनी पुत्र संतोष कुमार सोनी निवासी विजयपुर बेलभरिया थाना रामकोला जनपद कुशीनगर को अन्तर्गत मु0अ0सं0 217/ 20 धारा 376 आईपीसी व 3,2,5 एससी एसटी एक्टमें गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। थाना नेबुआ नौरंगिया पुलिस टीम द्वारा 03 नफर अभियुक्तों बदरे आलम पुत्र अलाउद्दीन साकिन टेढ़ी थाना ने0नौ0 जनपद कुशीनगर ,एजाज अंसारी पुत्र बदरे आलम साकिन टेढ़ी थाना ने0नौ0 जनपद कुशीनगर व विसिमिल्लाह पुत्र स्व0 जनई साकिन टेढ़ी थाना ने0नौ0 जनपद कुशीनगर क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0–161/2020 धारा 147/323/504/506/452/188/269/270 भादव व 51 बी आपदा प्रबन्धन में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

थाना पटहेरवा पुलिस टीम द्वारा 03 नफर अभियुक्तों विरेन्द्र गुप्ता पुत्र उर्फ चेरा पुत्र रामचन्द्र साकिन कस्तूरबा थाना पटहेरवा जनपद कुशीनगर, राहुल गोड़ पुत्र साकिन सठियाव थाना पटहेरवा जनपद कुशीग- व एक अभियुक्ता क्रमशः अन्तर्गत मु0अ0सं0–285/2020 धारा–3

(1) उप्र0 व गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधि0, 21/2020 धारा 379/411 भादवि, 165/2019 धारा 147/323/504/506/427/304 भादवि में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। साथ ही थाना पटहेरवा पुलिस टीम द्वारा 02 नफर अभियुक्ता को अन्तर्गत मु0अ0सं0–292/2020 धारा 302 भादवि में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटवाती उपजिलाधिकारी स्वाति शुक्ला व किए गए निर्माण कार्य को ढहाती जे सी बी मशीन

क्रांति समय संवाददाता

जंगबहादुरगंज । प्रदेश सरकार में एक पदाधिकारी ने उचौलिया क्षेत्र में सरकारी जमीन पर हुए अवैध निर्माण कार्य को टूटने से बचाने में नाकाम रहने पर उपजिलाधिकारी मोहम्मदी स्वाति शुक्ला के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है । भूमाफियाओं द्वारा उक्त सरकारी जमीन पर कब्जा करने के बाद पक्का निर्माण कार्य करते हुए दुकानें बनाना व इनकी अवैध बिक्री का काम शुरू कर दिया था । ग्रामीणों द्वारा अवैध निर्माण कार्य की शिकायत तहसील प्रशासन से की गयी । जिसका संज्ञान लेते हुए एसडीएम स्वाति शुक्ला ने राजस्व विभाग की टीम से शिकायत की जांच करायी जिसमें मामला सही पाए जाने के बाद उच्चाधिकारियों को अवगत कराकर एसडीएम ने अवैध निर्माण कार्य पर जेसीबी मशीन चलवाकर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त करा दिया । इसी आरोप है कि इस निर्माण कार्य को बचाने के लिए एसडीएम पर दबाव बनाया जा रहा था जिसमें नाकाम रहने के बाद मामले को डाइवर्ट करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से तूल दे दिया गया । जिसमें भाजपा अवध प्रांत संयोजक श्याम किशोर अवस्थी व एसडीएम स्वाति शुक्ला के समर्थकों ने दोनों पक्षों से अलग अलग टिप्पणियों के दौर शुरू हो गया । इसी बीच एक राजनैतिक पार्टी के कार्यालय में बढ़ती आवजाही तथा भाजपा छोड़ अन्य पार्टी का दामन थामने की भी सुगबुगाहट तेजी से चर्चा में है । इसी मामले को बना सकते ढाल मुख्यमंत्री , प्रधानमंत्री , क्षेत्रीय सांसद , विधायक व जिलाधिकारी आदि की टैग करते हुए फेसबुक , ट्विटर व इंस्टाग्राम पर तमाम तरह की पोस्ट डाली जा रही । भाजपा अवध प्रांत संयोजक श्याम किशोर अवस्थी का कहना है कि एसडीएम पार्टी कार्यकर्ताओं की काल रिसीब नही करती है । जिस सम्बंध में सोशल मिडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री सहित अन्य को अवगत कराया है । डीएम ने मामले को सुलझाने का आश्वासन दिया है अगर बात नही बनी तो सीएम से मिलकर शिकायत करूंगा । वहीं उपजिलाधिकारी स्वाति शुक्ला का कहना है कि कोर्ट में होने पर यह समस्या हो सकती है अन्यथा सभी की काल रिसीब होती है । उन पर लगाये जा रहे आरोप तथ्यहीन है । कार्यशैली से गैर कानूनी काम करने वालों को दिक्कतें हो सकती है बाकी पब्लिक , समाज व अन्य उनकी कार्यशैली से संतुष्ट है । जिसकी समीक्षा की जा सकती है ।

निजी स्वार्थ के चलते प्रधान बनवा रहा है घर के पीछे शौचालय लोगों ने किया विरोध

क्रांति समय संवाददाता

ऊंचाहार। तहसील क्षेत्र विकासखंड जगतपुर के ग्राम सभा दौलतपुर के गांव बिछिया वादी में ग्राम प्रधान के द्वारा प्रधानमंत्री सुलभ शौचालय को निजी स्वार्थ के उद्देश्य से सार्वजनिक स्थल पर ना बनवा कर अपने मकान के पीछे बनवाये जाने को लेकर ग्रामीणों ने खासा विरोध जताते हुए उप जिलाधिकारी ऊंचाहार को ज्ञापन सौंपा।

मामला जगतपुर विकासखंड की ग्राम सभा दौलत पुर के गांव बिछियावादी का है। ग्रामीणों का विरोध है कि ग्राम प्रधान सावित्री देवी तथा उनके पति रामशरन यादव द्वारा ग्राम सभा में आए हुए प्रधानमंत्री सुलभ शौचालय को सार्वजनिक स्थल पर ना बनवाकर निजी उपयोग के लिए अपने मकान के पीछे शौचालय का निर्माण करवा रही हैं।

जबकि ग्राम सभा के गांव पूरेबैशन, पूरे आशा, गोपिया पुर तथा बिछिया वादी गांवों के मध्य शौचालय का निर्माण होना चाहिए जिससे चारों गांव में आने वाले बारातियों के लिए सुविधा हो सके।

जिसका विरोध जताते हुए वीरेंद्र, जंग बहादुर, धीरेंद्र, वंश बहादुर, पवन कुमार, बाबूलाल, विनोद कुमार, नरेंद्र यादव, शिव बहादुर आदि लगभग दो दर्जन ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक सुलभ शौचालय मलिन बस्ती में बनाए जाने का प्रावधान है।

ग्राम प्रधान द्वारा ग्राम सभा की जमीन कब्जाने को लेकर अपने घर के पीछे लोगों के सैकड़ों साल पुराने घूरे को पटवा कर सार्वजनिक शौचालय का निर्माण करवा रहे हैं।

जिसका विरोध जताते हुए ग्रामीणों ने बुधवार को उपजिलाधिकारी ऊंचाहार को ज्ञापन सौंपा।

प्रधान पति रामशरण यादव का कहना है कि जमीन ग्राम समाज की है जिस पर लोगों ने घूरा लगा रखा था, जिसे हटवा कर शौचालय का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। उप जिलाधिकारी केशव नाथ गुप्ता ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है जांच करा कर कार्यवाही की जाएगी।

दाने दाने खाद के लिए परेशान अन्नदाता का धक्का–मुक्की में टूटा हाथ।

क्रांति समय संवाददाता

ऊंचाहार। तहसील क्षेत्र के किसी भी किसान सेवा केंद्र पर यूरिया खाद ना होने की वजह से अन्नदाता बहुत परेशान है। सुबह होते ही आईएफएफडीसी केंद्र पर लोगों के अंदर निराशा छा रही है किसानों की फसलें बर्बाद हो रही है। क्षेत्र के दूरदराज इलाके के लोग सुबह होते ही भूखे प्यासे एक–एक बोरी खाद के लिए आईएफएफडीसी इफको केंद्र थी, केंद्र प्रभारी की सूझ भूझ के कारण किसी तरह भीड़ पर काबू पाया गया। जबकि केंद्र प्रभारी ने उपजिला अधिकारी से सुरक्षा व्यवस्था की गुहार लगाई थी। बुधवार को इसी धक्का–मुक्की दिया जाता है जो मारामारी के बीच महेज दो घंटे में समाप्त हो जाती है। आधे लोग सुबह से लाइन लगाकर बिना खाद के ही भूखे प्यासे अपने घरों को लौट जाते हैं और अगले दिन फिर जाकर

हजारों की संख्या में क्षेत्रीय किसानों की भारी भीड़ जमा हो जाती है। सुरक्षा बल ना होने की वजह से लोगों में धक्का–मुक्की के बीच मारपीट की भी नौबत बनी रहती है।

दाने–दाने खाद के लिए किसान परेशान है क्षेत्र के किसी भी सहकारी समिति किसान सेवा केंद्र पर युरिया खाद ना होने के कारण रेलवे क्रॉसिंग ऊंचाहार पर भारी संख्या में एकत्र हो जाते हैं। तथा लाइन लगाकर दस बजे अधिकारियों के आकर केंद्र का दरवाजा खोलने का इंतजार करते हैं। दरवाजा खुलते ही लोग आपस में धक्का–मुक्की करने लगते हैं। बृहस्पतिवार की सुबह लोगों के बीच गाली गलौज के बाद मारपीट की भी नौबत आ चुकी के बीच एक युवक का दाहिना हाथ टूट गया। जिसे लोग लेकर अस्पताल गए जहां पर किसान का इलाज चल रहा है। बताते चलें कि आईएफएफडीसी केंद्र रेलवे क्रॉसिंग पर खाद सीधे फूलपुर एजेंसी से मंगाई जाती है। प्रतिदिन चार सौ बोरी खाद आती है और ट्रक से ही खाद लोगों को बेच लाइन लगाकर खड़े हो जाते हैं। केंद्र प्रभारी अशोक त्रिपाठी ने बताया कि कहीं भी खाद ना होने के कारण इस गोदाम पर मारामारी रहती है सुरक्षा व्यवस्था की मांग की गई थी परंतु आश्वासन के बाद भी मिली नहीं। लोगों के बीच झगड़े की समस्या बनी रहती है।

आंगनवाड़ी को गांव वालों ने बनाया अपना आशियाना

क्रांति समय संवाददाता

ऊंचाहार।सूबे के सरकार के लाखो दावो के बावजूद बालविकासपरियोजना विभाग के मतहत अधिकारी तक बेलगगाम है जिसके कारण ये है कि आंगनवाड़ी कार्यकत्री केन्द्र तक से कार्यकत्री नदारद रहने के बाद केन्द्र पर गांव के लोगों ने अपना आशियाना बना लिया है।

बताते चले कि रोहनिया ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम पंचायत डिलौली में लाखों की लागत से आंगनवाड़ी केन्द्र गांव कल्यानपुर मे बना हुआ है।जिसमे केन्द्र की आंगनवाड़ी सदैव केन्द्र से लापता रहती है जिसका नतीजा ये है कि आंगनवाड़ी के सरकारी भवन मे गांव के एक व्यक्ति के द्वारा अपना आशियाना बना लिया गया है जिसमे केन्द्र की योजनाओं के तहत आने वाली सामग्री केन्द्र की जगह कहां चली गई ये भी कोई बताने वाला नही है।केन्द्र के उपकरण व फाइलें तक केन्द्र की कार्यकत्री अपने ही घर पर रखती है जबकि सरकारी बिल्डिग है उनकी लेकिन उस सरकारी बिल्डिग मे आराजकतत्वो का कब्जा है।सूत्रों की माने तो केन्द्र मे जो कृत्य होता है उसको लोगों ने जरूर बताया लेकिन हमारे पास साक्ष्य न होने के कारण मै उसको नही लिख सकता हूं।उधर तहसीलदार अभिनव पाठक ने बताया कि प्रकरण की जांच करवाया जाएगा क्योकि सरकारी बिल्डिग मे चारपाई व बिस्तर किसी के है तो वो गलत है जहां पर कब्जा करना ही कानूनी अपराध है।

नाजायज असलाह के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

क्रांति समय संवाददाता

लखीमपुर– पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र कुमार द्वारा संचालित 'अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध' अभियान के तहत आज पसगवां कोतवाली के अन्तर्गत एक व्यक्ति को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। कोतवाली पसगवां खीरी की बर्बर चौकी इंचार्ज श्री सुनील कुमर सिंह आज सुबह अपनी पुलिस टीम के साथ गश्त पर निकले। कि भौनपुर रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति ने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की। लेकिन चौकी प्रभारी ने अपनी टीम के साथ उसे धर दबोचा। उक्त व्यक्ति के पास से तलाशी के दौरान एक तमंचा 315 बोर व 3 जिंदा कारतूस बरामद हुए।उक्त व्यक्ति ने पुलिस को अपना नाम कमालुद्दीन पुत्र मसीउल्ला निवासी मोहल्ला देविस्थान बर्बर थाना पसगवां खीरी बताया।

चौकी इंचार्ज सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अभियुक्त कमालुद्दीन किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था।

पुलिस ने उक्त के विरुद्ध आईपीसी की धारा 3/25 (क्राइम नंबर 373/2020) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर अपराधी को जेल भेज दिया।

सार–समाचार

पार्षद की अगुवाई में क्षेत्रीय लोगों ने किया अनोखा विरोध

जर्जर सड़क और जलभराव से अजिज लोगों ने किया सद्बुद्धि यज्ञ

नगर निगम को नींद से जगाने के लिए जलभराव के पास सड़क पर किया गया हवन सद्बुद्धि यज्ञ

ना सुन रहे सी ओ ना थानेदार दलित किशोरी की हुआ बलात्कार

क्रांति समय संवाददाता

रायबरेली बलात्कार की शिकार बनी दलित किशोरी पिछले कई महीनों से पुलिस अधिकारियों का दरवाजा खटखटा रही बलात्कारियों को दंड देने की बात तो दूर रही अभी तक पीड़ित की रिपोर्ट भी नहीं लिखी गई

मामला सलोन कोतवाली के सूची गांव के मियां के पुरवा का है जहां पर दलित भीखा दास की किशोरी के साथ घर में घुसकर बलात्कार किया गया पीड़ित स्वयं कोतवाली बीती पहुंचकर गांव के गंगाराम धर्मराज कल्लू के खिलाफ पीड़ित लिखित तहरीर दी लेकिन अभी तक पुलिस ने दलित किशोरी की रिपोर्ट नहीं लिखी पीड़ित तथा उसकी मां एस पी सी ओ व डी एम के यहां भी न्याय की गुहार लगाई लेकिन अभी तक न्याय की फरियाद कहीं से भी नहीं सुनी गई और न ही घटना की रिपोर्ट दर्ज की गई पीड़ित दलित किशोरी व उसकी मां को विपक्षी मौत के घाट उतार देने की धमकी दे रहे पीड़ित की मां का कहना है

कि पुलिस शायद किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रही पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट दर्ज कराने तथा घटना की जांच कराने की मांग की है

गंगाराम अपहरण की नहीं सुलझी गुत्थी

क्रांति समय संवाददाता

रायबरेली सरेनी थाना क्षेत्र में घटी गंगाराम अपहरण कांड की गुत्थी पुलिस अभी तक सुलझा नहीं पाई अज्ञात बाइक सवार दो लोगों ने अपहरण की घटना को अंजाम दिया था बीती 14 अगस्त को सरेनी पुलिस ने अपराध संख्या 280 / 20 पर धारा 364 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया था सिंधौर तारा निवासी धर्मेंद्र सिंह की तहरीर पर मामला दर्ज किया गया तहरीर में कहा गया कि उनका नौकर गंगाराम 45 वर्ष जो जौनपुर जनपद का निवासी है घर से दूध लेकर बाबा का पुरवा बाबा मूसा दूध डेरी पर साइकिल से गया था घर लौटते समय एक बाइक पर सवार दो अज्ञात लोगों ने उसकी साइकिल में टक्कर मारकर उसे गिरा दिया फिर इलाज कराने के बहाने उसका अपहरण कर लिया 14 अगस्त से गंगा राम को कोई आता पता नहीं है।

घटना मामला लाला का पुरवा मोड़ पर घटित हुई हैउधर धर्मेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि मेरे द्वारा घटना की नामजद तहरीर दी जा रही है जिसे पुलिस ने दबाव बना कर मना करवा दिया और अब गंगाराम की बरामदी में तरह तरह की कहानी पुलिस बता रही है वादी मुकदमा धर्मेंद्र सिंह ने पुलिस अधीक्षक से गंगाराम अपहरण कांड की खुलासे की मांग की है

नहर फटने से गांव मे घुसा पानी

क्रांति समय संवाददाता कानपुर(घाटमपुर) :भीतरगांव क्षेत्र के सतरौली गांव मे नहर फटने से गांव के अन्दर पानी भर जाने से गांव के लोगों मे दहशत भर गयीं है। पानी लोगों के घरों के अंदर घुस रहा है ।गांव के ओकार ,नैन सिंह, मुलायम ,गोरेलाल आदि के घर डूब गये है अभी तक प्रशासन ने कोई कार्यवाही नही की है जिससे गांव के लोगों मे काफी गुस्सा काफी गुस्सा है।